शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शुक्रवार 08 अगस्त 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 14, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 122 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.0	22.0
डालटनगंज	34.0	25.0
धनबाद	32.4	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

स्वामीनाथन की 100वीं जयंती: ट्रंप का बिना नाम लिए पीएम नरेंद्र मोदी का अमेरिका को सीधा जवाब

किसानों से बढ़कर कुछ नहीं, पता है कीमत चुकानी होगी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत और अमेरिका के रिश्ते में कड़वाहट आ सकती है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है. इस मसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का नाम लिए बिना प्रतिक्रिया दी है. पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा कि हमारे लिए किसान सबसे पहले हैं. उन्होंने कहा कि किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर समझौता नहीं किया जा सकता है.

दरअसल पीएम मोदी ने भारत की हरित क्रांति के जनक प्रो. एमएस स्वामीनाथन की 100 वीं जन्म जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया. उन्होंने नई दिल्ली में एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान कहा, हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है. भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा.

किसानों की आय बढ़ाने के लिए हो रहा काम : मोदी ने कहा, किसानों के हितों को सर्वोपरि रखना है और मुझे पता है कि इसके लिए मुझे कीमत चुकानी होगी. किसानों और पशुपालकों के कल्याण के लिए हम सारे प्रयास करेंगे और उनके हितों से समझौता नहीं होगा. किसानों की आय बढ़ाना, खेती पर खर्च कम करना, आय के नए स्रोत बनाने के लक्ष्यों पर हम लगातार काम कर रहे हैं. हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है.

क्या करके मानेंगे ट्रंप? अब लगाने वाले हैं 100% 'चिप टैरिफ'

वाशिंगट। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ अटैक कम होने का नाम नहीं ले रहा, भारत पर 25% टैरिफ बढ़ाकर इसे 50% कर दिया है, हालांकि गुरुवार से देश पर पहले घोषित किया गया 25% यूएस टैरिफ ही लागू हुआ है,

जबकि एक्स्ट्रा 25% 27 अगस्त से प्रभावी होगा. वहीं अब एक और सेक्टर पर टैरिफ बम फोड़ने की तैयारी की है. वे 100% चिप टैरिफ का ऐलान करने वाले हैं, जिससे दुनियाभर के सेमीकंडक्टर उद्योग पर बुरा असर पड़ेगा. ये भारत के लिए भी चिंता का सबब बन सकता है, क्योंकि इंडियन सेमीकंडक्टर मॉर्केट तेजी से ग्रोथ कर रहा है.

100% टैरिफ लगाने की तैयारी में ट्रंप : ट्रंप ने भारत पर एक्स्ट्रा टैरिफ का ऐलान करने के साथ ही ओवल ऑफिस एक और बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि हम अब चिप और सेमीकंडक्टर पर बड़ा टैरिफ लगाने जा रहे हैं. जो 100 फीसदी तक हो सकता है. हालांकि, उन्होंने इसके साथ ही ये भी साफ किया कि एप्पल जैसी जो कंपनियां अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग कर रही हैं, उन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा.

चिप मैन्युफैक्चरिंग की रफ्तार पर असर : दुनिया में तमाम देश सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़े हुए हैं, लेकिन भारत इस सेक्टर में सबसे तेजी से आगे बढ़ता हुआ खिलाड़ी है. जहां एक ओर देश में सेमीकंडक्टर चिप्स का यूज बड़े स्तर पर हो रहा है, तो इसकी मैन्युफैक्चरिंग भी आगे जा रहा है. भारत में तेजी से चिप बनाने का काम हो रहा है, जिस कारण सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री ग्रो कर रही है. सरकार मकसद इस सेक्टर में दूसरे देशों पर निर्भरता कम करना है और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है, साथ ही इसका निर्यात करना भी है. लेकिन अगर इसपर ट्रंप 100 फीसदी टैरिफ लगाते हैं, तो चीन, ताइवान और जापान ही नहीं, भारत पर भी असर दिख सकता है.

2030 तक यूएस-चाइना को टक्कर देगा भारत : हालिया रिपोर्ट्स की मानें, तो साल 2030 में भारतीय सेमीकंडक्टर मार्केट 100-110 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है. इसमें तेजी से ग्रोथ देखने को मिली है, क्योंकि साल 2022 में देश का चिप मार्केट करीब 23.2 अरब डॉलर का था, जो 2023 में 38 अरब डॉलर का हुआ और 2024-25 में 45 से 50 अरब डॉलर तक जा पहुंचा. अगर अनुमान के मुताबिक, 2030 तक ये बाजार 100 से 110 अरब डॉलर तक पहुंचता है, तो फिर देश चीन और अमेरिका के साथ खड़ा हो जाएगा. दरअसल, साल 2023 में चीन का सेमीकंडक्टर मार्केट 177.8 अरब डॉलर था, जो ग्लोबल मार्केट का 32 फीसदी हिस्सा रहा. वहीं अमेरिका का चिप मार्केट 130 अरब डॉलर था, जो ग्लोबल मार्केट का 25 फीसदी है.

ब्रीफ न्यूज

रूसी राष्ट्रपति का भारत दौरा कनफर्म

मॉस्को। अमेरिका से मची तनातनी के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आ रहे हैं. गुरुवार को मॉस्को में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के हवाले से बताया गया कि राष्ट्रपति पुतिन इस साल के अंत में भारत का दौरा करेंगे. पुतिन के भारत दौरे की खबर ऐसे वक्त में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद से नाराज होकर भारत पर टैरिफ 50% तक बढ़ा दिया है. रूसी न्यूज एजेंसी इंटरफैक्स ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन 2025 के अंत में भारत दौरे पर आएंगे.

सीआरपीएफ की गाड़ी खाई में गिरी, तीन जवान शहीद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर ज़िले के बसंतगढ़ क्षेत्र में गुरुवार सुबह दुखद दुर्घटना हुई. कंडवा इलाके के पास सीआरपीएफ का वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा. हादसे में तीन जवानों ने देश सेवा करते हुए अपने प्राण गंवा दिए, जबकि 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. यह दुर्घटना सुबह लगभग 10:30 बजे घटी, जब सीआरपीएफ की 187वीं बटालियन का वाहन बसंतगढ़ में एक ऑपरेशन के बाद लौट रहा था. संतुलन बिगड़ने से वाहन खाई में गिर गया.

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 की अधिसूचना जारी कर दी है. नामांकन, जांच, नाम वापसी और मतदान की तिथि पहले ही घोषित की जा चुकी हैं. एक से अधिक उम्मीदवार होने पर मतदान 9 सितंबर को होगा. अधिसूचना के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 21 अगस्त तक चलेगी. आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 की धारा 4 की उपधाराओं (1) और (4) के तहत अधिसूचना जारी की है. नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी. मतदान 9 सितंबर को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक होगा. उसी दिन मतगणना भी होगी.

प्रेस कॉन्फ्रेंस: 'सबूतों के साथ' राहुल गांधी का दावा, महाराष्ट्र में हुई बड़ी धांधली

आयोग के साथ मिलकर सत्ताधारी दल कर रहा 'आपराधिक धोखाधड़ी'

एजेंसियां। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर करारा हमला बोला है. उन्होंने विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि- महाराष्ट्र में 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए हैं. राहुल गांधी का आरोप है लोकसभा चुनाव 2024 और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के बीच इन मतदाताओं को जोड़ा गया है. कांग्रेस सांसद बीते कुछ समय से चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर लगातार हमलावर हैं. उन्होंने महाराष्ट्र, कर्नाटक और कुछ अन्य जगहों की मतदाता सूची के आधार पर चौंकाने वाले दावे किए हैं. मतदाता सूची में जोड़े गए हजारों-लाखों नाम का उल्लेख करते हुए राहुल ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन न करते हुए वोट की चोरी की जा रही है. उन्होंने कई आंकड़ों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि आयोग की विश्वसनीयता संदेह के घेरे में है.

भाजपा के लिए की जा रही है वोटों की चोरी : राहुल गांधी ने कांग्रेस की तरफ से जुटाए गए सबूतों का जिक्र करते हुए कहा कि वोटों की चोरी भाजपा के लिए की जा रही है. मतदाता सूची के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि आयोग इस मुद्दे पर जवाब क्यों नहीं दे रहा है. उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में चंद महीने में लाखों मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े गए, जो काफी चिंताजनक है. राहुल का कहना है कि, शाम पांच बजे के बाद वोटर टर्नआउट का बढ़ना भी हैरान करने वाला है.

भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत : नवंबर 2024 में कराए गए महाराष्ट्र विस चुनाव के नतीजों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद हमारे संदेह की पुष्टि हुई कि चुनाव में 'धांधली' हुई... मशीन में पढ़ी जा सकने वाली मतदाता सूची नहीं मुहैया कराए जाने से हमें यकीन हो गया कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में चुनाव में 'धांधली' के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत की है.

वोटों की चोरी पकड़ने में छह महीने का वक्त लगा : इस दौरान राहुल ने सवाल पूछा- शाम पांच बजे के बाद वोटर क्यों बढ़े? चुनाव आयोग इसका जवाब दे. कांग्रेस पार्टी ने वोटों की धांधली के मामले में चुनाव आयोग से सवाल पूछे हैं, लेकिन आयोग ने एक भी जवाब नहीं दिया. इस दौरान राहुल गांधी ने दावा किया कि हमें वोटों की चोरी पकड़ने में छह महीने का वक्त लगा है.

कर्नाटक में भी फर्जी मतदाता होने का दावा

राहुल ने महाराष्ट्र के अलावा एक अन्य राज्य को लेकर भी चौंकाने वाला दावा किया. बकौल राहुल गांधी, कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर 6.5 लाख वोटों में से 1 लाख से अधिक वोटों की 'वोट चोरी' हुई. कांग्रेस के शोध में कर्नाटक के महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र में एक लाख से अधिक फर्जी मतदाता, अवैध पते और बड़ी संख्या में मतदाता (बल्क वोटर्स) पाए गए.

भाजपा सत्ता-विरोधी भावना से ग्रस्त नहीं

राहुल ने कहा, सत्ता-विरोधी भावना एक ऐसी चीज है जो हर लोकतंत्र में हर पार्टी को प्रभावित करती है. लेकिन किसी कारण से, भाजपा लोकतांत्रिक ढांचे में एकमात्र ऐसी पार्टी है जो मूल रूप से सत्ता-विरोधी भावना से ग्रस्त नहीं है. एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल एक बात कहते हैं, आपने हरियाणा चुनाव में देखा, आपने मध्य प्रदेश चुनाव में देखा और फिर अचानक परिणाम बड़े पैमाने पर बदलाव के साथ पूरी तरह से अलग दिशा में चले जाते हैं. इसमें हमारा अपना आंतरिक सर्वेक्षण भी शामिल है, जो काफी परिष्कृत है.

ऐसे 40 हजार वोटर हैं जिनका पता शून्य है

राहुल गांधी ने आगे कहा, ऐसे 40 हजार वोटर हैं जिनके पते शून्य है या फिर है ही नहीं... अलग-अलग नाम और अलग-अलग परिवार के लोग और जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है... चुनाव आयोग के मुताबिक इन पतों पर कई लोग रहते हैं लेकिन जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है... वोटर लिस्ट में कई लोगों की तस्वीरे नहीं हैं और अगर है भी तो ऐसी जिन्हें देखकर मतदाताओं की पहचान ही नहीं हो सकती.

चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

राहुल गांधी ने कहा, मान लीजिए मुझे यह पता लगाना है कि क्या आपने दो बार वोट दिया है या आपका नाम मतदाता सूची में दो बार है, तो मुझे आपकी तस्वीर लेनी होगी और फिर उसे कागज के हर टुकड़े से मिलाना होगा.यही प्रक्रिया है, यह बहुत ही थकाऊ है. मैंने शुरू में सोचा कि हम कई सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन जब हमें इसका सामना करना पड़ा, तो समझ आया कि चुनाव आयोग हमें इलेक्ट्रॉनिक डेटा क्यों नहीं देता. क्योंकि वे नहीं चाहते कि हम ध्यान से देखें. इस काम में हमें छह महीने लगे. अगर चुनाव आयोग हमें इलेक्ट्रॉनिक डेटा देता, तो 30 सेकंड लगते. मैं दोहराता हूं, इसीलिए हमें इस तरह का डेटा दिया जा रहा है, ताकि उसका विश्लेषण न हो. इनमें ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन की सुविधा नहीं है. इसलिए अगर इन्हें स्कैन भी करते हैं, तो डेटा नहीं निकाल सकते. आयोग इन कागजों की सुरक्षा क्यों कर रहा? वह ऐसे कागज देता है जिन्हें पढ़ा नहीं जा सकता.

राहुल के आरोपों पर आयोग बोला- सबूत के साथ शपथपत्र दें

राहुल बोले-देश के सामने दिया बयान ही मेरा शपथपत्र

कर्नाटक में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग का सख्त रुख है. आयोग ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर कहा है कि यदि उन्होंने जिन वोटरों के नाम, पते और पहचान को लेकर धांधली के आरोप लगाए हैं, तो वे उसके प्रमाण के साथ शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें. नहीं तो वे बयान वापस लें. जनता को गुमराह करना बंद करें. इस पर राहुल ने जवाब दिया कि वह नेता हैं और जो वह सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं, इसे ही शपथ माना जाए. कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी पत्र पर जब राहुल गांधी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं नेता हूं. जो मैं जनता से कहता हूं, वही मेरे शब्द हैं. इसे ही मेरी शपथ मानिए. कि जिन आंकड़ों का वे जिक्र कर रहे, वो उनके नहीं बल्कि आयोग के ही डेटा है. दिलचस्प बात यह है कि आयोग ने इन आंकड़ों का खंडन नहीं किया है. उन्होंने यह नहीं कहा कि राहुल गांधी जिन मतदाता सूचियों की बात कर रहे हैं, वे गलत हैं. आप क्यों नहीं कहते कि ये गलत हैं? क्योंकि आप सच जानते हैं. और आप जानते हैं कि हम जानते हैं कि आपने ये काम पूरे देश में किया है.

वोट चोरी 5 तरह से होती है?

- - डुप्लीकेट वोटर्स (11,965)
- - फेक और इनवैलिड एड्रेस (40,009)
- - एक ही पते पर बल्क वोटर्स (10,452)
- - इनवैलिड फोटो (4132)
- - फॉर्म 6 का दुरुपयोग (30,000)

किसी को छोड़ूंगा नहीं : राहुल गांधी ने आयोग के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप चाहे किसी भी पॉजिशन पर हों, सीनियर हो या फिर जूनियर, हम आपको छोड़ेंगे नहीं. हमें लगता है कि वोटर लिस्ट में ये गड़बड़ियां कई सीटों पर हुई हैं. चुनाव आयोग को इस देश के लोगों को जवाब देना है.

750 करोड़ का जीएसटी घोटाला: झारखंड, बंगाल और महाराष्ट्र में ईडी की बड़ी कार्रवाई

12 ठिकानों पर छापेमारी

शुभम संदेश। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के फर्जी जीएसटी चालानों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में बड़ी कार्रवाई की है. ईडी की टीमें इन तीन राज्यों में कुल 12 परिसरों पर छापेमारी कर रही हैं. झारखंड के रांची और जमशेदपुर में ईडी ने सबसे ज्यादा 8 ठिकानों पर एकसाथ रेड डाली. जिन जगहों पर तलाशी ली गई, वहां सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और लोगों की आवाजाही पर रोक लगाई गई थी.

यह मामला मुखौटा कंपनियों और अवैध लेन-देन के जरिए झारखंड में 750 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बनाने से जुड़ा है. ईडी को जांच में पता चला कि इस घोटाले के तार पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र तक फैले हुए हैं. कोलकाता के साल्टलेक सहित दो जगहों पर और महाराष्ट्र में भी दो जगह छापेमारी की गई.

(पेज-3 भी देखें)

शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से खुला राज

इस घोटाले की जांच की शुरुआत मई 2025 में शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी के बाद हुई थी. वह इस घोटाले का मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है. देवड़ा के खिलाफ पिछले महीने चार्जशीट दाखिल की गई है.

पुख्ता सबूतों के आधार पर कार्रवाई

ईडी ने बताया कि छापेमारी 'विश्वसनीय साक्ष्यों' के आधार पर की जा रही है, जो दर्शाते हैं कि कई व्यक्ति और कंपनियां इस घोटाले से अर्जित काले धन को वैध बनाने की प्रक्रिया में शामिल थीं. इससे पहले भी एजेंसी ने मई में इस मामले में कार्रवाई की थी.

एजेंसी की शक्तियों को लेकर उठे सवाल तो बोला सुप्रीम कोर्ट

बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकती ईडी, हमें चिंता है...

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि ईडी किसी बदमाश की तरह काम नहीं कर

सकती है, उसको कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा. कोर्ट ने ईडी की छवि को लेकर चिंता जताई. कहा कि कानून लागू करने वाले, कानून का उल्लंघन करने वाले निकायों में अंतर होता है. बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस सूर्यकांत, उज्जवल भुइयां और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच जुलाई 2022 के कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. इस फैसले में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत ईडी की व्यापक शक्तियों की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया था.

बेंच ने ईडी की छवि को लेकर चिंता जताते हुए कहा, हमने क्या देखा कि, जो संसद में मंत्री के बयान से भी सच साबित हो गया कि पांच हजार मामलों में से 10 से भी कम केस में दोषसिद्धि हुई. हालांकि, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने ईडी का बचाव किया और कोर्ट को बताया कि ये अंतर क्यों है. उन्होंने कहा कि पीएमएलए मामलों में दोषसिद्धि दर कम इसलिए है, क्योंकि अमीर और ताकतवर लोग अच्छे वकीलों को हायर करते हैं और कई याचिकाएं दाखिल करते हैं.

वाशिंगटन पोस्ट : अमेरिकी अखबार ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिखाया आईना, लिखा

बारिश के अनुमान पर टीवी तोड़ेंगे या छाता निकालेंगे?

एजेंसियां। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुगलकी फरमान जारी करते हुए श्रम सांख्यिकी ब्यूरो की आयुक्त एरिका मैकएंटार्फर को बर्खास्त कर दिया. ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सरकार को बदनाम करने के लिए रोजगार को लेकर जारी किए गए आंकड़ों में हेराफेरी की. ट्रंप के इस फैसले पर अमेरिका में थू-थू हो रही है. अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट ने अपने संपादकीय में ट्रंप के फैसले की निंदा की है. साथ ही, विस्तृत रिपोर्ट सामने रखा है.

ट्रंप के फैसले पर किया कटाक्ष : अखबार ने ट्रंप के फैसले पर कटाक्ष करते हुए लिखा- जब मौसम का पूर्वानुमान बारिश की भविष्यवाणी करता है तो आप छाता लेने का फैसला कर सकते हैं. इसके लिए आप टीवी नहीं तोड़ेंगे या फिर मौसम वैज्ञानिको को नौकरी से नहीं निकालेंगे, क्योंकि आपको बारिश पसंद नहीं है, लेकिन ट्रंप ने ऐसा ही किया. श्रम सांख्यिकी ब्यूरो की आयुक्त को नौकरी से सिर्फ इसलिए निकाल दिया क्योंकि आयुक्त एरिका मैकएंटार्फर ने राष्ट्रपति के मन मुताबिक रिपोर्ट जारी नहीं की.

सही है आकंड़ों का सामने आना जरूरी : अखबार ने लिखा- आदर्श स्थिति में अनुमान सटीक होते, लेकिन गति और सटीकता के लिए यह एक अपरिहार्य समझौता है. किसी मामले पर नीति के लिए नीति निर्माताओं को आकंड़ों की जरूरत पड़ती है. भले ही वो आकंड़े अधूरे क्यों न हों. पिछले दो

दशकों में नौकरी वृद्धि अनुमान और अंतिम संशोधित आंकड़ों के बीच का अंतर कम हुआ है.

ट्रंप के फैसले ने वाल स्ट्रीट को हिलाकर रख दिया : मैकाएंटर्फर की बर्खास्तगी ने वाल स्ट्रीट को हिलाकर रख दिया. भविष्य के आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता को कम कर दिया है. अखबार ने लिखा-सांख्यिकीविदों को ऐसे आंकड़े बताने के लिए नहीं निकाला जाना चाहिए जो राष्ट्रपति को पसंद न हों. राजनेता आर्थिक आकंड़ों के साथ खिलवाड़ करते हैं. यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए घातक है. अखबार ने तर्क देते हुए कहा कि ग्रीस ने वर्षों तक बजट घाटे का आकार छिपाया. अर्जेंटीना ने नियमित रूप से मुद्रास्फीति के आंकड़े गढ़े. चीन ने अपनी विकास दर को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया. इससे इन देशों में व्यापक आर्थिक परेशानी देखने को मिली है. जेपी मॉर्गन चेज के मुख्य अमेरिकी अर्थशास्त्री माइकल फेरोली ने फेडरल रिज़र्व के अध्यक्ष जेरोम एच पॉवेल को बर्खास्त करने की ट्रंप की धमकियों का ज़िक्र करते हुए कहा, एक दोषपूर्ण पैनल का होना उतना ही खतरनाक हो सकता है जितना कि एक आज्ञाकारी पक्षपातपूर्ण पायलट का होना.

जल्द होगी नए नाम की घोषणा : ट्रंप प्रशासन ने बर्खास्तगी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वह इस हफ्ते नए नाम की घोषणा कर देगा. व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट ने कहा, राष्ट्रपति चाहते हैं कि उनके अपने लोग वहां मौजूद हों. लेकिन सीनेट को नामित व्यक्ति के चार साल के कार्यकाल की पुष्टि करनी होगी. आदर्श चयन वह व्यक्ति होगा, जिसकी विश्वसनीयता हो, डेटा संग्रह में विशेषज्ञता हो और निष्पक्ष होने का सिद्ध रिकॉर्ड हो. सरकार के सांख्यिकीविदों को सच बोलने के साथ -साथ आधुनिकीकरण करने वाले भी होने चाहिए. अमेरिकी आंकड़े जितने सटीक होंगे, लंबी अवधि में हमारी अर्थव्यवस्था उतनी ही बेहतर होगी.

गुजरात एटीएस ने किया पाकिस्तान की साजिश का खुलासा

अल-कायदा की शमा परवीन का पाक सेना चीफ असीम मुनीर से कनेक्शन

शुभम संदेश डेस्क

गुजरात एटीएस ने सनसनीखेज खुलासे में अल-कायदा की मास्टरमाइंड शमा परवीन का सीधा कनेक्शन पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से था. उसने सोशल मीडिया पर न केवल अल-कायदा के प्रचार को बढ़ावा दिया, बल्कि भारत में 'गजवा-ए-हिंद' और 'खिलाफत प्रोजेक्ट' को लागू करने के लिए पाकिस्तानी सेना से हमले की अपील भी की थी.

30 वर्षीय शमा परवीन, जो मूल रूप से झारखंड के कोडरमा जिले की रहने वाली है और पिछले 12 साल से बेंगलुरु में रह रही थी, अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) के टेरर मॉड्यूल की मुख्य सरगना

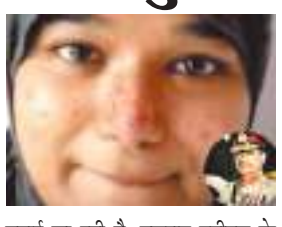

बताई जा रही है. गुजरात एटीएस के अनुसार, शमा ने इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भड़काऊ सामग्री साझा कर युवाओं को कट्टरपंथ की ओर उकसाने का काम किया.

उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7 से 10 मई के बीच कई पोस्ट्स में पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर से भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने की मांग की थी.

पाक से सीधा संपर्क

शमा परवीन आईएसआई और अन्य आतंकी संगठनों के संपर्क में थी. उसके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज से मिले सबूतों ने पाक से उसके सीधे संबंधों की पुष्टि की है. शमा ने अल-कायदा के पूर्व चीफ मौलाना असीम उमर और लाहौर लाल मस्जिद के इमाम अब्दुल अजीज के भड़काऊ बयानों को सोशल मीडिया पर साझा कर भारत में धार्मिक उन्माद और हिंसा फैलाने की कोशिश की. एटीएस के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर के दो दिन बाद, शमा ने अपने फेसबुक अकाउंट जनरल असीम मुनीर से भारत पर हमला करने और 'खिलाफत प्रोजेक्ट' को लागू करने का आह्वान किया था. उसने इसे "सुनहरा मौका" करार दिया.

गुरुजी की याद में सीएम हेमंत ने किया भावुक पोस्ट, कहा

नेमरा की धरती गवाह है उनके संघर्ष की

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की माटी आज एक ऐसी पीड़ा से भरी हुई है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है. दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से न सिर्फ एक युग का अंत हुआ है, बल्कि झारखंड की आत्मा का एक अनमोल अंश भी विदा हो गया। वे सिर्फ एक जननायक नहीं थे, वे एक विचार थे, एक आंदोलन थे, और उस संघर्ष की जीती-जागती मिसाल थे, जिसने झारखंड को उसकी पहचान दिलाई. इस अपूरणीय क्षति का सबसे गहरा असर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर पड़ा है. एक बेटा, जिसने अपने पिता को महज एक अभिभावक के रूप में नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, एक आदर्श और एक क्रांतिकारी विरासत के रूप में जिया उसके लिए यह सिर्फ व्यक्तिगत शोक नहीं, बल्कि भावनाओं का एक अथाह समंदर है. आज सुबह सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने पिता शिबू सोरेन और दादाजी सोना सोबरन मांझी को याद किया.

अपनी तस्वीर के साथ गुरुवार सुबह हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट साझा की, वह शब्दों से नहीं, आत्मा से लिखी गई थी. उन्होंने अपने पिता दिशोम गुरु और दादा जी वीर शहीद सोना सोबरन मांझी को याद करते हुए लिखा, नेमरा की यह क्रांतिकारी और वीर भूमि, दादाजी की शहादत और बाबा के अथाह संघर्ष की गवाह है. उन्होंने आगे लिखा कि यहां के जंगल, नदियां, और पहाड़ उस क्रांति के साक्षी हैं, जिसने झारखंड के लिए संघर्ष किया. उन्होंने अपने दादाजी सोना सोबरन मांझी को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, वीर शहीद सोना सोबरन मांझी अमर रहें! साथ ही उन्होंने झारखंड के निर्माता और अपने पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भी याद करते हुए लिखा, झारखंड राज्य निर्माता वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें! यह कोई साधारण पोस्ट नहीं थी, यह पीढ़ियों के संघर्ष की आवाज़ थी. यह उस बेटे की पुकार थी, जो आज भी अपने पिता की छाया में खुद को ढूंढ रहा है.

बेटे को ज्यादा खल रहा है पिता का जाना

झारखंड आंदोलन के पुरोधा और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है. लेकिन गुरु जी का जाना सबसे ज्यादा उनके बेटे हेमंत सोरेन को खल रहा है. झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने एक बार फिर अपने पिता दिशोम गुरु को याद कर भावुक पोस्ट साझा किया है. दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने आदिवासी अधिकारों और झारखंड राज्य निर्माण के लिए लंबा संघर्ष किया है. नेमरा गांव से उन्होंने अपनी राजनीतिक और सामाजिक यात्रा की शुरुआत की थी. शिबू सोरेन का जाना न सिर्फ एक परिवार की व्यक्तिगत क्षति है, बल्कि एक युग का अंत भी है. उनके निधन के बाद झारखंड सहित देशभर से श्रद्धांजलियों का सिलसिला जारी है. कई सामाजिक और राजनीतिक संगठन शोक सभा का आयोजन कर बाबा को याद कर रहे हैं.

राज्यपाल पहुंचे नेमरा, दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि दी

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के रामगढ़, नेमरा स्थित पैतृक आवास पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु स्मृति-शेष शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी. माननीय राज्यपाल गंगवार ने ईश्वर से दिवंगत शिबू सोरेन को अपने श्रीचरणों में स्थान देने, उनकी आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस विकट दु:ख को सहन करने का संबल प्रदान करने की प्रार्थना की. राज्यपाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट की और उनका ढांढ़स बंधाते हुए कहा कि दु:ख की इस घड़ी में हम सभी उनके साथ हैं.

नेमरा में सीएम हेमंत सोरेन ने निभाया पिता शिबू सोरेन का 'तीन कर्म', क्रांतिकारी धरती को किया नमन

शुभम संदेश। नेमरा/ रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता, पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के श्राद्ध कर्म की विधि पूरी कर रहे हैं. शिबू सोरेन के पारंपरिक श्राद्ध कर्म के दौरान नेमरा, रामगढ़ स्थित पैतृक आवास में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने परिजनों के साथ 'तीन कर्म' की परंपरा का निर्वहन किया. इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ उनकी माता रूपी सोरेन, छोटे भाई बसंत सोरेन, पत्नी कल्पना सोरेन, बहन अंजली सोरेन, भाभी सीता सोरेन समेत परिवार के अन्य सदस्य और रिश्तेदार मौजूद रहे. सभी ने पूरे विधि-विधान के साथ संस्कारों का निर्वहन किया. सीएम हेमंत सोरेन ने अपने दादाजी वीर शहीद सोना सोबरन मांझी और दिशोम गुरु शिबू सोरेन को नमन करते हुए "अमर रहें" का उद्घोष किया और नेमरा की क्रांतिकारी धरती को प्रणाम किया. इस बीच, नेमरा गांव में श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा. लगातार लोग मुख्यमंत्री से मिलकर शोक व्यक्त कर रहे हैं. रामगढ़ के डीसी फैज़ अक़ अहमद मुमताज़ और एसपी गांव में मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं. भीड़ को देखते हुए गांव से करीब 4 किलोमीटर दूर वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गयी है. बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता भी गांव में डटे हुए हैं.

जब कोई साधारण इंसान भगवान बन जाता है !

झारखंड के पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ कंवरदीप सिंह ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. कहा कि झारखंड के आदिवासी, पिछड़े, गरीब और असहाय लोगों के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले स्व शिबू सोरेन गुरुजी कब उन आदिवासियों के लिए भगवान बन गए, ये शायद गुरुजी को भी अंदाजा नहीं हुआ होगा. गुरुजी सिर्फ एक नाम ही नहीं, एक युग थे. एक विचार, एक आंदोलन, एक संघर्ष और एक उम्मीद थे. एक अनुकरणीय नेतृत्व, जिसने आदिवासी, पिछड़े एवं दलितों के अधिकार और न्याय के लिए जीवनभर संघर्ष किया. गुरुजी की आत्मा झारखंड की मिट्टी, यहां के जंगल, पहाड़ों में बस्ती थी, तो यहां के आदिवासी और पिछड़ों की आत्मा गुरुजी में. गुरुजी के आंदोलन ने न सिर्फ झारखंड के जंगलों और पहाड़ों पर बसने वाले आदिवासियों के जीवन को अंधकार से निकाला, बल्कि झारखंड के जन, जंगल, पहाड़ और अस्मिता की भी रक्षा की और झारखंड अलग राज्य के निर्माण का सपना साकार किया. और इस तरह वो झारखंड के आदिवासियों और पिछड़ों के दिशोम गुरु (भगवान) बन गए. ऐसी महान आत्मा को मैं नमन करता हूं. मुझे भी गुरुजी के जीवन दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ और उनका आशीर्वाद मिला. झारखंड राज्य से राज्यसभा के सांसद के तौर पर मेरे कार्यकाल के दौरान कई बार गुरुजी से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ और हर बार उनके जीवन दर्शन से कुछ नया सीखने को मिला. गुरुजी से मिलकर सचमुच महसूस हुआ कि वो दिशुम गुरु (भगवान का अवतार) हैं. न कोई गुरूर, न किसी के लिए कोई कटुता, सभी के लिए प्यार और आशीर्वाद. ऐसी आत्माएं सदियों में एक बार जन्म लेती हैं.मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं. ईश्वर शोक संतप्त परिवारजनों को भी इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें. इस दुःख की घड़ी में मेरी पूरी संवेदना और सहानुभूति उनके परिवारजनों के साथ है. राज्य के मुख्यमंत्री और गुरुजी के सुपुत्र हेमंत सोरेन अपने पिता के नक्शे क़दम पर चलते हुए उनकी विरासत और कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं. उनके साथ मेरी पूरी सहानुभूति है. विकसित और अग्रणी झारखंड के गुरुजी के सपनों के निर्माण में जब भी जरूरत पड़ी, मैं अपना योगदान देने के लिए कृतसंकल्प हूं. गुरुजी के प्रति यही मेरी सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

डॉ कंवरदीप सिंह

(-लेखक पूर्व राज्यसभा सांसद, झारखंड हैं)

राज्य की समस्याओं के समाधान के लिए करें शोध

सरकार देगी दो से 10 लाख रुपए

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य सरकार ने मौजूदा समस्याओं के तकनीकी समाधान के लिए शोध को बढ़ावा देने पर जोर दिया है. इसके लिए झारखंड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद (जेसीएसटीआई) ने आवेदन आमंत्रित किया है. शोध करने वालों को दो से 10 लाख रुपए तक का अनुदान भी दिया जाएगा. इसके तहत माइनर प्रोजेक्ट के लिए दो लाख रूपए दिए जाएंगे. इसकी अवधि 12 महीने की होगी. मेजर प्रोजेक्ट के लिए पांच लाख रूपए दिए जाएंगे. इसकी अवधि 24 महीने की होगी. लॉन्ग टर्म प्रोजेक्ट के लिए 10 लाख रूपए दिए जाएंगे. इसकी अवधि 36 महीने की होगी.

कौन कर सकते हैं शोध : यूजीसी व एआईसीटीई से अनुमोदित संस्थानों के वैज्ञानिक,शोधकर्ता, छात्र, संकाय सदस्य शोध के लिए प्रस्ताव दे सकते हैं. इसके अलावा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, राज्य के विश्वविद्यालयों या राज्य व केंद्र सरकार के संगठनों के घटक व संबद्ध कॉलेज के वैज्ञानिक,शोधकर्ता, छात्र, संकाय सदस्य भी आवेदन करने के पात्र हैं. झारखंड के अन्य पंजीकृत संगठन या उद्योग, जिनकी शोध पृष्ठभूमि स्थापित है, शोध परियोजना के लिए उपर्युक्त संस्थानों में से किसी के साथ सहयोग कर सकते हैं. एक संयुक्त टीम बना सकते हैं, जिसमें प्रमुख शोधकर्ता आदि शामिल हों. ऐसे सहयोगों का आवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेख होना अनिवार्य है. ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त और हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई है.

क्या है शोध का मापदंड

प्रस्तुत शोध प्रस्ताव किसी मौजूदा समस्या का तकनीकी समाधान या किसी ऐसे उत्पाद का विकास करेगा जो मौजूद समस्या का समाधान कर सके

- प्रस्तुत प्रस्तावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से उत्पन्न कोई सामग्री नहीं होनी चाहिए
- 12 फीसदी से कम साहित्यिक चोरी की सामग्री होनी चाहिए
- प्रस्तुत प्रस्ताव विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से होने चाहिए
- सर्वेक्षण व जांच परियोजना नहीं होनी चाहिए
- कम से कम एक प्रधान अन्वेषक प्रस्तावित शोध परियोजना के क्षेत्र में विषय विशेषज्ञ होना चाहिए.

शराब दुकानों की नीलामी के लिए आवेदन आज से, अधिसूचना जारी

शुभम संदेश। रांची

राज्य में शराब की खुदरा बिक्री के लिए दुकानों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए आठ अगस्त से आवेदन स्वीकार किया जाएगा. 22 अगस्त को नीलामी की प्रक्रिया शुरू होगी. नीलामी में सफल होने वालों को 29 तक गारंटी की राशि आदि जमा करना होगा. सरकार ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है. शराब की खुदरा बिक्री के लिए कुल 1343 की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए आठ अगस्त से पोर्टल (Exciselottery.jharkhand.gov.in) ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किया जाएगा. आवेदन देने की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2025 निर्धारित है. नीलामी में हिस्सा लेने के लिए आवेदन शुल्क और अरनेस्ट मनी का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया जाएगा. 20 अगस्त तक भुगतान को सत्यापित करने वाले दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करना होगा. राशि जमा नहीं करने वाले लोग नीलामी में हिस्सा नहीं ले सकेंगे.

कंप्यूटर रेंडमजाइनेशन के सहारे 22 अगस्त को 11 बजे से ई-लॉटरी की प्रक्रिया शुरू की जायेगी. लॉटरी की जानकारी विभाग और जिला के वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा. नीलामी की प्रक्रिया दुकानों के एमजीआर के डिसेंडिंग ऑर्डर में की जाएगी. लॉटरी का रिजल्ट उत्पाद विभाग के पोर्टर्ल और जिला के वेबसाइट पर उपलब्ध होगा. लॉटरी में सफल होने वाले को 25 अगस्त तक आवेदन और सभी दस्तावेज का स्व प्रमाणित फोटो कॉपी जिला उत्पाद कार्यालय में जमा करना होगा. सफल होने वालों के गारंटी और लाइसेंस फीस की राशि एक मुश्त 25 अगस्त तक जिला उत्पाद कार्यालय में जमा करना होगा. 29 अगस्त तक दुकानों का अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा करने होगा. साथ ही अग्रि उत्पाद परिवहर कर जमा करना होगा.

मनी लॉन्ड्रिंग केस: पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की है. इससे पहले 11 जुलाई को झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने उनकी जमानत याचिका नामंजूर कर दी थी. गौरतलब है कि आलमगीर आलम को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 15 मई 2022 को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था. उन पर टेंडर घोटाले के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने का आरोप है. ईडी के अनुसार, उनके निजी सचिव संजीव कुमार लाल और नौकर जहांगीर आलम के पास से 32.30 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की गई थी. इस भारी-भरकम रकम को टेंडर घोटाले से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है. गिरफ्तारी के बाद से ही पूर्व मंत्री जेल में बंद हैं.

पूर्व पार्षद शबाना के पति के हत्यारोपी इमरान को हाईकोर्ट से मिली जमानत

रांची। राजधानी रांची की पूर्व पार्षद शबाना खान के पति रिंकू खान की हत्या के आरोप में जेल में बंद इमरान को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने गुरुवार को इमरान की जमानत याचिका स्वीकार करते हुए उसे बेल दे दी है. इमरान की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अंबुज नाथ की कोर्ट में सुनवाई हुई. इमरान की ओर से अधिवक्ता राहुल पांडेय ने कोर्ट में बहस की. बता दें कि कि बीते 23 मार्च 2022 को पैसे के लेनदेन को लेकर पूर्व पार्षद शबाना खान के पति रिंकू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. रांची सिविल कोर्ट ने इस केस में अयूब, हैदर अली और फिरदौस उर्फ बबलू को उम्रकैद की सजा सुनाई है. इमरान से पहले हाईकोर्ट से अयूब और हैदर को भी जमानत मिल चुकी है.

स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल हो दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवनी: आलोक दूबे

रांची। पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) ने झारखंड सरकार से जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवनी को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की है. पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन त्याग, संघर्ष और सामाजिक न्याय का प्रतीक है, जिसे जानना हर झारखंडी बच्चे का अधिकार है.पासवा का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और प्रभारी शिक्षा मंत्री से मिलकर इस संबंध में औपचारिक प्रस्ताव सौंपेगा. पासवा ने निजी स्कूलों में शिबू सोरेन की जीवनी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी शुरू कर दिया है.संस्था चाहती है कि उनकी जीवनी, प्रेरणादायक कहानियों, ऐतिहासिक घटनाओं और सामाजिक संघर्ष को प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक पढ़ाया जाए.

हस्तकरघा दिवस — डोरंडा कॉलेज में विशेष कार्यक्रम का आयोजन, राज्यपाल भी शामिल हुए

'हैंडलूम फॉर होम' को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं : गंगवार

शुभम संदेश। रांची

हस्तकरघा सिर्फ कला नहीं, आत्मनिर्भर भारत की नींव है

12वें राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस के मौके पर रांची के डोरंडा कॉलेज में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने समारोह को संबोधित करते हुए हस्तकरघा क्षेत्र को आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद बताया.उन्होंने कहा कि हस्तकरघा केवल एक कला नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक है. हर धागा और हर बुनाई हमारी लोक-कथाओं और रीति-रिवाजों को दर्शाती है. मौके पर राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की और बुनकरों को सम्मानित भी किया. राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' और 'हैंडलूम फॉर होम' अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने स्वदेशी वस्त्रों के प्रति लोगों के सम्मान को और बढ़ाया है. अपने पूर्व अनुभवों को साझा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जब वे वस्त्र मंत्रालय में थे, तब उन्होंने देशभर के बुनकरों की समस्याओं को नजदीक से समझा और उनके सशक्तिकरण के लिए कार्य किया.

राज्यपाल ने झारखंड की पारंपरिक हस्तकरघा विधाओं जैसे तसर रेशम और कत्था कढ़ाई की भी सराहना की और कहा कि इनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनी हुई है. उन्होंने "संगठन से सफलता" और "फैशन के लिए खादी" जैसी फिल्मों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये फिल्में बुनकरों के सामाजिक और आर्थिक महत्व को सामने लाने में सहायक रही हैं.

कार्यक्रम का आयोजन वीवर्स डेवलपमेंट एंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूडीआरओ) और भाजपा के बुनकर प्रकोष्ठ के संयुक्त प्रयास से किया गया था. राज्यपाल ने इस पहल की सराहना की और सभी से अपील की कि 'हैंडलूम फॉर होम' को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं.

रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है डिजिटल भुगतान : बाबूलाल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने डिजिटल पेमेंट की सराहना की है. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि 2014 से पहले जो डिजिटल भुगतान एक विकल्प था, अब वो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने आगे लिखा कि अब ऑटो रिक्शा और चाय की टपरी वाले भी डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं. साल 2020 से 2025 के बीच भारत में 65,000 करोड़ से ज्यादा डिजिटल लेन-देन हुए हैं, जिनका कुल मूल्य 12,000 लाख करोड़ से भी ऊपर है.

बाबूलाल ने इस बड़े बदलाव का श्रेय केंद्र की मोदी सरकार को दिया है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का नीति निर्धारण और तकनीकी मानकों पर सतत विश्लेषण व परिश्रम के कारण यह संभव हो सका है.

डिजिटल ट्रांजैक्शन बढ़ने से सरकारी योजनाओं का पैसा लोगों तक पहुंचना हुआ आसान : नेता प्रतिपक्ष ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि डिजिटल ट्रांजैक्शन बढ़ने से नकदी पर निर्भरता घटी है, लेन-देन में पारदर्शिता आई है और सरकार की योजनाओं का पैसा सीधे लोगों तक पहुंचना आसान हुआ है. यह मोदी सरकार के नेतृत्व में बना वह ढांचा है, जिसने तकनीक को हर भारतीय के लिए सुलभ और सरल बना दिया है. यही असली डिजिटल इंडिया है.

डिजिटल इकोनॉमी सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं

डिजिटल भुगतान की प्रगति को मापने के लिए आरबीआई द्वारा बनाई डिजिटल पेमेंट्स इंडेक्स (डीपीटी) का हवाला देते हुए मरांडी ने लिखा कि सितंबर 2024 में डीपीआई इंडेक्स 465 .33 पर पहुंच गया, यानी डिजिटल इकोनॉमी अब सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में फैल चुकी है . साल दर साल इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है .

शुभमन गिल जुलाई के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ मंथ अवॉर्ड के लिए नामित

https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शुक्रवार 08 अगस्त 2025 I श्रावण शुक्ल पक्ष 14, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 122 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

उपायुक्त ने किया गया पुल अंडर पास का निरीक्षण

समस्या का तत्काल समाधान निकालने का आरसीडी को निर्देश

अंडरपास चौड़ीकरण के समय किया जाएगा चिरकालीन समाधान : उपायुक्त

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन ने गुरुवार की शाम वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के साथ गया पुल अंडर पास का निरीक्षण किया. सबसे पहले उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता से अंडरपास की सड़क किन कारणों से बारंबार क्षतिग्रस्त हो रही है, की जानकारी प्राप्त की.

उपायुक्त को बताया गया कि अंडरपास के बगल से नाला और नाली गुजरते हैं. इसका पानी रीसकर अंडरपास में आ जाता है. पानी की सही तरीके से निकासी नहीं होने से अंडरपास की सड़क में गड्ढें बन जाते हैं. गड्ढों के कारण यहां से गुजरने वाले

वाहनों की गति धीमी पड़ती है. इस मार्ग पर दिन - रात छोटे, बड़े, भारी सहित सैकड़ों वाहन गुजरते हैं. अंडरपास में वाहनों की गति धीमी पड़ने से अंडरपास के दोनों और धीरे-धीरे लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है.

सड़क समतल कर आयरन प्लेट बिछाने का निर्देश

इस समस्या का तत्काल समाधान निकालने के लिए उपायुक्त ने नगर निगम को नाला – नाली की सफाई करने तथा आरसीडी को अंडरपास की सड़क समतल कर आयरन प्लेट बिछाने का निर्देश दिया. साथ ही हाई स्ट्रैंथ के हेक्सागोनल ब्लॉक, जो पानी में भी खराब नहीं हो, की प्रयोगशाला में टेस्टिंग कर, पूरे तैयारी के बाद, लगाने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि जब गया पुल अंडरपास का चौड़ीकरण शुरू होगा तब अंडर पास की सड़क की समस्या का चिरकालीन समाधान किया जाएगा. वहीं दूसरी ओर नगर निगम ने सुपर सकर मशीन लगाकर अंडरपास के आसपास नाला नाली की सफाई शुरू कर दी. यह सीवर सिस्टम की सफाई और रखरखाव के लिए उपयोग किया जाने वाला एक विशेष वाहन है. यह पाइपलाइनों से रुकावटों, कीचड़ और मलबे को हटाने के लिए शक्तिशाली सक्शन क्षमताओं के साथ उच्च दबाव वाले पानी का जेट छोड़ती हैं. जिससे नाला नाली में रुकावट पैदा करने वाली वस्तु हट जाती है. मौके पर धनबाद के विधायक राज सिन्हा भी मौजूद थे. उन्होंने कहा कि उपायुक्त ने गया पुल अंडरपास का गहन निरीक्षण किया है. इसका तात्कालिक समाधान निकालने के लिए आयरन शीट बिछाई जाएगी. बाद में पानी की नकासी सुनिश्चित कर पेवर ब्लॉक बिछाए जाएंगे. जब अंडरपास का चौड़ीकरण होगा तब इसका स्थाई समाधान निकाला जाएगा. निरीक्षण के दौरान डीसी आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, विधायक राज सिन्हा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन के अलावा पूर्व मध्य रेलवे समेत अन्य विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे.

बेतरतीब ऑटो पार्किंग जाम की मुख्य वजह

श्रमिक चौक स्थित ट्रैफिक पुलिस पोस्ट से लेकर गया पुल अंडर पास तक बेतरतीब लगने वाले ऑटो जाम का मुख्य कारण है. ट्रैफिक पुलिस मूक दर्शक बने रहते हैं और चौक की दोनों ओर ऑटो वाले सवारी बैठाने की आपाधापी में एक साथ कई ऑटो खड़े कर देते हैं. जिसके कारण लंबी जाम से लोगों को जूझना पड़ता है. इस मामले पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने श्रमिक चौक के क्षेत्रफल को कम करने, आसपास से अतिक्रमण हटाने, ऑटो के लिए पार्किंग निर्धारित करने का निर्देश दिया है. साथ ही सुचारू पानी की निकासी के लिए नाली निर्माण कराने का भी निर्देश दिया.

ब्रीफ खबरें

डीसी ने सेवानिवृत शिक्षिका को प्रदान किया सेवानिवृत्ति लाभांश

धनबाद I उपायुक्त आदित्य रंजन ने गुरुवार को संध्या डीएवी उच्च विद्यालय, झरिया की सेवानिवृत्त शिक्षिका बिंदु कुमारी को सेवानिवृत्ति लाभांश व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया. साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, सेवानिवृत शिक्षिका के पुत्र अंकुर कुमार तथा ज्योति कुमार, जिला शिक्षा विभाग के राजीव चौधरी, राहुल सिंह, गौरी शंकर व अन्य लोग मौजूद थे.

भेलाटांड की सरिता को सम्मानित

बरवाअड्डा I बरवाअड्डा क्षेत्र भेलाटांड निवासी सरिता कुमारी ने जेपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की है. इस उपलब्धि पर गुरुवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक टाईगर जयराम महतो बरवाअड्डा भेलाटांड़ स्थित उसके घर पहूंचें. सरिता कुमारी को संविधान की पुस्तक व गुलदस्ता देकर सम्मानित किया. सम्मानित करने में जिला अध्यक्ष शक्ति नाथ महतो, विष्णु हाजरा, सुजीत कुमार महतो, सुनील हाजरा, राजेश कुमार महतो, तुलसी महतो आदि साथ थे.

अनीश डोकानिया बने श्री गंगा गौशाला के अध्यक्ष

कतरास I श्री गंगा गौशाला कतरास-करकेंद में गुरुवार को आमसभा का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से समाजसेवी अनीश डोकानिया को गौशाला का नया अध्यक्ष चुना गया. बैठक में गोपाष्टमी महोत्सव को लेकर भव्य आयोजन की योजना पर विस्तार से चर्चा की गई. महोत्सव के अंतर्गत गौ पूजन, मंगल पाठ, वार्षिक अधिवेशन, छऊ नृत्य, कवि सम्मेलन एवं श्रीमद्भागवत कथा जैसे कार्यक्रमों के आयोजन पर सहमति बनी.

धनबाद जेल में गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या कराने वाला कुख्यात आशीष रंजन सिंह की थी तलाश

प्रयागराज में एसटीएफ से मुठभेड़ में कुख्यात आशीष रंजन मारा गया

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद के कुख्यात अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह को उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने प्रयागराज में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया. दर्जनों संगीन आपराधिक मामलों में वांछित छोटू पर हत्या, रंगदारी, हथियार तस्करी और गैंगवार से जुड़े कई केस दर्ज थे. झारखंड पुलिस उसे लंबे समय से तलाश रही थी. यूपी एसटीएफ को सूचना मिली थी कि छोटू प्रयागराज में छिपा हुआ है. बुधवार देर रात घेराबंदी की गई, लेकिन खुद को घिरा देख छोटू ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में वह गोली लगने से घायल हो गया. इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. बता दें कि दो साल पहले, 3 दिसंबर, 2023 को धनबाद मंडल कारा में गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या कर दी गई थी. सीआईडी की जांच में यह खुलासा हुआ था कि कोयलांचल पर वर्चस्व की लड़ाई के चलते आशीष रंजन सिंह ने ही सुंदर यादव उर्फ रितेश यादव के साथ मिलकर जेल के अंदर अमन सिंह की हत्या की साजिश रची थी. अमन सिंह नीरज सिंह हत्याकांड के सिलसिले में जेल में बंद था और आशीष रंजन, रिंकू सिंह, विकास बजरंगी, सतीश कुमार, चंदन यादव, अमर रवानी, शहजाद कुरैशी और बंटी शर्मा जैसे साथियों के साथ मिलकर रंगदारी वसूलता था.

(शेष पेज-11 पर)

एसटीएफ की कार्रवाई से पुलिस को राहत

छोटू के मारे जाने के बाद झारखंड पुलिस और खासकर धनबाद पुलिस को बड़ी राहत मिली है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अब कोयलांचल क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगेगा. छोटू के नेटवर्क को खत्म करने के लिए अब पुलिस ने उसके गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश तेज कर दी है.

बरवाअड्डा थाना में आशीष रंजन पर दर्ज है रंगदारी का मामला

बरवाअड्डा I बरवाअड्डा थाना कांड संख्या 84/21 में आशीष रंजन पर फोन से बरवाअड्डा के काशीटांड़ स्थित कीया शोरूम के मालिक दीपक सांवरिया से 1 जून 2021 को रंगदारी मांगने का मामला दर्ज है. कीया शोरूम के मालिक दीपक सांवरिया की शिकायत पर आशीष रंजन के खिलाफ बरवाअड्डा थाना में मामला दर्ज किया गया था. वहीं, रंगदारी नहीं देने पर 27 सितंबर 2021 को किया शोरूम पर बाइक सवार अपराधियों ने बम फेंका था. इस मामले में किया शोरूम के मालिक दीपक सांवरिया द्वारा बरवाअड्डा थाना में अमन सिंह, आशीष रंजन, मानिक रूज, मनजीत सिंह, इलियास अंसारी, समीर खान, रवि कुमार ठाकुर, बबलू कुमार मिश्रा, जावेद अख्तर, शेख मोहम्मद, शहजाद कुरैशी, कुंदन मिधा समेत अन्य अपराधियों के खिलाफ रंगदारी मांगने और शोरूम में बम फेंकने की शिकायत दर्ज कराई गई थी. इस मामले में बरवाअड्डा थाना में विस्फोटक अधिनियम की धारा 3/4 के तहत कांड संख्या 149/21 दर्ज किया गया था. दोनों मामलों में वह फरार चल रहा था. दो दिन पूर्व बरवाअड्डा थाना के पुलिस उप–निरीक्षक सोमेश्वर सिंह ने आशीष रंजन और इस मामले में शामिल अन्य अपराधियों के घरों पर इश्तिहार चिपकाए थे.

जीएसटी घोटाले मामले में अमित अग्रवाल को ईडी ने किया गिरफ्तार

- दो लैपटॉप समेत कई दस्तावेज जब्त, स्वजनों से भी ईडी ने की पूछताछ
- झरिया और बस्ताकोला स्थित फर्नीचर दुकान में भी पहुंची ईडी की टीम

शुभम संदेश। धनबाद/झरिया

धनबाद और झरिया में गुरुवार को सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़े जीएसटी घोटाले की जांच के तहत फर्नीचर व्यवसायी अमित अग्रवाल उर्फ चीनू अग्रवाल के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की. देर रात चली छापेमारी के बाद अमित अग्रवाल को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया.

जिसके बाद एसएनएमएमसीएच में उसे मेडिकल के लिए ले जाया गया. जानकारी के अनुसार देर रात ईडी की टीम उसे रांची ले जायेगी. यह कार्रवाई 750 से 800 करोड़ रुपये के कथित जीएसटी घोटाले से जुड़ी है, जिसे झारखंड में अब तक का सबसे बड़ा जीएसटी घोटाला माना जा रहा है. सुबह से शुरू हुई इस कार्रवाई में रांची से आई ईडी की टीम ने झरिया के मेन रोड नंबर 4 स्थित अमित अग्रवाल के जगदंबा फर्नीचर शोरूम और धनबाद के भुईंफोड़ मंदिर स्थित अपणो घर अपार्टमेंट के फ्लैट में भी ईडी की टीम पहुंची और छानबीन की. अपणो घर अपार्टमेंट पहुंचते ही छठे तल पर स्थित फ्लैट संख्या 601 और 602 में पहुंची. ये दोनों फ्लैट अमित अग्रवाल के हैं. सुरक्षा बलों ने अपार्टमेंट के नीचे और छठे तल के मुख्य दरवाजे पर पहरा देना शुरू कर दिया. ईडी की यहां छापेमारी देर रात तक जारी रही. भारी सुरक्षा और सीआरपीएफ जवानों की मौजूदगी में ईडी ने दस्तावेजों, बैंक डिटेल्स, डिजिटल डेटा, लैपटॉप, और कंप्यूटर की गहन जांच की.

दो भाइयों से हो रही कड़ी पूछताछ

अमित अग्रवाल उर्फ चिन्नू के चार ठिकानों में धनबाद भुईफोड़ मंदिर के समीप आपनो घर सोसाइटी, गोविंदपुर ऑफिस, झरिया के बस्ताकोला स्थित जगदंबा फर्नीचर दुकान व झरिया के मेन रोड चार नंबर स्थित जगदंबा फर्नीचर दुकान व घर पर दबिश दी. ईडी की टीम अमित के अपने और एक चचेरे भाई से लगातार कड़ी पूछताछ कर रही है. फर्नीचर का व्यवसाय करने वाले अमित अग्रवाल उर्फ चीनू पिछले तीन–चार सालों में करोड़ों में खेलने लगे. दोनों हाथों की दसों उंगलियों में सोने की अंगूठी और गले में मोटे मोटे चेन पहनने के शौकीन हैं. पिछले एक वर्ष के अंदर चीनू अग्रवाल फॉर्च्यूनर, क्रिस्टा, वरना, क्रेटा जैसी कई लग्जरी व महंगी गाड़ियां खरीदकर काफिला में घूमने लगे थे जिस कारण वह सुर्खियों में आए. इसके साथ ही दर्जनों बॉडीगार्ड के साथ घूमने लगे थे, जिसके बाद वह लोगों की नजर में आए और झरिया धनबाद में उनकी चर्चाएं होने लगी.

(शेष पेज-11 पर)

शहर में कहीं भी न हो जल संकट : नगर आयुक्त

- नगर निगम में जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद नगर निगम क्षेत्र की जलापूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा के लिए गुरुवार को नगर आयुक्त रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में निगम कार्यालय, धनबाद में एक बैठक आयोजित की गई. बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, जुड़को के अभियंता, एल एंड टी के प्रतिनिधि, संचालन एवं अनुरक्षण एजेंसियों के अधिकारी, तथा नगर निगम के अभियंता और तकनीकी कर्मी उपस्थित थे. नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के किसी भी क्षेत्र को जल संकट का सामना नहीं करना चाहिए. सभी तकनीकी उपायों को शीघ्रता से लागू करते हुए जलापूर्ति को नियमित और संतुलित किया जाए. कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को निर्देश दिया गया कि जलापूर्ति का समय-निर्धारण पारदर्शी ढंग से हो और क्षेत्रवार जल वितरण सुनिश्चित किया जाए.

(शेष पेज-11 पर)

हतसारा मोड़ के पास एसबीआई के सीएसपी में 44 हजार की लूट

अपराधियों ने पिस्तौल की नोंक पर घटना को दिया अंजाम

शुभम संदेश। टुंडी

पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के गोबिन्दपुर साहेबगंज मुख्य पथ हतसारा मोड़ के पास देर शाम एसबीआई के सीएसपी में अपराधियों ने धावा बोलकर लूट की घटना को अंजाम दिया. उन्होंने पिस्तौल की नोंक पर 44हजार रुपए लूट लिए. घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है. जानकारी के अनुसार पूर्वी टुंडी हतसारा मोड़ के पास रोजमर्रा की तरह सीएसपी से लेन-देन हो रही थी. शाम के करीब सवा सात बजे सीएसपी संचालक इंतेखाब अंसारी का भतीजा शाहिल अंसारी व बगल के दुकानदार रियाज अंसारी गपशप कर रहे थे, तभी एक सफेद रंग के स्कार्पियो से आये तीन की संख्या में अपराधियों ने पिस्तौल की नोंक पर दोनों को कब्जे में ले लिया. हल्का शटर गिराकर दोनों को कब्जे में लेकर शाहिल अंसारी से 40 हजार तथा मेडिकल दुकानदार से 4 हजार रुपए नगद लूट लिया. इस दौरान सीएसपी दुकान में रखे लैपटॉप तथा दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ दिया. और स्कॉर्पियो से भाग निकले.

घटना की जानकारी तत्काल पूर्वी टुंडी पुलिस को दी. सूचना मिलने पर पुलिस लगभग आधे घंटे में पहुंची व घटना की छानबीन में जुट गयी. लूट की वारदात के बाद घटनास्थल पर भय का माहौल है.

जेलों में बहाल होंगे मौलवी, पंडित और पादरी

एक्सक्लूसिव : ढुलू महतो ने विधानसभा में उठाई थी मांग

अमित सिन्हा

- कारागारों में नमाज, पूजा और गैर-सरकारी परिदर्शकों की नियुक्ति के लिए उपायुक्तों से मांगी अनुशंसा

धनबाद I जेलों में पंडित, मौलवी और पादरी की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार रेस हुई है. तीन साल पहले 2022 में तत्कालीन विधायक ढुलू महतो ने विधानसभा में इस मांग को रखा था. जिसे लेकर जिले से अनुशंसा मांगी गई थी. लेकिन तीन साल बाद भी धनबाद जिले से अनुशंसा नहीं की गई. अब झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी उपायुक्तों को जेलों (कारागारों) में नमाज और पूजा कराने वाले मौलवी, पंडित, पादरी और गैर-सरकारी परिदर्शकों की नियुक्ति के लिए अनुशंसा भेजने का निर्देश दिया है. यह निर्देश ढुलू महतो द्वारा 7 मार्च 2022 को विधानसभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या-34 से उत्पन्न आश्वासन संख्या-09/2022 के कार्यान्वयन के तहत जारी किया गया है. सहायक महानिरीक्षक (कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ), एम. हामिद ने उपायुक्त से इस संबंध में कार्यवाही तेज करने का अनुरोध किया है. पत्र में उल्लेख किया गया है कि अभी तक कई उपायुक्तों से अनुशंसा प्राप्त नहीं हुई है, जिसके कारण आश्वासन का

कार्यान्वयन प्रतिवेदन विधानसभा सचिवालय को समय पर उपलब्ध नहीं कराया जा सका है. पत्र में उपायुक्तों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने स्तर पर आवश्यक कार्रवाई कर मौलवी, पंडित, पादरी और गैर-सरकारी परिदर्शकों की नियुक्ति के लिए अनुशंसा शीघ्र भेजें, ताकि कारागारों में धार्मिक और सुधारात्मक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके. विभाग ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की अपील की है, ताकि विधानसभा में दिए गए आश्वासन को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके.

देवघर में बनेगा एक और मेडिकल कॉलेज

देवघर I देवघर को बहुत जल्द एक और मेडिकल कॉलेज मिलने जा रहा है. प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप यानि पीपीपी मोड पर सदर अस्पताल के साथ बहुत जल्द एक और मेडिकल कॉलेज खुलने जा रहा है. जिसको लेकर गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, देवघर सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी ने मोहनपुर प्रखंड के डहुआ मौजा में जमीन को चिन्हित किया. लगभग 13 एकड़ में 100 सीट का यहां मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है, जिसमें 420 बेड का हॉस्पिटल भी बनाया जाएगा. स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया जाना है.

नीरज हत्याकांड : दो एजेंसी की जांच के बाद भी तथ्य कोर्ट से छुपाए

शुभम संदेश। धनबाद

पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्याकांड में जेल में बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह की ओर से बहस के पांचवे दिन दलील देते हुए सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एमए नियाजी ने कहा कि नीरज हत्याकांड की जाँच सरकार के दो एजेंसी सीआईडी व लोकल पुलिस ने की वही तीन अनुसंधानकर्ता इसके अनुसंधान में लगे थे.

बावजूद इसके सभी महत्त्वपूर्ण तथ्य अदालत से जानबूझकर छुपा लिए गए। ऐसा इसलिए किया गया की पूरे कहानी को अपने तरीके से बनाना था और संजीव सिंह को फंसाना था। अधिवक्ता नियाजी ने दलील देते हुए कहा कि घटना की सबसे पहले जांच सराढेला के थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने शुरू की थी जिन्होंने 26 तारीख तक अनुसंधान किया था। उसके बाद चिरकुंडा के थाना प्रभारी निरंजन कुमार तिवारी को अनुसंधानकर्ता बना दिया गया एक साथ दो अनुसंधानकर्ता अनुसंधान कर रहे थे पुनः उसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के आदेश पर एसआइटी का गठन कर दिया गया था जिसका नेतृत्व एडीजी सीआईडी अजय कुमार सिंह कर रहे थे बावजूद इन सब के सीआईडी के किसी भी अधिकारी को चार्जशीट का गवाह नहीं बनाया गया और कई महत्वपूर्ण तथ्यों को अदालत से छुपा लिया गया. जबकि सीआईडी ने संदिग्धों के स्केच भी जारी किए थे. जिसकी पुष्टि अदालत में विभिन्न अखबारों के संपादकों ने भी की है.

अनुसंधानकर्ता ने आरोप पत्र में केवल आरोपियों के पुलिस के समक्ष दिए गए संस्वीकृति बयान को आधार बनाया है। आरोप पत्र में संजीव सिंह को कहीं भी घटनास्थल पर नहीं बताया गया बल्कि षडयंत्रकारी बताया गया किस आधार पर पुलिस ने अभियुक्तों के संस्वीकृति बयान को आरोप पत्र में लिखा जबकि किसी भी गवाह ने न तो पुलिस के समक्ष और न अदालत में वैसा बयान दिया जो अनुसंधानकर्ता ने चार्जशीट में लिखा है.

(शेष पेज-11 पर)

यूनियन का फर्जी टिकट काटने पर वेस्ट मोदीडीह में बवाल

प्रबंधन ने विवादित लिस्ट की जांच कर निरस्त करने का दिया आश्वासन

- धनबाद कोलियरी कर्मचारी यूनियन के नेताओं पर लगा आरोप

शुभम संदेश। तेतुलमारी

वेस्ट कतरास क्षेत्र के मोदीडीह कोलियरी में गुरुवार को उस वक्त तनाव उत्पन्न हो गया जब हाजिरी घर में बीसीसीएल कर्मियों की फर्जी यूनियन टिकट काटने की सूची चस्पा की गई. सूची में कई ऐसे कर्मियों के नाम शामिल थे, जो या तो स्थानांतरित हो चुके हैं या जिनकी मृत्यु हो चुकी है. इसको लेकर कर्मियों ने जोरदार विरोध जताते हुए दो घंटे तक कार्य बहिष्कार किया और प्रदर्शन किया. कर्मियों का आरोप है कि धनबाद कोलियरी कर्मचारी यूनियन ने प्रबंधन की मिलीभगत से कई कर्मियों के फर्जी हस्ताक्षर कर यूनियन टिकट काटने की सूची तैयार की है. प्रदर्शनकारी कर्मियों ने इसे अन्य यूनियनों को कमजोर करने और एकतरफा निर्णय बताकर यूनियन व प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की. कोलकर्मी कलीम खान ने कहा कि यूनियन टिकट का यह फर्जीवाड़ा तो सिर्फ एक मामला है, परियोजना में सुरक्षा व्यवस्था की भी हालत बेहद खराब है. मशीनों का समय पर मेंटेनेंस नहीं होता, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है. करीब दो घंटे के प्रदर्शन के बाद कोलियरी प्रबंधक जयंत कुमार मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की. उन्होंने बताया कि विवादित सूची को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है और मामले की जांच कर दोषियों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा, "लिस्ट को निरस्त कर दिया गया है. जांच कर कार्रवाई की जाएगी. जो कर्मी दोषी पाए जाएंगे, उन पर विभागीय कार्रवाई होगी." आंदोलन में ब्रह्मदेव साव, ठाकुर महतो, सुनील महतो, यूसुफ अंसारी, कलीम खान, रणधीर सिंह, राजू सिंह राजपूत, दिलीप राय, महेंद्र सिंह, रवि पासवान, राजेश सिंह, संजय महतो, रामेश्वर सिंह, निरंजन महतो समेत बड़ी संख्या में कर्मी शामिल थे. यह घटना वेस्ट मोदीडीह कोलियरी में यूनियन और प्रबंधन के बीच बढ़ते अविश्वास की ओर इशारा करती है.

शहर की समस्याओं को लेकर नगर आयुक्त से मिले विधायक

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर गया पुल की बदहाली का निराकरण करने का अनुरोध किया. साथ ही शहर की अनेक समस्याओं पर गंभीर चर्चा की और उनका अविलंब समाधान करने का निर्देश दिया. विधायक ने गया पुल के समीप बने खतरनाक गड्ढों की ओर ध्यान आकर्षित किया और जनता की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की. उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अत्यंत व्यस्त है, इसलिए इन गड्ढों को तत्काल भरना आवश्यक है.

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या पर भी उन्होंने चिंता व्यक्त की. उन्होंने नगर आयुक्त से सभी नालों की तत्काल सफाई करवाकर समुचित जल निकासी सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े. फुटपाथ दुकानदारों की आजीविका के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाते हुए विधायक सिन्हा ने कहा कि गरीब दुकानदारों को हटाए जाने से उनकी रोजी-रोटी पर संकट आ गया है. उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे दुकानदारों के लिए वैकल्पिक स्थान चिह्नित कर उन्हें पुनः स्थापित किया जाए, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें. नगर आयुक्त ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और शीघ्र उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया. इस अवसर पर मनोज मलाकार, निर्मल प्रधान, संतोष सिंह, राजाराम दत्ता, भागीरथ दास, डिम्पु कुमार सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

पाइप फटने से चिरकुंडा में जलापूर्ति ठप

चिरकुंडा। नेहरू रोड स्थित डीवीसी ग्रीड के समीप डीवीसी द्वारा केबल बिछाने के दौरान चिरकुंडा शहरी जलापूर्ति योजना का राइजिंग पाइप फट गया, जिसके बाद चिरकुंडा क्षेत्र में गुरुवार को पानी की सप्लाई नहीं हो पाई. जलापूर्ति नहीं होने से क्षेत्र के हजारों नागरिकों को गुरुवार को पानी नहीं मिल सका. इसको लेकर लोग खासे परेशान रहे. जानकारी के अनुसार डीवीसी द्वारा नेहरू रोड के किनारे केबल बिछाने का कार्य किया जा रहा है इसी दौरान शहरी जलापूर्ति योजना का राइजिंग पाइप फट गया. पाइप फटने की सूचना मिलने पर नगर परिषद के सहायक अभियंता अंकित परासर व कनीय अभियंता मनोज कुमार ने फटे पाइप का मुआयना किया. इस संबंध में सहायक अभियंता ने कहा कि फटे पाइप को डीवीसी द्वारा ठीक करा दिया गया है. शुक्रवार की सुबह से नागरिकों को सुचारु रूप से पानी मिलना शुरू हो जाएगा.

विधायक की पहल पर देव क्लीनिक में खुला बुक बैंक

बाघमारा। बड़ा पांडेयडीह में गोपाल सिंह के प्रतिष्ठान देव क्लीनिक में विधायक के द्वारा बुक बैंक की स्थापना की गई है. बुक बैंक में जरूरतमंद बच्चे मुफ्त में पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं. इस बुक बैंक का उद्घाटन जल्द ही विधायक एवं लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल के संरक्षक लायन शत्रुध्न महतो द्वारा किया जाएगा. लायंस क्लब के कोषाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने 10वीं और 12वीं कला संकाय की पुस्तकें बुक बैंक के लिए दान की. इस अवसर पर लक्ष्मीकांत मिश्र, डॉ. एके मिश्रा और गोपाल सिंह मौजूद थे. लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल ने लोगों से घर में पड़ी पठनीय पुस्तकें बुक बैंक में दान करने की अपील की. कहा कि यह पहल शिक्षा को बढ़ावा देने और जरूरतमंद बच्चों की मदद करने का एक सराहनीय प्रयास है.

स्वामी विवेकानंद स्कूल के प्राचार्य सम्मानित

चिरकुंडा। आईआईटी आईएसएम धनबाद में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में स्वामी विवेकानंद स्कूल चिरकुंडा के 34 बच्चों के साथ प्राचार्य संजीव कुमार साव व शिक्षक मानसी तिवारी सम्मिलित हुए थे. कार्यक्रम के दौरान इसरो व आरआरएसी कोलकत्ता के वैज्ञानिकों द्वारा विद्यालय के प्राचार्य को मोमेंटो देकर उत्साह वर्धन किया गया था. इसको लेकर विद्यालय प्रबंधन ने प्राचार्य को सम्मानित कर शुभकामनाएं दी. समारोह में धनबाद के 8 स्कूलों ने भाग लिया था.

बाउरी समाज ने दी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि

कुमारधुबी। एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत में दिशोम गुरू शिबु सोरेन की याद में गुरूवार को अखिल भारतीय बाउरी समाज कल्याण समिति ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया. सभी ने दो मिनट का मौन रखा. उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला. समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष गौरचंद बाउरी, जिलाध्यक्ष तपन दारा बाउरी, चिनप अध्यक्ष डब्लू बाउरी ने शोक प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड ने एक बहुत ही बड़ी हस्ती को खो दिया है. उनकी कमी को निकट भविष्य में कोई पूरा नहीं कर सकता. उन्होंने आदिवासी और दलित हित में सदन में आवाज उठाने का काम किया. समिति केन्द्र सरकार से उन्हें भारत रत्न देने की मांग की.

सुदामडीह में ग्रामीणों ने लोहा चोरों को खदेड़ा

चोरी का लोहा सीआईएसएफ को सौंपा, ग्रामीणों ने मांगी सुरक्षा

शुभम संदेश। झरिया

सुदामडीह थाना क्षेत्र के सुदामडीह रिवरसाइड बस्ती में गुरुवार की सुबह स्थानीय लोगों ने लोहा चोरी करते कुछ युवकों को रंगेहाथ पकड़ने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों को देख चोर मौके पर ही लोहा छोड़कर फरार हो गए. इसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए मामले की सूचना सीआईएसएफ को दी और घटनास्थल पर छोड़ा गया लोहा सीआईएसएफ के हवाले कर दिया.

स्थानीय निवासी सुरेश कुमार महतो ने बताया कि क्षेत्र में लगातार दिनदहाड़े खुलेआम लोहा चोरी की घटनाएं हो रही हैं. चोरों को न तो प्रशासन का डर है, न ही सीआईएसएफ का. यह कहीं न कहीं लापरवाही या चोरों के साथ मिलीभगत की आशंका है. प्रशासन को इस पर सख्ती से अंकुश लगाना चाहिए, क्योंकि लोहा चोरी की घटनाएं अब आम हो चुकी हैं. क्षेत्र में सक्रिय चोर दिन के उजाले में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं. स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है.

झरिया में रेपिड एक्शन फोर्स का फ्लैग मार्च

झरिया। शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा गुरुवार की शाम झरिया में फ्लैग मार्च निकाला गया. इस फ्लैग मार्च की अगुवाई स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने की, जिसमें रैफ के जवान पूर्ण साजो-सामान और तैयारियों के साथ शामिल हुए. फ्लैग मार्च झरिया बाजार, शिमला बहाल, इंद्राचौक, हनुमानगढ़ी, होरलाडीह, भगतडीह सहित आसपास के संवेदनशील इलाकों से होकर गुज़रा. पुलिस अधिकारियों ने आम नागरिकों से संवाद करते हुए शांति बनाए रखने की अपील की और किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने का संदेश दिया. स्थानीय लोगों ने रेफ की इस पहल की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई से सुरक्षा का एहसास होता है.

मायुमं की राखी बनाओ प्रतियोगिता में शामिल हुए बच्चे

झरिया (शुभम संदेश)। मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा द्वारा लक्ष्मी देवी सरस्वती शिशु मंदिर में राखी प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रशिक्षक भूमि अग्रवाल ने बच्चों को विभिन्न प्रकार की आकर्षक राखियाँ बनाना सिखाईं. बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी कल्पनाओं को रंगों व सजावटी सामग्री से जीवंत रूप दिया. प्रशिक्षण के उपरांत बच्चों के बीच राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई. जिसमें प्रथम स्थान – सोमनाथ दत्ता कक्षा 9, द्वितीय स्थान – रौशन राजवार कक्षा 9 तथा तृतीय स्थान – निशा कुमारी कक्षा 7 रहे. आयोजन समिति ने कहा कि इन विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में प्रदान किए जाएंगे. कार्यक्रम संयोजक नीरज अग्रवाल ने कहा राखी बनाना केवल धागे में मोती पिरोना नहीं, यह हमारी संस्कृति से जुड़ने का माध्यम है. मंच अध्यक्ष मनीष शर्मा ने इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया. आयोजन की सफलता में मंच सदस्यों, विद्यालय के सचिव विनोद शर्मा, प्रिंसिपल एवं शिक्षकों की सराहनीय भूमिका रही.

न्यूज अपडेट

पुलिस जनसहयोग समिति ने जेपीएसएसी के सफल अभ्यर्थियों को किया सम्मानित

बाघमारा (शुभम संदेश)। बाघमारा पुलिस जन सहयोग समिति ने गुरुवार को थाना परिसर में एक समारोह आयोजित कर जेपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विवेक चौधरी और स्वीटी सुमन को सम्मानित किया. साथ ही सेवानिवृत्त चौकीदार सरला देवी को सम्मानित किया. थाना प्रभारी अजित कुमार ने कहा कि विवेक और स्वीटी ने अपनी सफलता से साबित किया कि दृढ़ निश्चय के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती. उन्होंने सरला देवी की सेवा भावना को भी सराहा. पुलिस जन सहयोग समिति के सदस्यों ने जेपीएससी के दोनों सफल अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी. कहा कि दोनों ने क्षेत्र का नाम रौशन किया है. कार्यक्रम में विजय शर्मा, डुमरा दक्षिण के मुखिया आनंद महतो, चंदन मिश्रा, संजय पांडेय, सत्यनारायण पांडेय, महेशचंद्र शास्त्री, पोरेश चौबे, प्रेम कुमार, अनिताय देवी, पप्पू सिंह सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे.

महाधरना के लिए हाड़ी समाज के लोग रांची रवाना

महुदा (शुभम संदेश)। अखिल भारतीय संघर्ष मोर्चा झारखंड प्रदेश के बैनर तले हाड़ी समाज के लोगों ने 13 सुत्री मांगों को लेकर गुरुवार को महुदा मोड़ चौक से रांची के लिए प्रस्थान किया. रांची में वे 13 सूत्री मांगो को लेकर राजभवन के समक्ष एक दिवसीय महाधरना में शामिल होने गए. अखिल भारतीय संघर्ष मोर्चा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष ध्रुव कुमार हरि ने बताया कि हाड़ी समाज के विकास के धरना प्रदर्शन है. हमारा समाज लंबे समय से आर्थिक, सामाजिक, राजनितिक एवं शैक्षणिक उपेक्षा का शिकार रहा है. धरना में ध्रुव कुमार हरि, राजन हरि, डब्लू हरि, साधना कुमारी, उगा कुमारी, लीलावती देवी, राजेश हाड़ी, नरेन्द्र कुमार हरि, कृष्ण हरि, राजेश राम शंभू हाड़ी, संतोष हरि, बलराम हरि, किशोर हरि आदि रवाना हुए.

संपूर्ण जनजागृति की छात्राओं ने पुलिस को बांधी राखी

बाघमारा (शुभम संदेश)। बाघमारा में रक्षाबंधन के उपलक्ष में सम्पूर्ण जनजागृति ऑर्गेनाइजेशन में पढ़ने वाली छात्राओं ने बाघमारा पुलिस कर्मियों के साथ रक्षा बंधन उत्सव मनाया. छात्राओं ने थाना प्रभारी अजीत कुमार सहित अन्य अधिकारियों और कर्मियों के माथे पर तिलक लगाकर परंपरागत रूप से राखी बांधी और उनसे सुरक्षा का वचन लिया. थाना प्रभारी ने छात्राओं को आश्वासन दिया कि बाघमारा पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगी. यह आयोजन भाई-बहन के प्रेम और विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन की भावना को दर्शाता है, साथ ही पुलिस और समुदाय के बीच सौहार्द को भी मजबूत करता है.

बरोरा थाना में शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

बरोरा (शुभम संदेश)। बरोरा थाना परिसर में थाना प्रभारी साधन कुमार के नेतृत्व में पुलिस जन सहयोग समिति की बैठक आयोजित की गई. सर्वप्रथम शिबू सोरेन के शोक में एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित करने, जेपीएससी में सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित करने, और बरोरा थाना क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर आवारा पशुओं को रेडियम बेल्ट लगाने जैसे निर्णय लिए गए. बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई और सभी सदस्यों से सुझाव मांगे गए. रक्तदान शिविर की शुरुआत करने वाले डॉ. सौरव को याद किया गया और उनके इस कार्य की सराहना की गई. समिति ने सड़क सुरक्षा और सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इन पहलों को लागू करने पर जोर दिया. मौक़े पर रविन्द्र पाण्डेय,राजेश राम, गौतम मंडल,जे के झा, मिथलेश कुमार,वीणा देवी,महेंद्र सिंह, टीटी सिंह, भीम रवानी मौजूद थे.

राकोमयू ने दी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि

चिरकुंडा (शुभम संदेश)। झामुमो के संस्थापक सह दिशोम गुरु शिबू सोरेन की श्रद्धांजलि सभा राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की ओर से कुमारधुबी कोलियरी में गुरूवार को मनायी गयी. झामुमो जिलाध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु के बारे में झारखंड के विकास में कई गाथा है. शशि भूषण तिवारी ने कहा कि दिशोम गुरु का जाना राज्य नहीं पूरे देश के लिए अपूर्णीय क्षति है. वे आम जन, किसान, मजदूर और नौजवानों के बारे में सदैव सोचते थे और उनके बेहतरी के लिए चिंतन था. उनका निधन हर झारखंड वासियों को झकझोर दिया है. निरसा की धरती भी उनके आंदोलन की धरती थी. उनके लिए निरसा चौक पर बडे मूर्ति लगा कर शिबू सोरेन जी के नाम से रखा जाएं.

अंबेडकर एकेडमी में राखी बनाओ प्रतियोगिता

लोयाबाद (शुभम संदेश)। अंबेडकर एकेडमी, लोयाबाद बाजार में गुरुवार को राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न वर्गों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित की गई. कक्षा 9 और 10 के बीच हुए मुकाबले में कक्षा 9 के छात्रों ने बाजी मारी. कक्षा 6, 7 और 8 के बीच प्रतियोगिता में कक्षा 7 के छात्र-छात्राएं विजेता रहे. वहीं, कक्षा 1 से 5 तक के समूह में पाँच बच्चों को विजेता घोषित किया गया. सभी विजेताओं को 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा.

पोखरिया में दिशोम गुरू की तेरहवीं पर होगा महाभोज

पोखरिया शिबू सोरेन आश्रम, डिग्री कॉलेज में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

शुभम संदेश। टुंडी

पश्चिमी टुंडी मनियाडीह पोखरिया शिबू सोरेन आश्रम तथा टुंडी शिबू सोरेन डिग्री कालेज में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी गई. इस शोक सभा के शुभारंभ पर शहीद श्यामलाल मुर्मू की पत्नी बहाली मुर्मू ने गुरुजी को फुल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी. वहीं इस शोक सभा में मुख्य रूप से टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि नेमरा की तरह पोखरिया शिबू सोरेन आश्रम में गुरुजी की याद में 18 अगस्त को विशेष भोज का आयोजन किया जाएगा. इसको लेकर सभी गांवों के लोगों को घर घर आमंत्रित करने की कहा. गुरुजी के नीतियां और विचार आज के युवाओं को अपने जीवन में आत्मसात करने की ज़रूरत है. इसके अलावे टुंडी विधानसभा क्षेत्र झामुमो वरिष्ठ नेता रतिलाल टुडू ने अपने संबोधन में कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल एक नेता नहीं बल्कि झारखंड के जनमानस के हृदय में बसे एक युग पुरुष थे. गुरुजी ने हमेशा झारखंड के स्वाभिमान, संस्कृति,और अस्मिता की रक्षा की. जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष अजीमुद्दीन अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष फुलचंद किस्कू, टुंडी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष इंद्रलाल बास्की, अब्दुल रसिद अंसारी,छोटु अंसारी, छतिकलाल मराण्डी, रामेश्वर बास्की, नुनुलाल मुर्मू, शहादत अंसारी आदि मौजूद थे. टुंडी डिग्री कालेज में गुरुजी के चित्र पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो, प्राचार्य गोरांग भरद्वाज, जिप सदस्य प्रतिनिधि गुरुचरण बास्की, सोनेत संथाल समाज के सनातन सोरेन, मैनेजर हेम्ब्रम, कामेश्वर सिंह, मदन महतो, बासुदेव महतो, बालेश्वर महतो, बबलू सिंह, श्रवण टुडू, श्रवण बेसरा, धनेश्वर मुर्मू, लोलिन बास्की आदि ने श्रद्धांजलि दी.

दामोदरम हॉस्पिटल में शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

महुदा। दामोदरम हॉस्पीटल भुरूँगिया महुदा में शौक सभा का आयोजन किया गया. लोगों ने उनकी आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट मौन धारण. उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की. चैयरमैन प्रदीप कुमार सिंह ने कहा की दिशम गुरू शिबु सोरेन को अखण्ड झारखण्ड के पुरोधा मसीहा के साथ राष्ट्रीय स्तर के नेता थे. उनके आदर्श का अनुपालन ही सच्ची श्रधांजलि होगी. मौके पर तारगा पंचायत के पूर्व मुखिया परमेश्वर रवानी, हॉस्पीटल के निदेशक डॉ धनंजय रजक, डॉ आर के पासवान, वरीय एएनएम कविता देशमुख, प्रबन्धक मुजीबुर रहमान, जितन रवानी, मो0 शमीम शेख, पुष्पा कुमारी, रीता गुप्ता, रिया कुमारी, अन्नु कुमारी, पुनम कुमारी, सिमरन कुमारी, मीना देवी, सफीक शैख, प्रवीण गोप, कृष्णा कुमार ठाकुर, कपुर रवानी, करमचन्द महतो, घनश्याम महतो, रितिक कुमार, अजय कुमार, सन्तोष कुमार, सुल्तान अन्सारी, पारो देवी, मनोज हरि, रोहित कुमार, सहित अन्य मौजूद थे.

मायुमं ने कॉलेज में लगाया वाटर कूलर

झरिया। मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा की ओर से गुरुवार को जेएसएम डीएवी कॉलेज, भागा परिसर में मारवाड़ी युवा मंच की ओर से अमृतधारा शीतल पेयजल यंत्र का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया. विद्यालय प्रशासन की मांग पर मंच के कार्यकारिणी सदस्य आयुष प्रमाका ने महज एक घंटे में यंत्र स्थापना की स्वीकृति देने के बाद यह कार्य संभव हो सका. प्रमाका परिवार के सहयोग से उनके पिता स्व. श्रवण कुमार प्रमाका की पुण्य स्मृति में समर्पित किया गया था. उद्घाटन उनकी माता मीना देवी प्रमाका के द्वारा संपन्न हुआ. इस अवसर पर मंच के पूर्व अध्यक्ष रमेश बंसल ने कहा कि सेवा, संस्कार और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का यह भाव अनुकरणीय है. आयुष प्रमाका ने भावुक होते हुए कहा कि यह उपकरण केवल सुविधा नहीं, अपितु पिताजी की स्मृति को समाजसेवा के रूप में जीने की एक विनम्र कोशिश है. हमें संतोष है कि यह यंत्र छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा.

झरिया में दादी रानी सती का सवा लाख फूलों से अभिषेक

शुभम संदेश। झरिया

सावन माह की पावन बेला में रानी सती दादी मंदिर, झरिया में गुरुवार को भव्य और श्रद्धायुक्त आयोजन संपन्न हुआ. सवा लाख पुष्पों से दादी श्री रानी सती जी का भव्य अभिषेक किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8 बजे हुआ. मुख्य यजमान मारवाड़ी सम्मेलन झरिया के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल सपत्नीक उपस्थित थे. मंदिर प्रांगण में संकल्प मंत्रोच्चार और भजनों की मधुर ध्वनियाँ गूंज उठीं, जिनसे वातावरण को दिव्य और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया. भजन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतों की अमृत वर्षा करायी. उपस्थित भक्तों के स्थिर मन से श्रद्धा के साथ भजन भक्ति का पान किया. कर्मकांडी आचार्यों द्वारा सवा लाख पुष्पों से रानी सती का अभिषेक किया गया. हर पुष्प, हर मंत्र और हर आहुति के साथ श्रद्धालुओं ने रानी सती जी से मंगल कामना की. मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगातार जारी रहा. कार्यक्रम के दौरान भक्तों ने दादी जी को छप्पन भोग भी लगाया गया. इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के द्वारका प्रसाद गोयनका, छेदी लाल तुलस्यान, अरुण झुनझुनवाला, बृजमोहन अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, सत्यनारायण भोजगरिया, नथमल अग्रवाल, अनिल चौधरी, नरेश अग्रवाल, अनिल खेमका, संजय झुनझुनवाला, राहुल अग्रवाल तथा संदीप सांवरिया का विशेष योगदान रहा.

बरोरा में अखंड अष्टजाम हरि कीर्तन का आयोजन

बरोरा। बहियारडीह पंचायत के जोगीडीह शिव मंदिर में गुरुवार को 24 घंटे का अष्टजाम हरि कीर्तन का आयोजन पंचायत के उप मुखिया धनंजय चौहान के नेतृत्व में शुरू हुआ. इस अवसर पर पूरा क्षेत्र राम और कृष्ण के भक्ति भरे नामों से गूंज उठा. कार्यक्रम में संदीप शास्त्री सहित सभी ब्राह्मणों का अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया. हरीकीर्तन के प्रभाव से समूचा गांव भक्ति के रंग में सराबोर हो गया. श्री हरि के महामंत्र से पूरा क्षेत्र गूंज रहा था. भारी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने आकर श्री हरि के दर्शन किए. अष्टजाम में सम्मिलित होकर महामंत्र का जाप किया .कार्यक्रम को सफल बनाने में एडी चौहान, पिंटू चौहान, संजय, सुजीत, जीतू, सुरेश प्रदीप, गोलू बिटू, सावन, रमेश, विष्णु का सहयोग रहा.

जोनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट

श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल बना चैंपियन

शुभम संदेश। बोकारो

सी.बी.एस.ई. के तत्वावधान में इस वर्ष जमशेदपुर में जोनल क्लस्टर बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के स्कूलों ने इसमें भाग लिया. प्रतियोगिता का आयोजन भारती चिन्मय विद्यालय, जमशेदपुर के प्रांगण में हुआ. श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो के बालक वर्ग एवं बालिका वर्ग ने सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया. लगभग 92 स्कूलों की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया. खेल प्रतियोगिता तीन श्रेणियों में आयोजित की गई थी. जिसमें अंडर-19 बॉयज, अंडर-17 बॉयज और अंडर-14 गर्ल्स शामिल थे. श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा. फाइनल में अय्यप्पा की अंडर-17 बॉयज बास्केटबॉल टीम ने सेंट मैरी स्कूल, बिष्टुपुर को हराकर चमचमाती हुई ट्रॉफी अपने नाम कर चैंपियन बनी. 49/21 के बास्केट अंतराल से श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल दूसरी टीम पर हावी रही. वहीं, अय्यप्पा की अंडर-14 गर्ल्स टीम ने लॉयला पब्लिक स्कूल को हराकर चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया. बालिका वर्ग की टीम ने 31/4 के शानदार अंतराल से जीत हासिल की. 29 जुलाई से 02 अगस्त तक चली प्रतियोगिता में अय्यप्पा पब्लिक स्कूल का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा. झूमते-गाते हुए श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल की दोनों टीमें जब विद्यालय पहुंची, तो वहाँ उनका भव्य स्वागत किया गया. श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल की प्रबंधन समिति एवं विद्यालय की प्राचार्या ने खिलाड़ियों को जीत के लिए बधाई दी. विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पी. राजगोपाल एवं उपाध्यक्ष शशींद्रन करात, मोहनन आर. नायर, महासचिव ई. एस. सुशीलन, कोषाध्यक्ष बालचंद्रन, निदेशक मंडल के सदस्य सुरेश कुमार के. ए. और डॉ. सुरेश बाबू ने खिलाड़ियों की प्रशंसा की. पी. राजगोपाल ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने हमारे स्कूल का गौरव बढ़ाया है. इनकी जीत ने हमें आंतरिक खुशी प्रदान की है. हमारा विद्यालय लगातार खेलों में भी अपना परचम लहरा रहा है. विद्यार्थियों में खेल भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास हो रहा है. विद्यालय की प्राचार्या, उप-प्राचार्या और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इस सफलता पर बच्चों को बधाई दी.

संत जेवियर्स ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

बोकारो (शुभम संदेश) । संत जेवियर्स विद्यालय, सेक्टर-1 सी की प्राथमिक इकाई में आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान स्वर्गीय शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों ने उनके जीवन परिचय को साझा करते हुए उनके योगदान को याद किया. बताया गया कि शिबू सोरेन जी का जन्म 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में हुआ था. वे संथाल जनजाति से संबंध रखते थे और उनका निधन 4 अगस्त 2025 को हुआ. सोरेन जी 'दिशोम गुरु' के नाम से लोकप्रिय एक प्रख्यात भारतीय नेता थे. वे झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता, राज्यसभा सदस्य तथा झारखंड के तीसरे मुख्यमंत्री रह चुके थे. उन्होंने पहली बार 2005 में 10 दिनों के लिए, फिर 2008 से 2009 तक और 2009 से 2010 तक मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला.

साहिबगंज में गंगा संरक्षण पर 'नमामि गंगे' की समीक्षा बैठक

शुभम संदेश। साहिबगंज

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में 'नमामि गंगे' परियोजना के तहत संचालित योजनाओं की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में गंगा नदी के संरक्षण, स्वच्छता और सतत प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि नगर क्षेत्र में स्थापित शोधन संयंत्रों (एसटीपी) से निकलने वाले कीचड़ का वैज्ञानिक परीक्षण और उपचार करके उसे जैविक उर्वरक के रूप में कृषि क्षेत्र में उपयोग किया जाए. इस पहल से एक ओर अपशिष्ट प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी, वहीं दूसरी ओर किसानों के लिए कम लागत वाला और लाभकारी विकल्प भी उपलब्ध होगा. साथ ही, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया. गंगा तट के सौंदर्यीकरण और घाटों के एकीकृत विकास के अंतर्गत मुक्तेश्वर धाम घाट से शकुंतला सहाय घाट तक 'घाट कॉरिडोर' के निर्माण की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई. परियोजना के तहत धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय मूल्यों का संरक्षण करते हुए स्वच्छता, सौंदर्य और नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही गई. इसके अतिरिक्त, शहरी क्षेत्रों के छोटे नालों को वैज्ञानिक तरीके से बड़े नालों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ हो सके और केवल उपचारित जल ही गंगा नदी में प्रवाहित हो. यह कदम नदी के प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

ब्रीफ खबरें

हटिया परिसर में लगा स्वास्थ्य शिविर

साहिबगंज। शहरी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमित के नेतृत्व में शहरी स्वास्थ्य टीम ने गेड़ाबाड़ी हाट में एक स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया. इस शिविर में 122 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित की गईं. 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की एनसीडी (नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज) स्क्रीनिंग की गई, जिसमें उनके शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच शामिल थी. इसके अतिरिक्त, लोगों को बाढ़ से होने वाली बीमारियों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी गई. शिविर में एएनएम मधुरलता कुमारी, खुशबू कुमारी, रीता कुमारी, भवानी कुमारी और कर्मी सुनील सोरेन उपस्थित थे.

प्राचार्य अजित कुमार महतो को दी गई विदाई

तालगड़िया। शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्राचार्य अजित कुमार महतो को एक समारोह में विदाई दी गई. इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं विद्यालय के चेयरमैन अंबिका खावास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उन्होंने प्राचार्य महतो के लंबे शिक्षण सेवाकाल की प्रशंसा करते हुए उन्हें शॉल, घड़ी, कलम और डायरी भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरमैन अंबिका खावास ने कहा कि प्राचार्य अजित कुमार महतो ने शिक्षा क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया है. उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देते हुए विद्यालय की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है.

विधायक की रेसर साइकिल चोरी

गोड्डा। विधायक प्रदीप यादव के गोड्डा स्थित सरकंडा चौक आवास से उनकी रेसर साइकिल चोरी हो गई. यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें चोर की पहचान पौड़ैयाहाट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लाठीबाड़ी के एक युवक 'रेघा' के रूप में हुई. रेघा, विधायक के समर्थक के रूप में जाना जाता है. विधायक के आवास पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और ग्रामीणों का आना-जाना लगा रहता है. बताया जाता है कि लाठीबाड़ी का यह युवक भी अक्सर विधायक के घर आता-जाता था.

19 विस्थापित गांवों में 6 नये पंचायत गठन का प्रस्ताव तैयार करने का डीसी ने दिया आदेश

विस्थापितों की समस्याओं के लिए गंभीर है जिला प्रशासन : अजय नाथ

शुभम संदेश। बोकारो

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने 19 विस्थापित गांवों में 06 नए पंचायतों के गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की. इस बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे. बैठक में विस्थापितों की स्थिति, उनके अधिकार, पुनर्वास और पंचायत गठन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन विस्थापितों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह गंभीर है. उन्होंने कहा कि औद्योगिकीकरण के कारण जिन लोगों को विस्थापित होना पड़ा है, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना प्रशासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है. विस्थापितों के लिए स्थायी समाधान की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम हो रहा है. उपायुक्त ने समीक्षा के दौरान जिले के 19 विस्थापित गांवों में पंचायत गठन के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में पंचायतों का गठन होने से विकासात्मक कार्यों की गति तेज होगी, योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी और स्थानीय लोगों को प्रशासन से सीधे जुड़ने में सुविधा होगी. इससे स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं भी इन गांवों तक तेजी से पहुंचाई जा सकेंगी. उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन निदेशालय (डीपीएलआर) के निदेशक को निर्देशित किया कि वे विस्थापित 19 गांवों को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द पंचायत गठन के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार करें. इसमें पंचायतों की भौगोलिक सीमा, जनसंख्या, बुनियादी ढांचे की आवश्यकता और प्रशासनिक व्यवस्था का स्पष्ट विवरण शामिल होना चाहिए. बैठक में उपायुक्त ने यह भी कहा कि बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) द्वारा अधिग्रहित भूमि का 'पंजी टू' में म्यूटेशन कराया जाए, ताकि इन जमीनों की अवैध खरीद-बिक्री को रोका जा सके और लोग भूमि विवादों में न फंसें. उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि दस्तावेजों की पारदर्शिता से भूमि विवादों में कमी आएगी. उन्होंने कहा कि चूंकि बीएसएल के पास भूमि का मालिकाना हक है, इसलिए उसे संबंधित भूमि का लगान भी अंचल कार्यालय में जमा कराना चाहिए. उपायुक्त ने डीपीएलआर विभाग को उपलब्ध सभी दस्तावेजों का डिजिटलीकरण करने का निर्देश दिया, ताकि सूचना प्रणाली पारदर्शी और सुगम बने. इसके अलावा, उन्होंने विस्थापितों की सूची, पुनर्वास प्रक्रिया की स्थिति, खाली पड़ी भूमि की जानकारी और विस्तृत नक्शा तैयार करने को कहा. उन्होंने यह भी कहा कि इन सभी दस्तावेजों का 'रिकॉर्ड ऑफ रजिस्टर' बनाया जाए, क्योंकि ये भविष्य की योजनाओं और निर्णयों के लिए आधार बनेंगे. बैठक में उपस्थित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को उपायुक्त ने कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया. उन्होंने जोर देकर कहा कि जिला प्रशासन विस्थापितों के पुनर्वास, अधिकारों की रक्षा और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है.

डीसी ने की श्रम-कौशल योजनाओं की समीक्षा

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में श्रम विभाग, कौशल विकास विभाग एवं जिला नियोजनालय के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में संबंधित विभागों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली गई और योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई. उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता एवं गति लाई जाए, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लाभार्थियों तक पहुंच सके. उन्होंने कौशल प्रशिक्षण एवं नियोजन से संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला श्रम अधीक्षक बब्बन सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

डीसी ने किया कल्याण विभाग का निरीक्षण

दुमका (शुभम संदेश)। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कल्याण विभाग के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजी, लॉग बुक की जांच की और कार्यालय में आमलोगों के बैठने की समुचित व्यवस्था का जायजा लिया. उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि आमजनों के बैठने की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए, ताकि कार्यालय आने वाले लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय की साफ-सफाई, फाइलों के रख-रखाव और योजनाओं की अद्यतन प्रगति की भी जानकारी ली. उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को कार्यालय में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, कार्यों का समयबद्ध निष्पादन करने और जनता के प्रति उत्तरदायी रहने का निर्देश दिया.

अभाउउ संगठन ने चलाया जागरुकता कार्यशाला

बोकारो (शुभम संदेश)। अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के तत्वावधान में पीएमश्री पी. आर. +2 उच्च विद्यालय, सतनपुर में उपभोक्ता जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सैकड़ों विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष देव कुमार त्रिवेदी ने उपभोक्ता अधिनियम के मूल घटकों जैसे मानक, मात्रा, मूल्य, भ्रामक प्रचार और मिलावट के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उनसे बचाव के तरीके बताए. सुधा सिंह ने कहा कि झारखंड में अब अनुचित व्यापारिक व्यवहार नहीं चलेगा और किसी भी प्रकार से अधिनियम के सशक्तिकरण से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष पुष्पा मिश्रा ने सामग्री व सेवा में ठगी या प्रताड़ित होने पर शिकायत करने और क्षतिपूर्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी. मुख्य अतिथि, विद्यालय के प्राचार्य सेवादास हेंब्रम ने बच्चों के माध्यम से घर-घर तक उपभोक्ता जागरुकता को पहुंचाने के लक्ष्य के लिए संगठन के सदस्यों की प्रशंसा की और उन्हें शुभकामनाएं दीं. विशिष्ट अतिथि, सेक्टर-12 थाना के उपनिरीक्षक सिरताज खान ने बच्चों को ऑनलाइन और साइबर ठगी जैसे ज्वलंत मुद्दों से सावधानी बरतने और उनके निदान पर विचार दिए. संगठन के सदस्यों ने आह्वान किया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की सामाजिक कुरीतियों व भ्रष्ट आचरण के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर, उसके निवारण के लिए संबंधित विभाग से न्याय और क्षतिपूर्ति के लिए संगठन के सदस्य संकल्पित हैं. कार्यक्रम में बच्चों ने बहुत धैर्य और रुचि का परिचय दिया. कार्यक्रम में सैकड़ों विद्यार्थी और शिक्षक राधेश्याम, मनीष श्रीवास्तव, सुधा सिंह, मंजू देवी, सरिता श्रीवास्तव, अनीता कुमारी, रंजू सिंह सहित संगठन के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की.

पुलिसकर्मियों के लिए बनाई गई राखी

बोकारो (शुभम संदेश)। डी. वाई. पाटिल इंटरनेशनल स्कूल में पुलिसकर्मियों के लिए राखी का त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाया गया. पहली से नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के बीच राखी बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई. बच्चों ने देश की आंतरिक सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के लिए राखियां बनाईं. स्कूल के अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि यह आयोजन पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना करने और उनके साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए किया गया. पुलिसकर्मियों ने छात्रों के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे अपने लिए प्रेरणादायक बताया. विद्यालय की प्राचार्या शीला लाल ने पुलिसकर्मियों की भूमिका को देश की सीमा की रक्षा करने वाले सिपाहियों के बराबर बताया. उप-प्राचार्य मनोज कुमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में चुनी गई राखियां पुलिसकर्मियों को भेंट कर उनका सम्मान किया. इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान सराहनीय रहा.

तीन दिवसीय 'कल्पतरु महोत्सव' हुआ संपन्न

शुभम संदेश। बोकारो

तीन दिवसीय 'मनोकामनासिद्धि देववृक्ष कल्पतरु महोत्सव' का समापन गुरुवार को श्रावण शुक्ल त्रयोदशी के पावन अवसर पर हुआ. अंतिम दिन प्रातः 7 बजे से बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में रोपित देववृक्ष कल्पतरु की शाखाओं में भगवान शिव की पूजा कर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के पर्यावरण प्रहरियों ने देश, राज्य एवं बोकारोवासियों के कल्याण और सर्वांगीण उत्थान हेतु प्रार्थना की. ज्ञात हो कि समुद्र मंथन से प्राप्त चौदह रत्नों में कल्पतरु भी एक महत्वपूर्ण रत्न है, जिसकी मान्यता त्रिदेव स्वरूप मनोकामनासिद्धि देववृक्ष के रूप में की जाती है. विद्वान कर्मकांडी पं. अखिलेश ओझा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव स्वरूप में विराजमान देववृक्ष कल्पतरु की विधिवत पूजा की गई. तत्पश्चात रुद्र अष्टाध्यायी के मंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक कर समस्त जनकल्याण की कामना की गई. पूजन उपरांत मनोकामनासिद्धि प्रार्थना के साथ महोत्सव के संपन्न होने की घोषणा संस्थान के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार पांडेय द्वारा की गई. इस आयोजन में भाग लेने वालों में संस्थान के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार पांडेय, कार्यकारी अध्यक्ष रघुवर प्रसाद, महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल', सचिव अधिवक्ता रमण ठाकुर, सह-सचिव विजय त्रिपाठी, नशामुक्ति प्रकोष्ठ के संयोजक लक्ष्मण शर्मा, सलाहकार विष्णु शंकर मिश्र, सक्रिय सदस्य अर्जुन पांडेय, पं. गंगा झा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे. इस अवसर पर मृणाल कांत चौबे, बीरेंद्र मिश्र, अशोक मिश्र सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे.

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर गोड्डा में कार्यक्रम आयोजित

हैंडलूम बुनकरों को बाजार उपलब्ध करवाया जाए : हाजी इकरारूल

शुभम संदेश। गोड्डा

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर गोड्डा में एक कार्यक्रम आयोजित कर बुनकरों की समस्याओं पर चर्चा की गई. 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हाजी इकरारूल हसन आलम, जिला योजना पदाधिकारी फैजान सर्वर और जिला खेल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. जिला उद्योग केंद्र के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मौजूद बुनकरों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव ने कहा कि 7 अगस्त 2015 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी. उन्होंने कहा कि देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में हथकरघा उद्योग का बड़ा योगदान है और इसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है. इसके महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करने की जरूरत है. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हाजी इकरारूल हसन आलम ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें हथकरघा क्षेत्र के सतत विकास को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही हैं, ताकि हमारे हथकरघा बुनकरों और श्रमिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके और उनकी उत्कृष्ट शिल्पकला पर गर्व किया जा सके. विशिष्ट अतिथि, जिला पर्यटन एवं खेल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो ने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में हथकरघा के योगदान को उजागर करना और बुनकरों की आय में वृद्धि करना है. इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी फैजान सरवर ने कहा कि अब पहले जैसा जमाना नहीं रहा. समय के अनुसार बुनकरों को आधुनिक तकनीक से जुड़ना होगा, तभी वे पावरलूम से टक्कर ले सकेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन जिले के बुनकरों के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है. कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन झारक्राफ्ट के प्रबंधक अब्दुल कादिर ने किया. इससे पहले, कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. कार्यक्रम में मनीष कुमार, जोसवा बेसरा, दबीरउद्दीन अंसारी, महफूजुद्दीन अंसारी, शाकिर अंसारी, प्रकाश मरांडी, इफ्तेखार रसूल, दीपक कुमार दास, अफसाना जबीन, साहिबा नाज, मिस्टर अंसारी, निम्मी बानो, नाज सहित सैकड़ों बुनकर समूह और बुनकर प्रतिनिधि उपस्थित थे.

अपने दायित्व से समाज को प्रेरित करें विद्यार्थी : एसपी

डीपीएस बोकारो में अलंकरण समारोह, पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को पढ़ाया सुरक्षा व जिम्मेदारी का पाठ

शुभम संदेश। बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो में गुरुवार का दिन विशेष रहा. जिले के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छात्र परिषद के नव-निर्वाचित सदस्यों को सम्मानित किया. इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को सेवा, निष्ठा, सुरक्षा एवं जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया. मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि छात्र ही समाज और राष्ट्र के भविष्य हैं. आपसे समाज को बहुत अपेक्षाएं हैं. अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें, मानवीयता का ध्यान रखें और अपने माता-पिता व शिक्षकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए देश के विकास में सहभागी बनें. उन्होंने कहा कि कोई भी पद केवल ओहदा नहीं होता, बल्कि यह समाज में प्रेरणा देने का अवसर होता है. हम पुलिसकर्मी भी प्रतिदिन इसी भावना से कार्य करते हैं. समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक ने मंच पर मार्च पास्ट करते हुए पहुंचे छात्र परिषद के नवचयनित सदस्यों को सैश और बैज पहनाकर अलंकृत किया तथा पूर्व छात्र परिषद सदस्यों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए. अपने प्रेरणादायक संबोधन में एसपी सिंह ने विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात, नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा और लैंगिक अपराधों से बचाव के बारे में जागरूक किया. उन्होंने ट्रैफिक नियमों का पालन करने और बिना हेलमेट बाइक न चलाने की अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक जानें युवाओं की जाती है, जो न केवल एक जीवन, बल्कि कई आशाओं और सपनों का अंत होती है. उन्होंने ड्रग्स से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि नशे के सौदागर युवाओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं. पल भर की खुशी के लिए अपना भविष्य न बर्बाद करें. साइबर सुरक्षा के अंतर्गत उन्होंने डिजिटल अरेस्ट, नौकरी के नाम पर ठगी और पोक्सो एक्ट के विभिन्न पहलुओं से भी छात्रों को अवगत कराया. इससे पूर्व, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने मुख्य अतिथि एसपी हरविंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि नगर पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन, सेक्टर-4 थाना प्रभारी संजय कुमार एवं उपस्थित विद्यार्थियों का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि अलंकरण समारोह नेतृत्व का उत्सव है और छात्र परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व कौशल का विकास करना है. डीपीएस बोकारो विद्यार्थियों का समग्र विकास कर उन्हें नेतृत्वकर्ता बनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहा है.

छात्र परिषद चयन

हेड बॉय मोहित कुमार (कक्षा 12), हेड गर्ल हर्षिता प्रणीत व शिवांगी मिश्रा (कक्षा 12), वाइस हेड बॉय ध्रुव लोधा (कक्षा 11), वाइस हेड गर्ल अनुष्का आर्या व स्वर्णिम (कक्षा 11), लिटरेरी सेक्रेटरी आव्या सिंह (कक्षा 12), उप साहित्यिक सचिव नेहाल शर्मा एवं शिप्रा हेम्ब्रम (कक्षा 11), सांस्कृतिक सचिव रुचि ठाकुर (कक्षा 12), उप सांस्कृतिक सचिव अवण्या पाहवा (कक्षा 11), खेल सचिव आदित्य सिंह (कक्षा 12), उप खेल सचिव वर्षा सिंह (कक्षा 11) को बनाया गया. इसके अतिरिक्त विद्यालय के प्रत्येक सदन में कैप्टन, वाइस कैप्टन और चार प्रिफेक्ट्स भी चयनित किए गए. सभी नवचयनित सदस्यों ने निष्ठा एवं ईमानदारी की शपथ ली.

पिट्स मॉडर्न स्कूल में गौरव का क्षण

जेपीएससी में सफल छात्रों का सम्मान

शुभम संदेश। बोकारो

पिट्स मॉडर्न स्कूल, गोमिया में प्रातःकालीन प्रार्थना सभा के दौरान विद्यालय के तीन पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया. विद्यालय के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास एवं कोर कमेटी के अन्य सदस्यों ने गुलदस्ता, मोमेंटो एवं अंगवस्त्र भेंट कर इन प्रतिभाशाली पूर्व छात्रों को सम्मानित किया. विद्यालय झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) प्रशासनिक सेवा परीक्षा 2025 में अपने पूर्व छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों पर गर्व करता है. राजेश कुमार, सूरज कुमार रजक और दीपक कुमार बर्णवाल की उल्लेखनीय सफलता दृढ़ता, समर्पण और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति स्कूल की अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है. विद्यालय के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने कहा कि यह हमारे विद्यालय और पूरे गोमिया क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है. हमारे तीन पूर्व छात्रों ने जेपीएससी प्रशासनिक सेवा परीक्षा 2025 में सफलता प्राप्त की है, जो उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतिफल है. यह उपलब्धि इस बात को भी प्रमाणित करती है कि पिट्स मॉडर्न स्कूल अपने छात्रों को श्रेष्ठ शिक्षा और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. आईईपीएल (ओरिका) गोमिया के महाप्रबंधक अभिषेक विश्वास और विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दासगुप्ता ने कहा कि हमारे पूर्व छात्रों की यह सफलता अत्यंत हर्ष का विषय है. यह न केवल उनकी मेहनत का फल है, बल्कि पिट्स मॉडर्न स्कूल द्वारा प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मूल्यों का प्रमाण भी है. विद्यालय प्रबंधन समिति के अन्य सदस्यगण, शिक्षकगण एवं समस्त विद्यालय परिवार की ओर से सफल छात्रों को हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी गईं.

पहले दिन 29 उम्मीदवारों ने भरा पर्चा, 19 ने खरीदा नामांकन पत्र

बार एसोसिएशन चुनाव

30 अगस्त को 16 पदों के लिए मतदान, 31 को मतगणना

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद बार एसोसिएशन चुनाव को लेकर गुरुवार से नामांकन प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत हो गई. पहले दिन विभिन्न पदों के लिए कुल 29 प्रत्याशियों ने अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जबकि 19 ने नामांकन प्रपत्र खरीदे.अध्यक्ष पद के लिए राधेश्याम गोस्वामी ने नामांकन दाखिल किया. उपाध्यक्ष पद पर राजदेव यादव, अरुण कुमार उर्फ अरुण तिवारी, सुबोध कुमार उर्फ चीकू केशरी और जयंत चक्रवर्ती ने पर्चा भरा. महासचिव पद के लिए प्रवीर कृष्णा और जया कुमार मैदान में हैं. संयुक्त सचिव (प्रशासन) पद पर धनंजय सिंह, जबकि संयुक्त सचिव (लाइब्रेरी) पद के लिए शुभाशीष चटर्जी, नरेंद्र त्रिवेदी और कुंदन वर्मा ने पर्चा दाखिल किया. कोषाध्यक्ष पद के लिए दीपक शाह तथा सहायक कोषाध्यक्ष पद के लिए दिवाकर श्रीवास्तव, अनिल कुमार त्रिवेदी, आनंद कुमार मिश्रा और महेन्द्र गोप ने नामांकन किया.कार्यकारिणी सदस्य पद पर चिरंजीत प्रमाणिक, भारती श्रीवास्तव, अमित कुमार मोदक, किशोर यादव, ललन गुप्ता, जयशंकर, चंदन प्रसाद सिंह, संदीप कौशल, मुन्ना कुमार पासवान, रूपा कुमारी, चंदन संतोषी, मनोज कुमार रवानी, मुनमुन बनर्जी व रौशन कुमार साव ने नामांकन किया हैं.वहीं नामांकन पत्र खरीदने वालों में अध्यक्ष पद के लिए सुरेश प्रसाद, महासचिव पद के लिए मेघनाथ रवानी व वसी मोहम्मद आजाद, कोषाध्यक्ष के लिए कृष्ण बिहारी सहाय, सहायक कोषाध्यक्ष के लिए मनोज प्रमाणिक, संयुक्त सचिव (लाइब्रेरी) के लिए मोहम्मद एनुल हक व अभिजीत कुमार साधु, संयुक्त सचिव (प्रशासन) के लिए संजय कुमार रवानी शामिल हैं.कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए पिंकी धीवर, मधुकर शर्मा, गौरव सुमन, हीरालाल चौहान, सतेन्द्र कुमार राम, पिमी खातून, प्रवीण कुमार ओझा, साधन राय, करुणा तिवारी, दिलीप कुमार यादव व पूनम कुमारी ने पर्चा खरीदा है.गौरतलब है कि बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के 16 पदों के लिए मतदान 30 अगस्त, जबकि मतगणना 31 अगस्त को होगी. नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 11 अगस्त निर्धारित है.

संवेदक ने जिप सदस्य पर लगाया मनमानी का आरोप

धनबाद (शुभम संदेश) । जिला परिषद के संवेदक सिद्धार्थ सिंह ने धनबाद के उपायुक्त को पत्र देकर जिला परिषद के कार्यों की जांच की मांग की है. सिद्धार्थ के अनुसार जिला परिषद में जिप सदस्यों की मनमानी चरम पर है, और जिला परिषद के अधिकारी पूरी तरह कठपुतली बनकर कार्य कर रहे हैं. सिद्धार्थ सिंह, जो सिद्धि इंटरप्राइजेज के मालिक हैं, ने बताया कि पूर्व में जिला परिषद सदस्य इजराफिल अंसारी उर्फ लाला के क्षेत्र (जिप क्षेत्र संख्या 16) में कार्य करने के दौरान उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था. इस बार भी निविदा प्रकाशित हुई, जिसमें सिद्धार्थ सिंह एल 1 के रूप में उत्तीर्ण हुए. हालांकि, विभिन्न माध्यमों से उन पर दबाव बनाया जा रहा है कि वे टेंडर से हट जाएँ, अन्यथा इजराफिल लाला के गुंडे उन्हें साइट पर काम नहीं करने देंगे. साथ ही, धमकी दी गई है कि न मानने पर टेंडर रद्द करवा दिया जाएगा. उन्होंने उपायुक्त से न्याय की गुहार लगाई है और जिला परिषद की निविदाओं की उच्च स्तरीय जाँच की मांग की है.

चचेरे भाइयों पर भूमि अधिग्रहण मुआवजा हड़पने का लगाया आरोप

एनएच-419 चौड़ीकरण के मुआवजे को फर्जी दस्तावेज बना कर हड़पा

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त से न्याय की गुहार

राष्ट्रीय राजमार्ग-419 के चार लेन चौड़ीकरण के तहत धनबाद जिले के तोपचांची अंचल अंतर्गत ब्राहमणडीहा मौजा में अर्जित भूमि के मुआवजे में गड़बड़ी का मामला सामने आया है. उदय शंकर उपाध्याय (पिता-स्वर्गीय बनवारीलाल उपाध्याय) ने अपने चचेरे भाई एवं भतीजों पर मुआवजा हड़पने का आरोप लगाया है. जिसे लेकर उदय शंकर ने उपायुक्त को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई थी. जिसके बाद गुरुवार को जिला भू अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलको ने दोनों पक्षों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है. उदय शंकर ने परीक्षित उपाध्याय, सुजीत उपाध्याय , डब्लू उर्फ सुमन उपाध्याय तीनों के पिता-स्वर्गीय भास्कर उपाध्याय और अन्य के खिलाफ मुआवजा भुगतान पर आपत्ति दर्ज की है. यह विवाद मौजा ब्राहमणडीहा के प्लॉट नंबर 8, 635, 616, 73, और 74 के लिए निर्धारित मुआवजा राशि से संबंधित है. जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, धनबाद, राम नारायण खलको द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 की धारा 3H की उपधारा (3) और (4) के तहत इस मामले की सुनवाई की जाएगी. नोटिस में दोनों पक्षों को अपने दावों से संबंधित सभी कागजात और साक्ष्यों के साथ जिला भू-अर्जन कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है. प्रथम पक्ष ने आरोप लगाया है कि मुआवजा राशि का भुगतान गलत दस्तावेजों और फर्जी वंशावली के आधार पर किया गया, जिसके कारण उन्हें उनका हक नहीं मिला.

डीसी ने की बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी की समीक्षा

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई. इसमें उपायुक्त ने बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी 2025 की समीक्षा की. जिसमें बीमाकृत क्षेत्रफल डेटा को अंतिम रूप दिया गया. समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने चना, सरसों एवं आलु के लिए हुए बीमाकृत क्षेत्रफल का अनुमोदन किया. जबकि गेहूं के क्षेत्रफल में त्रुटि मिलने पर उसमें आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया. बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि रबी 2024-25 में धनबाद जिले में गेहूँ, चना एवं राई-सरसों फसलों का बीमा के लिए आच्छादित कुल क्षेत्रफल 6228 हेक्टेयर है. जिसमें गेहूँ के लिए 2035, चना 901 एवं राई-सरसों के लिए 3292 हेक्टेयर क्षेत्रफल है. बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी अरूण कुमार, डीडीएम नाबार्ड रवि लोहानी, बजाज आलियांज के राघवेन्द्र सिंह, धनबाद डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कॉ-ओपरेटिव बैंक के बिनय कुमार के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन

धनबाद । निरसा प्रखंड के सासनबेड़िया तथा बाघमारा प्रखंड के रंगुनी पंचायत में वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया गया .इस संबंध में अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि इसमें भारतीय रिज़र्व बैंक, रांची, झारखंड के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह उपस्थित रहे .शिविर में ग्रामीणों के जनधन खाते खोले गए . साथ ही जीवन सुरक्षा एवं जीवन ज्योति बीमा योजना के री-केवाईसी में नामांकन हुआ . ग्राहकों को डिजिटल सुरक्षा की जानकारी भी दी गई .

बोकारो थर्मल से कोलकाता मदार एक्सप्रेस रवाना

शुभम संदेश। धनबाद

विधायक निर्मल महतो और पूर्व विधायक लंबोदर महतो ने बोकारो थर्मल स्टेशन पर गाड़ी संख्या 19607 कोलकाता-मदार एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर इसके ठहराव का शुभारंभ किया. इस अवसर पर रेल मंडल के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे.गाड़ी संख्या 19607 कोलकाता-मदार एक्सप्रेस बोकारो थर्मल स्टेशन पर 19:02 बजे पहुंचेगी और 19:04 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी. वहीं, गाड़ी संख्या 19608 मदार-कोलकाता एक्सप्रेस 07:35 बजे बोकारो थर्मल स्टेशन पहुंचेगी और 07:37 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी.

एलएचबी रेक के साथ चलेगी ये ट्रेने

धनबाद-पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस, पटना-सिंगरौली-पटना एक्सप्रेस, और पटना-बरकाकाना-पटना पलामू एक्सप्रेस के चौथे आईसीएफ रेक को एलएचबी रेक में परिवर्तित किया गया है. इन ट्रेनों का परिचालन अब एलएचबी रेकों के साथ किया जाएगा.

सदर अस्पताल में मनोरोग विशेषज्ञ डॉ मिनाक्षी रहेगी आज

धनबाद (शुभम संदेश)। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर शुक्रवार को सदर अस्पताल के मेडिसिन में डॉ पीपी पांडेय तथा डॉ नीलम बाला रहेंगे. जबकि हड्डी रोग में डॉ मुकेश प्रसाद, सर्जरी में डॉ संजीव गोलाश, नेत्र में डॉ सरोजिनी मुर्मू, दंत रोग में डॉ सुनिता सिन्हा, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ मिनाक्षी दुबे, शिशु रोग विभाग में डॉ मनोज हेंब्रम, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में डॉ सुरभी, फिजियोथेरेपी में डॉ दीपाली राय उपस्थित रहेंगे.वहीं गायनी इमर्जेंसी में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक डॉ रुमा प्रसाद, दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक डॉ अंजना कुमारी तथा रात 8 बजे से शनिवार सुबह 8 बजे तक डॉ संध्या तिवारी रहेंगे.जेनरल इमर्जेंसी में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक डॉ ईपिल टोपनो, दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक डॉ राकेश रंजन तथा रात 9 बजे से शनिवार सुबह 9 बजे तक डॉ मंगेश रहेंगे.

धनबाद फुटबॉल क्लब का दो दिवसीय रात्रि मैच 9 से

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद फुटबॉल क्लब द्वारा 9-10 अगस्त को झारखंड मैदान, हीरापुर में दो दिवसीय दिवारात्री विकास रंजन उर्फ पप्पू सिंह नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा. आयोजन सचिव विकास साव ने बताया कि 32 क्लबों ने भागीदारी की पुष्टि की है. विजेता को 20,000 रुपये, ट्रॉफी और व्यक्तिगत पुरस्कार, उपविजेता को 15,000 रुपये, ट्रॉफी और पुरस्कार, तीसरे स्थान पर 7,000 रुपये और चौथे स्थान पर ट्रॉफी व पुरस्कार दिए जाएंगे. उद्घाटन 9 अगस्त को शाम 8:00 बजे होगा, जिसमें मुख्य अतिथि धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, पुलिस उपाधीक्षक धीरेन्द्र नारायण बंका, विकास रंजन और रूपा सिंह होंगे. फाइनल मुकाबला और पुरस्कार वितरण 10 अगस्त को शाम 7:00 बजे होगा, जिसमें लाल बाबु सिंह, कुम्भनाथ सिंह, मिथिलेश पासवान, प्रमोद यादव, उर्मिला देवी आदि उपस्थित रहेंगे. संवाददाता सम्मेलन में बबलु ठाकुर, बबलु मिश्रा, अजीत सिन्हा, अनिल लाल, सतीश प्रसाद, संतोष यादव, अजय बास्की, राकेश ठाकुर, पारस बनर्जी, भोला साव, मिथुन साव, संजय साव, कमलेश यादव, चंदन बास्की, रविलाल बास्की सहित कई अन्य मौजूद थे.

आसनसोल

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने दी 86 नई नियुक्तियां

62 आश्रितों को एनसीडब्ल्यूए के तहत, 24 को आरएंडआर नीति के तहत नियुक्ति

खास बात

- निदेशकगणों ने नए कर्मियों को दी शुभकामनाएं

शुभम संदेश। सांकतोड़िया

कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने गुरुवार को अपने मुख्यालय स्थित संकल्प हॉल में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान 86 नव नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे. इस पहल के माध्यम से ईसीएल ने एक बार फिर कर्मचारियों के कल्याण और उनके परिवारों के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराया. इनमें से 62 नियुक्तियां एनसीडब्ल्यूए (राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता) के अंतर्गत आश्रित रोजगार योजना के तहत की गईं, जबकि 24 नियुक्तियां पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति के तहत दी गईं.

ईसीएल निदेशक मंडल ने नव नियुक्त कर्मियों को किया संबोधित

इस मौके पर उपस्थित ईसीएल के निदेशक – निदेशक (वित्त) मोहम्मद अंज़र आलम, निदेशक (तकनीकी/संचालन) नीलाद्रि रॉय, निदेशक (कार्मिक) गुंजन कुमार सिन्हा और निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) गिरीश गोपीनाथन नायर ने नियुक्त कर्मियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह नियुक्तियां ईसीएल की करुणा, उत्तरदायित्व और समावेशी विकास के मूल्यों का परिचायक हैं. निदेशकों ने नए कर्मियों से आह्वान किया कि वे ईमानदारी, निष्ठा और मेहनत से कार्य करते हुए संगठन में सकारात्मक योगदान दें. उन्होंने दिवंगत कर्मियों के परिवारों और भूमिदाताओं के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि ईसीएल हर परिस्थिति में अपने कर्मचारियों के साथ खड़ा है. कार्यक्रम में ईसीएल के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे.

पारंपरिक जिम्मेदारी और मानवीय पहल

एनसीडब्ल्यूए के तहत आश्रितों को रोजगार देने की परंपरा कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों की वर्षों पुरानी नीति है, जो दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों तथा भूमि दाताओं को आर्थिक और सामाजिक संबल प्रदान करती है. यह नियुक्ति समारोह न केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया था, बल्कि यह ईसीएल की संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण भी बना. ईसीएल का यह प्रयास न केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया है, बल्कि यह कर्मचारियों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का परिचायक भी है. यह आयोजन भविष्य में और बेहतर परिणामों की ओर अग्रसर होने के लिए सभी मानव संसाधन कर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा.

सुशांत कापुड़ी को मिला नौकरी का पत्र

बराकर। जमीन के बदले नौकरी की मांग को लेकर बुधवार को आत्मदाह का प्रयास करने वाले सुशांत कापुड़ी को बीसीसीएल सीवी एरिया-12 प्रबंधन ने आखिरकार गुरुवार को नियुक्ति पत्र सौंप दिया. बुधवार को बैगुनिया स्थित महाप्रबंधक कार्यालय में पेट्रोल डालकर आत्महत्या की कोशिश के बाद देर शाम प्रबंधन और धनबाद कोल मुख्यालय के साथ लंबी वार्ता हुई थी, जिसमें गुरुवार को नियुक्ति पत्र देने का वादा किया गया था. प्रबंधन ने निभाया वादा, कापुड़ी की आंखों में थे खुशी के आंसू गुरुवार को कार्यकारी महाप्रबंधक सुभाशीष घोष ने सुशांत कापुड़ी को औपचारिक रूप से निबंधन पत्र (जॉइनिंग लेटर) सौंपा.

आसनसोल नगर निगम ने टॉपर छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

प्रमाण पत्र, मेडल और उपहार देकर बढ़ाया हौसला

शुभम संदेश। बराकर

आसनसोल नगर निगम की ओर से गुरुवार को रविंद्र भवन, आसनसोल में नगर निगम क्षेत्र के सभी स्कूलों के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा के टॉपर छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र, मेडल और उपहार देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर नगर निगम के उपमहापौर वासिमुल हक सहित कई अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. इस समारोह में बराकर क्षेत्र के कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान प्राप्त किया. जराउ देवी बालिका विद्यालय (बराकर) से माध्यमिक परीक्षा में प्रथम स्थान मुस्कान प्रजापति, द्वितीय स्थान सीमा विश्वकर्मा और तृतीय स्थान दीपिका बरनवाल ने प्राप्त किया. श्री मारवाड़ी विद्यालय (बराकर) से माध्यमिक परीक्षा में अंजलि गोंड प्रथम, ज़ीनत फरहीन द्वितीय और सिया कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं. वहीं बराकर आदर्श विद्यालय से उच्च माध्यमिक परीक्षा में प्रथम स्थान मनोज चौधरी, द्वितीय मोहम्मद इमरान और तृतीय मोहम्मद अहमद खान ने प्राप्त किया. इसी विद्यालय के माध्यमिक परीक्षा में आदित्य खरवार प्रथम, रमन झा द्वितीय और हिमेश शॉ तृतीय स्थान पर रहे. छात्र-छात्राओं ने नगर निगम द्वारा दिए गए इस सम्मान को गर्व और प्रेरणा का प्रतीक बताया. उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें आगे और भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा. कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने नगर निगम का आभार जताया.

पिंकी फाउंडेशन में दी गई स्वर्गीय शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। बराकर

झारखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झामुमो के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय दिसम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गुरुवार को चिरकुडा मोड़ स्थित शहीद चौक पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर चिरकुडा ब्रिज से शहीद चौक तक एक जुलूस निकाला गया, जिसमें ₹शिबू सोरेन अमर रहें₹ के नारों से क्षेत्र गूंज उठा. इस कार्यक्रम का आयोजन पिंकी फाउंडेशन की अध्यक्षा पिंकी पोल और चिरकुडा नगर परिषद सचिव बाबू खान के नेतृत्व में किया गया. सभा में पिंकी पोल ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा,"आज गुरुजी की कमी न सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी को, बल्कि पूरे झारखंड और देश को खल रही है. उनके निधन से एक युग का अंत हुआ है. गुरुजी को कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा. उनके आंदोलन और संघर्ष की वजह से ही आज झारखंड राज्य अपनी पहचान के साथ खड़ा है."इस श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता शामिल हुए .

ईसीएल ने जुलाई के एचआर चैंपियनों को किया सम्मानित

छह उत्कृष्ट इकाइयों को मिला सम्मान, हर महीने चलेगा अभियान

शुभम संदेश। सांकतोड़िया

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) द्वारा गुरुवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जुलाई 2025 के सेवा पुस्तिका अद्यतन अभियान के तहत चयनित एचआर चैंपियनों को सम्मानित किया गया. इस अभियान का उद्देश्य कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं को सुव्यवस्थित कर डाटा अद्यतन सुनिश्चित करना है, साथ ही मानव संसाधन प्रणाली में जवाबदेही और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देना है. समारोह में ईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) गुंजन कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उनके दूरदर्शी नेतृत्व में यह पहल सफलतापूर्वक संचालित हो रही है. इस अवसर पर निदेशक (वित्त) मोहम्मद अंज़ार आलम, निदेशक (तकनीकी/संचालन) नीलाद्रि रॉय और निदेशक (तकनीकी/ योजना एवं परियोजना) गिरीश गोपिनाथन नायर की गरिमामयी उपस्थिति रही. महाप्रबंधक (मानव संसाधन) पुण्यदीप भट्टाचार्य तथा मुख्य प्रबंधक (मा.सं.) नज़रुल इस्लाम को भी उनके योगदान के लिए विशेष रूप से सराहा गया. साथ ही प्रशासन विभागाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष (टीए) तथा विभिन्न क्षेत्रों के कार्मिक प्रबंधक भी कार्यक्रम में मौजूद रहे. सेवा पुस्तिकाओं के अद्यतन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छह इकाइयों को जनशक्ति के आधार पर दो श्रेणियों में बांटकर सम्मानित किया गया. श्रेणी 'ए' में मुख्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चितरा ओसी एवं एसपी माइंस और श्यामसुंदरपुर क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे. श्रेणी 'बी' में सेंट्रल काजोरा ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि पांडवेश्वर एचक्यू और खोट्टाडीही ओसी क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे. यह कार्यक्रम छह महीने तक चलने वाले अद्यतन अभियान के पहले महीने की सफलता का प्रतीक था. ईसीएल ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक माह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इकाइयों को इसी प्रकार सम्मानित किया जाएगा, ताकि कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाएं अद्यतन रहें और ईसीएल की एचआर प्रणाली पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और तत्परता का उदाहरण बनी रहे. ईसीएल का यह प्रयास न केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया है, बल्कि यह कर्मचारियों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का परिचायक भी है. यह आयोजन भविष्य में और बेहतर परिणामों की ओर अग्रसर होने के लिए सभी मानव संसाधन कर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा.

कला और संघर्ष की मिसाल बना माजरामुरा गाँव

शुभम संदेश। पुरुलिया

जिला पुरुलिया के काशीपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित सुदूर गाँव माजरामुरा कभी एक गुमनाम और बदहाल गाँव के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज यह चित्रकला की समृद्ध परंपरा और सरकारी प्रयासों की बदौलत एक मिसाल बन चुका है. माजरामुरा गाँव में लगभग 65 चित्रकार परिवार रहते हैं, जिनकी जीविका का एकमात्र साधन वर्षों तक घर-घर जाकर मटकी के गीत गाना और भीख माँगना था. वे अपनी रोजी-रोटी के लिए मटकी पर सुंदर पेंटिंग बनाकर उसे बेचते थे. ये पेंटिंग्स पौराणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कहानियों को जीवंत रूप देती हैं. कला की यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है. कड़ी गरीबी और सामाजिक उपेक्षा के बावजूद, इन कलाकारों की कल्पना और हुनर पर संकट हावी नहीं हो सका. समय के साथ धीरे-धीरे इनकी कला की पहचान बढ़ी और आज जिले के विभिन्न हिस्सों से लोग माजरामुरा आकर उनकी पेंटिंग्स खरीदते हैं. राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद माजरामुरा की किस्मत बदली. पूर्व विधायक स्वपन कुमार बेलथरिया के प्रयासों से राज्य सरकार ने गाँव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा. पक्की सड़क, बिजली, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई. गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्र खोले गए. सरकार ने चित्रकारों के लिए पक्के मकान बनवाकर एक विशेष कॉलोनी की स्थापना की, जिसका नाम आदर्श ग्राम रखा गया. साथ ही चित्रकारों को पहचान पत्र और विभिन्न प्रशिक्षण भी दिए गए ताकि वे अपनी कला को व्यवसायिक रूप से आगे बढ़ा सकें. अब राज्य के विभिन्न मेलों में इनके हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री भी सुनिश्चित की जा रही है. कभी टूटी झोपड़ियों में रहने वाले ये चित्रकार आज पक्के मकानों में रहते हैं और सम्मानपूर्वक जीवन जीते हैं. माजरामुरा अब केवल एक गाँव नहीं, बल्कि संघर्ष, हुनर और सरकारी सहयोग की जीवंत कहानी बन चुका है.

BEFORE THE 1ST CLASS EXECUTIVE MAGISTRATE AT ASANSOL COURT

AFFIDAVIT

I, **Preety Agarwal** Wife of Sri Vikash Agarwal, aged about 49 years, by faith-Hindu, resident of 'SHANTI NIWAS' Hill Colony, near Kamla Nursing Home, P.O.&P.S.Kulti, District Paschim Bardhaman(W.B), Pin-713343, do hereby solemnly affirm and declare as follows :-

1. That, my original and correct name is Preety Agarwal, which is recorded in my Aadhaar Card bearing No.7368 9918 3166 and also in Pan bearing numberAEHPA3364E.
2. That I have a Joint Account holder with my mother namely GOMTI DEVI AGARWAL at Central Bank of India, Station Road, Barakar Branch being Account No.3274055944, where in my name's spelling has been wrongly written as 'PRITY AGARWAL in place of 'PREETY AGARWAL'.
3. That Preety Agarwal and Prity Agarwal is the same and one identical lady i.e.myself.

All the statement made above are true to the best of my knowledge and belief.

I Swear and sign this Affidavit on this the 6th day of Aug. 2025 at Asansol Court.

तकनीक और इनोवेशन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन

बीटेक ईसीई

टेक और डिजिटल के बदलते युग में जॉब मार्केट में प्रोफेशनल्स की डिमांड भी बदलती जा रही है. आईटी सेक्टर के साथ-साथ लगभग सभी क्षेत्र में इंलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियर्स को अच्छे खासे पैकेज पर हायर किया जा रहा है. यही वजह है कि कॉलेज प्लेसमेंट सेशन में भी बीटेक ईसीई डिग्री वालों का प्लेसमेंट पैकेज सबसे तगड़ा मिलने लगा है. बीटेक इंलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कोर्स आज के टेक और डिजिटल युग में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. बदलते जॉब मार्केट में कंपनियों को ऐसे प्रोफेशनल्स की जरूरत है जो इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी को अच्छे से समझते हों. आईटी सेक्टर से लेकर ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम और हेल्थकेयर तक में ईसीई इंजीनियर्स की डिमांड बढ़ी है. यही कारण है कि कॉलेज प्लेसमेंट के दौरान बीटेक ईसीई स्टूडेंट्स को हाई सैलरी पैकेज मिल रहे हैं. तकनीकी ज्ञान और मल्टी-डोमेन स्किल्स के चलते ये ग्रेजुएट्स इंडस्ट्री के लिए वैल्यूएबल एसेट बन चुके हैं.

बीटेक ईसीई कोर्स क्या है?

बीटेक ईसीई का पूरा नाम बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग है, जो चार वर्षीय ग्रेजुएशन लेवल का प्रोग्राम है. बीटेक ईसीई छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और डिवाइस कम्युनिकेशन, डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के बारे में डिटेल जानकारी दी जाती है. इंलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डेटा और सिग्नल को अलग-अलग माध्यमों से भेजने की तकनीक सीखी जाती है. यह कोर्स इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग दोनों का मेल है, जो हार्डवेयर और नेटवर्किंग में स्किल देता है. यह फील्ड 5जी, सैटेलाइट, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई तकनीकों में करियर के अच्छे मौके देती है.

नौकरी पाने के मौके

बीटेक ईसीई में इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचय, सिग्नल और सिस्टम, एनालॉग संचार, नेटवर्क सिस्टम, माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर, नियंत्रण प्रणाली आदि जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं. ये कोर्स टेक्नोलॉजी की नॉलेज देता है. इस कोर्स के बाद करियर के बहुते सारे ऑप्शन होते है जैसे की आप इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग बन सकते है.

कौन कर सकता है ये कोर्स?

बीटेक ईसीई में एडमिशन लेने के लिए छात्र को 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है. 12वीं में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ्स विषय होना अनिवार्य है. छात्रों को 12वीं में कम से कम 50% से 60% अंक लाने होते हैं. अलग-अलग कॉलेजों में अंकों की जरूरत थोड़ी अलग हो सकती है. आरक्षित वर्ग को कुछ छूट मिल सकती है.

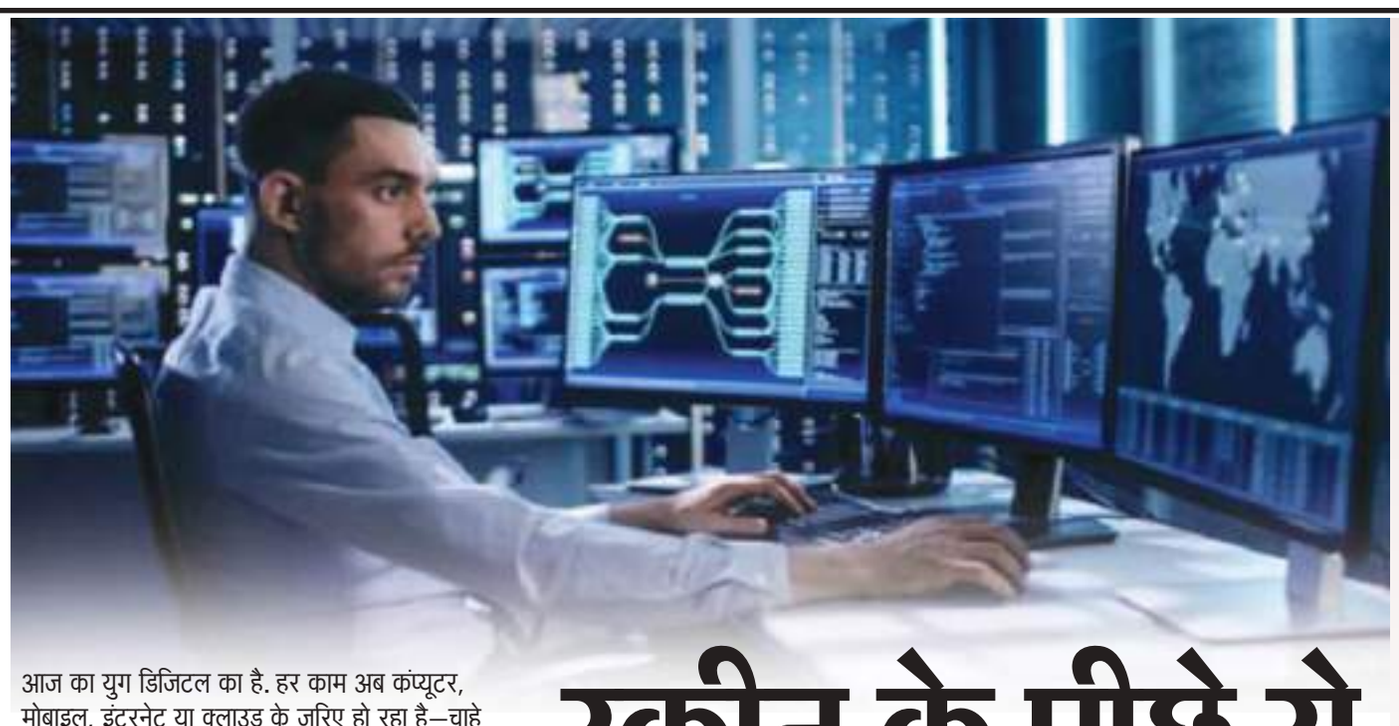

स्क्रीन के पीछे से अपराध पकड़ते हैं डेटा के जासूस

क्या आप स्क्रीन के पीछे से सच उजागर करना चाहते हैं? डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनकर आप साइबर अपराधों का पर्दाफाश कर सकते हैं. यह वो प्रोफेशन है जहां तकनीक, सस्पेंस और न्याय साथ चलते हैं–एक ऐसा करियर जो हर दिन एक नई कहानी बनाता है.

आज का युग डिजिटल का है. हर काम अब कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट या क्लाउड के जरिए हो रहा है–चाहे बैंकिंग हो, ऑफिस वर्क, पढ़ाई या सोशल मीडिया. लेकिन जिस तेजी से डिजिटल तकनीक ने जिंदगी आसान की है, उतनी ही तेजी से बढ़े हैं डिजिटल अपराध. हैकिंग, डेटा चोरी, ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर बुलिंग जैसे मामलों की बाढ़ आ गई है. ऐसे में इन अपराधों की तह तक जाने और सच्चाई सामने लाने का काम करते हैं–डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स. इन्हें अक्सर स्क्रीन के पीछे का जासूस या डिजिटल डेटा डिटेक्टिव भी कहा जाता है. इनकी पहचान न तो वर्दी से होती है, न ही किसी हथियार से, बल्कि इनका सबसे बड़ा हथियार होता है - तकनीक की गहरी समझ और डिजिटल साक्ष्य जुटाने की कला.

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट कौन होता है?

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट वह प्रोफेशनल होता है जो कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड ड्राइव, ईमेल, सोशल मीडिया या क्लाउड जैसे डिजिटल स्रोतों से डिलीट या छिपाई गई जानकारी को रिकवर करता है और उसे कानूनी सबूत के रूप में पेश करता है.

अगर किसी ने ऑनलाइन बैंक फ्रॉड किया है, या किसी अपराधी ने मोबाइल से सबूत मिटाने की कोशिश की है, तो ऐसे मामलों में यह एक्सपर्ट उन मिटाए गए डेटा को फिर से खोज निकालता है. ये कोर्ट में पेश करने योग्य फॉरेंसिक रिपोर्ट तैयार करते हैं, ताकि अपराधी को सजा मिल सके.

क्या होता है इनका काम?

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट का काम बेहद पेचीदा और संवेदनशील होता है. उन्हें हर बिट और बाइट को सबूत में बदलना होता है. इनके काम में शामिल होते हैं –

- डिलीट हुए डेटा, ईमेल या कॉल रिकॉर्ड को रिकवर करना
- वायरस या मैलवेयर के जरिए की गई छेड़छाड़ का पता लगाना
- कंप्यूटर या मोबाइल में छिपाई गई फाइलों को ट्रेस करना
- साइबर क्राइम, बैंक फ्रॉड, हैकिंग की जांच करना
- डिजिटल सबूतों की वैधानिक रिपोर्ट तैयार करना
- कोर्ट और लॉ एजेंसियों को केस में तकनीकी सपोर्ट देना
- इन एक्सपर्ट्स को कई बार सीबीआई, ईडी, क्राइम ब्रांच, या साइबर क्राइम सेल के साथ काम करने का मौका मिलता है. इसके अलावा कई बार निजी कंपनियां और बैंक भी इन्हें साइबर सुरक्षा के लिए हायर करते हैं.

क्या करें पढ़ाई?

डिजिटल फॉरेंसिक्स का प्रोफेशन बनने के लिए साइंस या टेक्नोलॉजी बैकग्राउंड जरूरी होता है, लेकिन अब लॉ और क्रिमिनोलॉजी के स्टूडेंट्स के लिए भी इसमें करियर की राह खुल चुकी है.

कहां मिलती है नौकरी?

जैसे-जैसे डिजिटल क्राइम बढ़ रहा है, वैसे-वैसे डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की मांग भी तेज़ी से बढ़ रही है। ये एक्सपर्ट्स विभिन्न क्षेत्रों में काम कर सकते हैं –

- **लॉ एजेंसियां** - CBI, ED, क्राइम ब्रांच, पुलिस साइबर सेल
- **ज्यूडिशियल सेक्टर** - कोर्ट केसों में डिजिटल सबूत जुटाने में सहयोग
- **कॉर्पोरेट सेक्टर**- साइबर सिक्योरिटी डिपार्टमेंट में
- **किंग और फिनटेक कंपनियां** - फ्रॉड डिटेक्शन टीम का हिस्सा
- **प्राइवेट फॉरेंसिक लैब्स** - स्वतंत्र जांच एजेंसियों के साथ
- **फ्रीलांस या कंसल्टेंट** - लॉ फर्म्स, स्टार्टअप्स, पत्रकारों के साथ सहयोग

भविष्य और स्कोप

डिजिटल फॉरेंसिक सिर्फ एक करियर नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे जरूरी विशेषज्ञता बनती जा रही है.

डिजिटलीकरण का विस्तार
हर सेक्टर डिजिटल हो रहा है–इसका मतलब अपराध भी डिजिटल हो रहे हैं.

डेटा प्राइवेसी कानून
भारत में नया डेटा संरक्षण कानून लागू होने से अब कंपनियों को प्रोफेशनल जांच सेवाओं की जरूरत पड़ रही है.

एआई और फॉरेंसिक्स का मेल
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब डिजिटल फॉरेंसिक की जांच को और तेज बना रहा है.

एक्सपर्ट्स की भारी कमी
देशभर में ट्रेन किए गए डिजिटल फॉरेंसिक प्रोफेशनल्स की मांग बहुत ज़्यादा है लेकिन सप्लाई कम है.

अपराध बदल रहे हैं जांच भी बदलनी होगी

जैसे-जैसे दुनिया स्क्रीन पर सिमट रही है, वैसे-वैसे अपराध भी टेक्नोलॉजी की आड़ में छिपते जा रहे हैं. लेकिन सच चाहे जितना भी गहरा छुपा हो, डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट उसे सामने लाने की ताकत रखते हैं. अगर आपको तकनीक, जांच और न्याय में रुचि है, तो यह फील्ड आपके लिए सुनहरा मौका हो सकता है.

वॉलंटियरिंग के मौके हाथ से न जाने दें

क्या आपने संकल्प लिया क्या यह कि आप देश व समाज के लिए कुछ करेंगे तो देर किस बात की देश में वॉलंटियर के रूप में काम करने के तमाम अवसर मौजूद हैं। खास बात यह कि वॉलंटियरिंग कर आप न केवल मानसिक संतोष अनुभव करेंगे, बल्कि यह काम आपके व्यक्तित्व को निखारकर करियर में भी आपको फायदा पहुंचाएगा। आजकल टीनएज से ही तमाम लोग पढ़ाई के साथ देश और समाज के लिए कुछ करने की चाहत रखते हैं। अनेक जागरूक टीनएजर विभिन्न संस्थाओं से जुड़कर या स्वयं प्रयास करके समाज को बदलने के लिए वॉलंटियर या स्वयंसेवक की भूमिका निभा रहे हैं। क्या आपकी भी इच्छा होता है कि देशसमाज के लिए कुछ करें, राष्ट्र निर्माण में अभी से अपना योगदान दें तो देर किस बात की आज ही कर दें शुरूआत।

देश में किशोरों व युवाओं को स्वयंसेवी कार्यों में लगाने वाली तमाम सरकारी, गैर सरकारी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हैं। इनमें से किसी के साथ जुड़कर आप वॉलंटियरिंग की दिशा में अपने कदम बढ़ा सकते हैं और समाज को बदलने में अपना योगदान दे सकते हैं। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो लोगों की बेहतरी के लिए बिना किसी वेतन के या फिर मामूली स्टाइपेंड पर काम करना चाहता है, उसे वॉलंटियर कहते हैं। इस तरह सामाजिक बदलाव के लिए काम करने से आपको मानसिक संतोष मिलता है। इससे आपके व्यक्तित्व का विकास तो होता ही है, आगे आपके करियर में भी फायदा मिलता है।

गरीबों की मदद

आपके शहर, कस्बे या गांव में ऐसे लोग होंगे, जिनके पास रहने के लिए कोई मकान नहीं है। वे फुटपाथ पर या अन्यत्र खुले में ही गुजारा करते हैं। आप ऐसे लोगों को नाश्ता, खाना, सर्दी के दिनों में गर्म कपड़े या कंबल बांटने वाली संस्थाओं के लिए काम कर सकते हैं। अगर आपके शहर में ऐसी कोई संस्था नहीं मिलती, तो आप खुद ही अपने कुछ दोस्तों और अभिभावकों के साथ मिलकर यह काम कर सकते हैं।

ट्रैफिक में सहयोग

आप अपने शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू तरीके से चलाने में या किसी बड़ी खेल प्रतियोगिता, मेले आदि के आयोजन के दौरान स्वयंसेवक के रूप में काम कर प्रशासन की मदद कर सकते हैं। इसके लिए आयोजकों या ट्रैफिक पुलिस विभाग से संपर्क करें। आप लोगों के बीच जाकर ट्रैफिक नियमों के पालन के बारे में जागरूकता अभियान भी चला सकते हैं। किसी प्राकृतिक आपदा के समय भी आप वॉलंटियर के रूप में सहयोग कर सकते हैं।

पर्यावरण की खातिर

पर्यावरण को लेकर आज किसी छोटे शहर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक चिंता व्याप्त है। आप अपने शहर, कस्बे के पर्यावरण को दुरुस्त रखने के लिए पौधे लगाने से लेकर प्रदूषण कम करने के तमाम प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं।

अस्पतालों में सेवा

कई अस्पतालों, संस्थाओं को नेत्र शिविर या रक्तदान शिविर जैसे कई अभियानों के लिए स्वयंसेवक चाहिए होते हैं। इसी तरह कई अनाथालय, सीनियर सिटिजन सेंटर आदि को भी वॉलंटियर्स की जरूरत होती है। आप ऐसे मौकों पर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

ऑनलाइन वॉलंटियरिंग

कई सामाजिक संस्थाएं अपनी वेबसाइट, ब्लॉग, जर्नल आदि को चलाने और ऑनलाइन मार्केटिंग व कम्युनिकेशन के लिए वॉलंटियर्स की मदद लेती हैं। यदि आपके पास कम्प्यूटर और इंटरनेट है तथा आप थोड़ी टेक्निकल, डिजिटल जागरूकता रखते हैं, तो किसी संस्था को इन कार्यों में मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस तरह की समाज सेवा आप घर बैठे ही कर सकते हैं!

एनसीसी, स्काउट-गाइड

नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) देश सेवा व समाज सेवा के लिए एक बेहतरीन संगठन है। इसमें एक तरह की बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। इस तरह एनसीसी युवाओं को सैन्य सेवाओं में शामिल होने के लिए भी प्रेरक वातावरण तैयार करता है। यही नहीं, कई सैन्य सेवाओं में एनसीसी प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को तरजीह भी दी जाती है। एनसीसी के कैडेटों को कई तरह के सामाजिक कार्यों में लगाया जाता है। इसी तरह भारत स्काउट एंड गाइड एक ऐसा संगठन है, जो स्कूली बच्चों के भौतिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास की दिशा में काम करता है। यह संगठन स्कूली बच्चों को कई तरह के सामाजिक कार्यों में भी लगाता है।

मंथन

पेसा नियमावली में देरी जनजातीय हकों की उपेक्षा

झारखंड हाईकोर्ट का यह निर्देश कि राज्य सरकार 6 सितंबर 2025 तक पेसा नियमावली लागू करे, न केवल एक कानूनी आदेश है, बल्कि यह जनजातीय अधिकारों की बहुप्रतीक्षित स्वीकृति की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि झारखंड जैसे आदिवासी बहुल राज्य में 1996 के पेसा कानून की नियमावली आज तक लागू नहीं हो सकी है. यह न केवल संविधान की भावना के विपरीत है, बल्कि राज्य की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है. आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सरकार की ओर से हो रही देरी को गंभीरता से लिया है. न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि तय समय सीमा तक नियमावली लागू नहीं होती है तो पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर जवाब देना होगा. यह चेतावनी बताती है कि अदालत अब और समय देने के मूड में नहीं है. पेसा कानून का उद्देश्य आदिवासी समुदायों को उनके पारंपरिक संसाधनों और स्थानीय शासन में निर्णायक भूमिका देना है. यदि झारखंड में अब तक इसकी नियमावली नहीं बन पाई है, तो यह प्रशासनिक अक्षमता नहीं बल्कि राजनीतिक उपेक्षा का मामला बनता जा रहा है. सरकार द्वारा यह तर्क देना कि कुछ प्रावधान आंशिक रूप से लागू किए गए हैं, महज़ लीपापोती प्रतीत होती है. यह समय है जब राज्य सरकार को आदिवासी अधिकारों को प्राथमिकता देते हुए पेसा नियमावली को पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ लागू करना चाहिए. यह केवल एक कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि ऐतिहासिक न्याय का प्रश्न है.

नजरिया

ट्रंप का टैरिफ दबाव, भारत की संप्रभुता को बड़ी चुनौती

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाने की घोषणा वैश्विक कूटनीति में दबाव की राजनीति का एक और उदाहरण है. रूस से तेल खरीदने को आधार बनाकर भारत पर यह आर्थिक दंड थोपना, अमेरिका की उस रणनीति को उजागर करता है जिसमें वह अपने भू-राजनीतिक हितों के लिए मित्र राष्ट्रों पर भी कठोर कदम उठाने से नहीं चूकता. यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब भारत ने वैश्विक तेल संकट के बीच अपने ऊर्जा हितों को ध्यान में रखते हुए रूस से किफायती दर पर तेल खरीदने का रास्ता अपनाया. यह पूरी तरह भारत की संप्रभु विदेश नीति का हिस्सा है, जिसमें राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं. ट्रंप प्रशासन का यह कदम भारत की उस नीति को चुनौती देता है, जो किसी भी वैश्विक गुट के अधीन हुए बिना अपने हितों के अनुरूप निर्णय लेने में विश्वास रखती है. यह भी गौरतलब है कि यह टैरिफ पुराने 2022 के राष्ट्रीय आपातकालीन आदेश का हवाला देकर लगाया गया है, जब अमेरिका ने रूस पर तेल प्रतिबंध लगाए थे. तब से लेकर अब तक वैश्विक परिदृश्य में कई बदलाव आ चुके हैं, लेकिन ट्रंप प्रशासन द्वारा उसी आदेश को आधार बनाकर भारत पर कार्रवाई करना अतिरेक प्रतीत होता है. भारत को इस स्थिति में धैर्यपूर्वक लेकिन दृढ़ता से जवाब देने की आवश्यकता है. यह केवल व्यापारिक शुल्क का मुद्दा नहीं, बल्कि नीति-निर्धारण की स्वतंत्रता और रणनीतिक संप्रभुता की परीक्षा भी है.

मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति उदासीनता घातक

गिरीश्वर मिश्र

स्वस्थ रहना हमारी स्वाभाविक स्थिति होनी चाहिए पर समकालीन परिवेश में ज्यादातर लोगों के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा है. स्वास्थ्य में थोड़ा बहुत उतार-चढ़ाव तो ठीक होता है और वह जल्दी ही संभल भी जाता है पर परेशानी ज्यादा होने पर वह असह्य हो जाता है और तब व्यक्ति को 'बीमार' या 'रोगी' कहा जाता है. तब मन बेचैन रहता है, शरीर में ताकत नहीं रहती और दैनिक कार्य तथा व्यवसाय आदि के दायित्व निभाना कठिन हो जाता है, जीवन जोखिम में पड़ता सा लगता है और उचित उपचार के बाद ही स्वास्थ्य की वापसी होती है.

मानसिक रोगों की उपेक्षा करना सही नहीं, इसका इलाज होना चाहिए.

गौरतलब है कि शारीरिक स्वास्थ्य और अस्वास्थ्य को आसानी से पहचान लिया जाता है परंतु मानसिक रोगों की उपेक्षा की जाती है. मानसिक रोगों के लिए विशेष प्रशिक्षण और अध्ययन की आवश्यकता होती है. मनोचिकित्सा को विषय के रूप में मेडिकल कालेज में साइकियाट्री के अंतर्गत रखा जाता है और इसमें एमडी की विशेषज्ञता भी होती है. इसी से जुड़े विषय क्लिनिकल साइकोलोजी और काउनसेलिंग भी हैं जो मनोविज्ञान विषय के अंग हैं और मानसिक स्वास्थ्य. अध्ययन की यह व्यवस्था यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत है और भारत में भी मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान की व्यवस्था की गई है.

यह भी ध्यान देने की बात है कि मानसिक परेशानी के चलते शारीरिक बीमारियां भी होती हैं. इसी तरह शारीरिक रोग से मानसिक रुग्णता भी पैदा होती है . शरीर और मन को अलग रखना गलत है क्योंकि स्वास्थ्य और अस्वास्थ्य दोनों ही स्थितियों में ये एक संयुक्त इकाई के रूप में ही काम करते हैं. हम रोग का अनुभव भी करते हैं और उससे निपटने की कोशिश भी करते हैं. आज बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय, पारिवारिक विघटन, जीवन-हानि, और गरीबी जैसी स्थितियां आम आदमी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनती जा रही हैं.

कम्प्यूटर, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि जैसे तकनीकी हस्तक्षेपों के चलते काम-काज अधिकाधिक स्वचालित होते जा रहे हैं. स्मार्टफोन और टेबलेट जैसे सूचना और संचार के उपकरणों के नए-नए माडल शान-शौकत का प्रतीक भी बनते जा रहे हैं. सोशल मीडिया की लत भयानक साबित हो रही है . लोग 'लाइक' और 'सब्सक्राइब' करने के अनुरोध से आजिज आने लगे हैं. ऐसे उपकरणों के न होने पर आदमी की हैसियत कम आंकी जाती है जो मानसिक अस्वास्थ्य का कारण बनती है. वैश्विक स्तर पर हुए स्वास्थ्य-सर्वेक्षणों में दुश्चिंता, ओसीडी, पीटीएसडी, फोविया, बाई पोलर डिसऑर्डर आदि मनोरोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या निरंतर बढ़ रही है. लोग मादक द्रव्य, तम्बाकू, मद्यपान, और ड्रग्स का सेवन भी तेजी से कर रहे हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपटें 21वीं सदी में स्वास्थ्य का भयावह चित्रण कर रही हैं. स्थिति का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि अकेले उत्तरी अमेरिका में सन 2022 में 326 बिलियन डालर अवसाद (डिप्रेशन)के उपचार में खर्च हुआ था.

दस वर्ष पहले 2010 में यह खर्च 210.5 बिलियन डालर का था. प्रौढ़ जनसंख्या में एक तिहाई लोग अनिद्रा रोग से ग्रस्त है. गौरतलब है कि 1999 के बाद आत्महत्या के मामलों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. भारत में 2017 में हुए सर्वेक्षण में हर सात भारतीयों में से एक किसी न किसी मनोरोग से ग्रस्त होता पाया गया. आज अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं और आर्थिक संसाधन बढ़ने के साथ जीवन-विस्तार यानी शरीर की आयु तो बढ़ गई पर आदमी का मन कमजोर होने लगा. अल्जाइमर और डेमेंशिया के रोगी प्रौढ़ होते लोगों में तेजी से बढ़ रही हैं. अवसाद, मद्यनिर्भरता, बाई पोलर डिसऑर्डर और शीजोफ्रेनिया आज एक महामारी के रूप में उभर रही है. दुश्चिंता (ऐंगजाइटी) , जिसमें जीवन के भविष्य को लेकर भय और जोखिम की चिंता, पेशीय तनाव आदि शामिल होता है. यही प्रवृत्ति बनी रही तो इस सदी के तीसरे दशक में पहुंचते हुए वैश्विक स्तर पर 16 ट्रिलियन डालर मनोरोगों से जूझने में खर्च करने होंगे. सांसारिक सुख-भोग करना सबको प्रिय है. बाजार और विज्ञापन ने सुख को उपभोग से जोड़ कर आग में घी काम किया और अब हम अपनी 'सफलता' और विकास अधिकाधिक उपभोग में देखने के आदी होते गए हैं परंतु तनाव, चिंता, दबाव, अकेलापन, व्यसन या लत, असंतुष्टि, कुंठा जैसे अनुभव सामान्य हैं . हम असंतुष्ट रहते हुए उपभोग की वस्तुओं को एकत्र करते रहने को ही सुखमय लक्ष्य की ओर चलने का मार्ग मान बैठे और यह दावा आज की हालत देख कर खोखला लगता है. स्थापित करने का प्रयास आज की महत्वपूर्ण वैश्विक आवश्यकता है.

लोक व्यवहार में भी अति वाला आचरण वर्जित माना जाता है. बड़े-बूढ़े अब भी संतुलित जीवन की हिदायत देते हैं. स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली में बदलाव और रोग की स्थिति में उसकी उपेक्षा न कर उसका समाधान करना आवश्यक है.

स्वस्थ्य रहने के लिए जरूरी क्या है ? इस सवाल के जबाव में समुचित या युक्त आहार (भोजन), विहार (आचरण), निद्रा और चेष्टा (कार्य) को आवश्यक बताया गया है . पांच महाभूत – पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश ही तो हैं जो हमें रचते हैं और रचना के बाद आकार पाकर हम भी उन्हें प्रभावित करते हैं और प्रभावित करते . इनके साथ संगति और विसंगति से, स्वास्थ्य का विचार और स्वास्थ्य की स्थिति दोनों ही प्रभावित होते हैं. हमारा शरीर साध्य भी है और मानसिक अस्तित्व का साधन भी. इसी तरह महात्मा बुद्ध अधिक और कम के बीच का मार्ग अपनाने को कहते हैं. लोक-व्यवहार में भी 'अति' वाला आचरण वर्जित माना जाता है. बड़े-बूढ़े अब भी संतुलित जीवन की हिदायत देते हैं. स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली में बदलाव और रोग की स्थिति में उसकी उपेक्षा न कर उसका समाधान करना आवश्यक है. आशा है देश की आवश्यकता को देखते हुए मानसिक स्वास्थ्य के लिए लोक जागरण के साथ उसके अध्ययन की सुविधाओं का विस्तार करने पर ध्यान दिया जाएगा.

-(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि वर्धा के पूर्व कुलपति हैं.)

आज का इतिहास

1509 : विजय नगर सम्राज्य के सम्राट के रूप में महाराज कृष्णदेव राय की ताजपोशी.
1609 : वेनिस की सीनेट ने गैलिलियो द्वारा तैयार दूरबीन का निरीक्षण किया.
1864 : जिनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना.
1876 : एडिसन ने मिमियोग्राफ का पेटेंट कराया.
1899 : एटी मार्शल ने रेफ्रीजरेटर का पेटेंट कराया.
1900 : बोस्टन में डेविस कप की शुरुआत.
1908 :शास्त्रीय गायिका सिद्धेश्वरी का जन्म.
1919 : ब्रिटेन ने अफगानिस्तान को आजाद किया.
1942 : गांधी जी का भारत छोड़ो आंदोलन शुरू.
1947 : पाकिस्तान ने राष्ट्रीय ध्वज को मंजूरी दी.
1990 : इराक़ के तानाशाह सद्दाम हुसैन ने कुवैत पर कब्जे का ऐलान किया.
2004 : इटली ने बोफ़ोर्स दलाली में क्वात्रोच्चि को भारत को सौंपने से इनकार किया.
2010 : तेजस्विनी सावंत म्युनिख की विश्व निशानेबाजी की 50 मीटर में स्वर्ण पदक जीतकर प्रथम भारतीय महिला बनीं.

मुसीबत में भागिए मत, डट कर मुकाबला कीजिए

चिंतन

जंगली भैंसों का झुंड जंगल में घूम रहा था, तभी एक पाड़ा ने पूछा, पिताजी, क्या इस जंगल में ऐसा कोई है जिससे डरना है? बस शेरों से सावधान रहना, भैंसा बोला. हां, मैंने भी सुना है, शेर खतरनाक हैं. अगर शेर दिखा तो मैं भाग जाऊंगा, पाड़ा बोला.नहीं, ऐसा कभी मत करना, भैंसा बोला. पाड़ा को ये बात अजीब लगी, वह बोला- क्यों? वे खतरनाक हैं, मुझे मार देंगे तो भला मैं भाग कर अपनी जान क्यों ना बचाऊं?

भैंसा समझाने लगा, अगर तुम भागोगे तो शेर पीछा करेंगे, भागते समय वे तुम्हारी पीठ पर आसानी से हमला कर सकते हैं और तुम्हे गिरा सकते हैं. एक बार गिर गए तो मौत पक्की. तो.. तो. मुझे क्या करना चाहिए? पाड़ा घबराहट में बोला. अगर तुम कभी शेर को देखो, तो अपनी जगह डट कर खड़े हो जाओ और ये दिखाओ की तुम जरा भी डरे हुए नहीं हो. अगर वो ना जाएं तो उसे अपनी सींग दिखाओ और खुरों को जमीन पर पटको. अगर तब भी शेर न जाएं तो धीरे-धीरे उसकी तरफ बढ़ो और अंत में तेजी से पूरी ताकत के साथ उसपर हमला कर दो. भैंसे ने समझाया. ये तो पागलपन है, ऐसा करने में तो खतरा है, शेर ने पलट कर हमला कर दिया तो? पाड़ा नाराज होते हुए बोला. बेटे, चारों तरफ देखो,क्या दिखाई देता है? भैंसे ने कहा. पाड़ा देखने लगा, उसके चारों तरफ भैंसों का बड़ा सा झुंड था.अगर कभी भी तुम्हें डर लगे, तो ये याद रखो कि हम सब तुम्हारे साथ हैं. अगर तुम मुसीबत का सामना करने की बजाए, भाग गए, तो हम तुम्हें नहीं बचा पाएंगे. लेकिन अगर तुम साहस दिखाते हो, तो हम मदद के लिए ठीक तुम्हारे पीछे खड़े होंगे. पाड़ा ने गहरी सांस ली और अपने पिता को इस सीख के लिए धन्यवाद दिया.

दोस्तों, हम सभी की ज़िंदगी में शेर हैं. कुछ समस्याएं हैं जिनसे हम डरते हैं, जो हमें भागने पर मजबूर करना चाहती हैं, लेकिन अगर हम भागते हैं तो वो हमारा पीछा करती हैं और जीना मुश्किल कर देती हैं. इसलिए मुसीबत का सामना करिए.उन्हें दिखाइए कि आप उनसे डरते नहीं हैं. और पूरे साहस और हिम्मत के साथ उल्टा उनकी तरफ टूट पड़िए और जब आप ऐसा करेंगे, तो आप पाएंगे कि आपके परिवार और दोस्त पूरी ताकत से आपके पीछे खड़े हैं.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

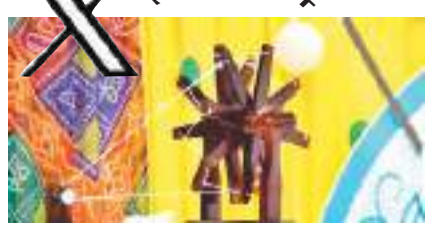

1. #NationalHandloomDay
2. #KalaignarForever
3. #CareForElders
4. #RabindranathTagore
5. #VedicWisdom
6. नोबेल पुरस्कार
7. Spiritual Journey
8. Mantra Shakti
9. श्री हरि
10. महान कवि

बहुरंग

'निशानची' का दमदार पोस्टर जारी

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया की आगामी फिल्म 'निशानची' ने अपनी पहली झलक से ही दर्शकों के बीच रोमांच पैदा कर दिया है. एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी का जबरदस्त मेल इस फिल्म को एक मसाला एंटरटेनर बनाता है. टीज़र में दो ऐसे भाइयों की कहानी की झलक मिलती है जो दिखते तो एक जैसे हैं, लेकिन उनकी सोच, प्राथमिकताएं और जिंदगी के रास्ते एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं. दोनों के फैसले ही आगे चलकर उनके नसीब को मोड़ देते हैं.

अब इस उत्साह को और हवा देते हुए, फिल्म का एक नया पोस्टर रिलीज़ किया गया है, जिसमें खुलासा किया गया है कि 'निशानची' का टीज़र कल यानी 8 अगस्त को जारी किया जाएगा. 'निशानची' से ऐश्वर्य ठाकरे बतौर अभिनेता दमदार डेब्यू करने जा रहे हैं, और वो भी एक चुनौतीपूर्ण डबल रोल में. उनके साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे वेदिका पिंटो, मोनीका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा, जो सभी अपने-अपने किरदारों में अहम योगदान देंगे. यह फिल्म जार पिक्चर्स के बैनर तले अजय राय और रंजन सिंह द्वारा निर्मित है, फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है. 'निशानची' 19 सितंबर से सिर्फ सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है.

मनोज वाजपेयी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' 5 सितंबर को होगी रिलीज

हर बार अपनी दमदार अदायगी से किरदारों को जीवंत कर देने वाले मनोज वाजपेयी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं, लेकिन इस बार सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि सीधे आपके घरों में. उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' अब रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है और इसका प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा. मनोज वाजपेयी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक किरदार निभाए हैं, कभी विलेन बनकर डराया, कभी गंभीर पात्रों से दिल छुआ और कभी हल्के-फुल्के कॉमिक अंदाज़ से हंसी बिखेरी. अब वो एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, जो सख्त भी है और संवेदनशील भी. दर्शकों को इस किरदार का लंबे वक्त से इंतजार था, अब इंतजार खत्म हो गया है. 'इंस्पेक्टर जेंडे' का वर्ल्ड प्रीमियर 5 सितंबर 2025 को नेटफ्लिक्स पर होगा. 'इंस्पेक्टर जेंडे' की कहानी एक ऐसे पुलिस ऑफिसर की है, जो सिस्टम से जूझते हुए अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई लड़ता है. इस थ्रिलर

ड्रामा में न सिर्फ एक्शन होगा, बल्कि इमोशन, इन्वेस्टिगेशन और पॉलिटिक्स का भी जबरदस्त तड़का लगेगा. मनोज के साथ इस फिल्म में जिम सर्भ भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे. जिम, जिनके किरदार हमेशा परतदार और चौंकाने वाले होते हैं, इस फिल्म में किस तरह की भूमिका निभा रहे हैं, इसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है. फिल्म का निर्देशन चिन्मय डी मंडलेकर ने किया है, जो इससे पहले भी कई प्रभावशाली प्रोजेक्ट्स में अपनी छाप छोड़ चुके हैं. वहीं, फिल्म के निर्माता हैं ओम राउत, जो 'तान्हाजी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म से जुड़ चुके हैं.

देर रात संजय लीला भंसाली से मिलने पहुंचे रणबीर और आलिया

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे चर्चित और दिलचस्प जोड़ियों में से एक है. दोनों की केमिस्ट्री न सिर्फ पर्दे पर बल्कि असल जिंदगी में भी लोगों को काफी आकर्षित करती है. अब यह पावर कपल मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म 'लव एंड वॉर' मे नजर आने वाले हैं. फिल्म को लेकर उत्साह चरम पर है, और इसी बीच हाल ही में रणबीर और आलिया को भंसाली के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया. दोनों जैसे ही बाहर निकले, पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और एकसाथ तस्वीरें खिंचवाने की गुज़ारिश करने लगे. इस दौरान जो नज़ारा देखने को मिला, उसने फैंस का दिल जीत लिया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में रणबीर कपूर अपने खास चुलबुले अंदाज़ में नजर आते हैं. वह पैपराजी की ओर इशारा करते हुए मजाक में कहते हैं, ये रुक ही नहीं रही, जो कि आलिया भट्ट की ओर इशारा था. रणबीर का यह हल्का-फुल्का मजाकिया अंदाज़ देखकर वहां मौजूद सभी हंस पड़े. वहीं, आलिया भी मुस्कुराते हुए अपनी कार से बाहर आईं और रणबीर के साथ कैमरे के सामने खुशी-खुशी पोज़ दिया. फैंस को दोनों की बॉन्डिंग और मस्तीभरे अंदाज़ बहुत पसंद आ रहे हैं. कई यूज़र्स ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा कि रणबीर-आलिया की केमिस्ट्री स्क्रीन से परे भी उतनी ही रियल और खूबसूरत है. जहां एक ओर फैंस को 'लव एंड वॉर' में इस जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतज़ार है, वहीं रणबीर और आलिया का ये मजेदार पल इस बात की झलक भी देता है कि दोनों के बीच कितना सहज और प्यारा रिश्ता है. अब देखना दिलचस्प होगा कि भंसाली की इस फिल्म में यह रियल-लाइफ कपल किस तरह की ऑन-स्क्रीन मैजिक क्रिएट करता है.

यशराज ने पेश की 'वॉर 2' के सुपरहिट सॉन्ग 'जनाब ए आली' जबर्दस्त ओपनिंग

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' से बहुचर्चित गाने 'जनाब ए आली' की पहली झलक पेश कर दी है. इस दमदार डांस टीज़र में पहली बार एक साथ नजर आ रहे हैं, दो सबसे बेहतरीन परफॉर्मर्स ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर. दर्शकों के लिए यह एक डांस मुकाबला है जिसका लंबे वक्त से इंतजार किया जा रहा था. इस गाने को प्रीतम ने संगीतबद्ध किया है, सचेत टंडन और साज भट्ट ने अपनी आवाज दी है, इसके दमदार बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं. 'जनाब ए आली' एक हाई-ऑक्टेन डांस एंथम बनकर सामने आ रहा है, जो स्क्रीन पर दिलों की धड़कनें और सिनेमाघरों में उत्साह बढ़ाने का वादा करता है. आदित्य चोपड़ा ने यह तय किया है कि 'जनाबे आली' गाने को फिल्म की रिलीज़ से पहले डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर पूरा रिलीज़ नहीं किया जाएगा, ताकि दर्शकों को ऋतिक और एनटीआर के बीच के इस विस्फोटक डांस का अनुभव बड़े पर्दे पर ही पूरी भव्यता के साथ मिल सके. यशराज फिल्म्स की मंशा है कि यह गाना भी 'कजरा रे' और 'कमली' की तरह थिएटर में धमाल मचाए, और दर्शकों को सिनेमा हॉल तक खींच लाए. फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है और इसमें कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आएंगी. 'वॉर 2' 14 अगस्त, 2025 को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. घर में शुभ समाचारों का संचार होगा. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. शुभांक-6-7-9

वृष : बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी. शुभांक-2-7-9

मिथुन : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. होश में रहकर कार्य करें. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी. शुभांक-3-7-8

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. कामकाज की अधिकता रहेगी. शुभांक-4-8-9

सिंह : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. शुभांक-3-6-9

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. शुभांक-4-5-9

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार हैं. परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. वाहन चालन में सावधानी बरतें. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-2-7-8

धनु : आय के योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. आत्मचिंतन करें. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. आत्मविश्वास बढ़ेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. दैनिक सुख-सुविधा में वृद्घि होगी. शुभांक-3-6-9

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे. 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-4-6-8

कुंभ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्घि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी. अतिउत्साह में कोई भी फैसला लेने से बचें. शुभांक-1-5-9

ब्रीफ न्यूज

सीतामढ़ी-दिल्ली के बीच दौड़ेगी अमृत भारत ट्रेन

पटना । बिहार के सीतामढ़ी जिले को केन्द्र सरकार ने मां जानकी मंदिर निर्माण के साथ एक और बड़ा तोहफा दिया है. सीतामढ़ी से दिल्ली के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू होने जा रहा है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आठ अगस्त को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. इस ऐतिहासिक अवसर पर गृह मंत्री शाह सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में मां जानकी मंदिर के शिलान्यास समारोह में भी शामिल होंगे. इसकी जानकारी देते हुए जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राज्यसभा सांसद संजय झा ने बताया कि मां जानकी के पावन प्राकट्य पुनौरा धाम में 8 अगस्त को होने वाले भव्य मां जानकी मंदिर के निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे. रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली और सीतामढ़ी के बीच इस नई ट्रेन के संचालन को मंजूरी दे दी है.

शिक्षकों का मनमाफिक स्थानांतरण होगा : सीएम

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने आज एक और बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि शिक्षकों को अंतर जिला स्थानांतरण में छूट देते हुए उनके मनमाफिक जगह स्थानांतरण दिया जायेगा. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा किए गए पोस्ट के जरिये यह जानकारी दी. यह निर्णय उन शिक्षकों के लिए राहत लेकर आया है, जो हाल की स्थानांतरण प्रक्रिया से असंतुष्ट थे या जिन्हें मनपसंद स्थान नहीं मिल पाया था. नीतीश कुमार ने लिखा कि "शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए शिक्षकों के स्थानान्तरण के बारे में विभिन्न स्रोतों से सुझाव प्राप्त हो रहे हैं. इसकी समीक्षा के क्रम में मैंने शिक्षा विभाग को स्पष्ट निदेश दिया है कि अन्तर जिला स्थानान्तरण संबंधी जिन शिक्षकों की भी समस्या है, उनसे 3 जिलों का विकल्प प्राप्त किया जाएगा, जिसके बाद उन्हीं जिलों में उनका पदस्थापन किया जाएगा.मुख्यमंत्री ने लिखा कि "जिलों के अंदर पदस्थापन का कार्य जिला पदाधिकारी की समिति द्वारा किया जाएगा.

बिहार में गंगा का पानी भागलपुर जिले के

निचले इलाके में घुसा, पलायन करने को विवश बाढ़ प्रभावित

संवाददाता । भागलपुर

बिहार के भागलपुर जिले में गंगानदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के कारण निचले इलाके में बाढ़ का पानी भर गया है.

दियारा क्षेत्र की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है. बाढ़ प्रभावित लोग अपना घर छोड़ अन्य जगहों पर शरण ले रहे हैं. एनएच-80 पर तेज धारा का दबाव बढ़ता जा रहा है. जिले के सुल्तानगंज, भवनाथपुर, सबौर वऔर ममलखा में कई जगह एनएच से सटकर पानी बह रहा है. सबौर प्रखंड कार्यालय और ममलखा के बीच इंग्लिश गांव के पास निर्माणाधीन पुल के पास स्थिति गंभीर है. आधी अधूरी पुलिया के डायवर्सन के ऊपर से कभी भी पानी बह सकता है. शुक्रवार शाम तक गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है. ऐसे में अगले 48 घंटे तक एनएच-80 की निगरानी बनी रहेगी. कहीं भी आपात स्थिति होने पर मरम्मत का काम शुरू किया जायेगा. भागलपुर शहर से सटे दियारे पर गंगा नदी की तेज धारा बह रही है. दियारे पर मौजूद शंकरपुर पंचायत, रत्तीपुर बैरिया पंचायत के दर्जनों गांव के लोग अपने घरों को छोड़कर पलायन को मजबूर हो रहे हैं. हजारों की आबादी शहर के हवाई अड्डा परिसर, टीएनबी कॉलेजिएट मैदान, किलाघाट समेत अन्य सुरक्षित जगहों पर पहुंच रहे हैं. बाढ़ पीड़ितों के साथ उनके मवेशी व परिवार के सदस्य भी साथ-साथ पहुंच रहे हैं.

गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि से पटना के पांच प्रखंडों में पलायन शुरू

संवाददाता । पटना

भारी बारिश और नेपाल से छोड़े गये पानी से बिहार में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है. इससे लोगों का पलायन शुरू हो गया है. गंगा नदी से सटे पटना जिले के मनेर, दानापुर, पटना सदर, बाढ़ और मोकामा प्रखंडों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है. जिला प्रशासन के अनुसार अब तक 50,000 से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित है और लोगों का शहर की ओर पलायन शुरू हो गया है.

प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए 35 नावें तैनात की गई हैं और सभी सीओ, बीडीओ और एसडीओ को हाई अलर्ट पर रखा गया है. जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने दीघा पाटीपुल, मीनार घाट, कुर्जी बिंदटोली घाट सहित अन्य क्षेत्रों का दौरा कर राहत व्यवस्था की समीक्षा की तथा पीड़ितों से संवाद किया. गंगा नदी का जलस्तर लगातार प्रति घंटे 1 सेंटीमीटर से अधिक बढ़ रहा है. बीते 24 घंटे में गांधीघाट पर जलस्तर 49.57 मीटर से बढ़कर 49.87 मीटर, दीघाघाट पर 50.81 से 51.10 मीटर, मनेर में 52.74 से 52.99 मीटर, हाथीदह में 42.48 से 42.74 मीटर, और सोन नदी में कोईलवर पर 53.01 से 53.51 मीटर तक पहुंच गया है. निचले इलाकों की सड़कों पर पानी चढ़ चुका है, जिससे कई गांव पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं. रामनगर दियारा पंचायत (अथमलगोला) के वार्ड संख्या 9, 10, 11 और 12 सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां ग्रामीण सड़क पर पानी भर गया है और संपर्क पूरी तरह कट गया है.

तैयार की गयी है तीन शरणस्थली : बाढ़ राहत कार्य के लिए जिला प्रशासन ने 11 कोषांगों का गठन किया है. इन टीमों में एसडीएम, डीएसपी, सीओ और थाना प्रभारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है ताकि जरूरतमंदों तक तुरंत राहत सामग्री पहुंचाई जा सके. पीड़ितों के लिए तीन शरणस्थली तैयार की गई हैं – नकटा दियारा (पाटीपुल), मीनार घाट और मरीन ड्राइव पर बिंदटोली के लोगों के लिए एक लेन में टेंट लगाया गया है. इन स्थानों पर सामुदायिक रसोई, चिकित्सा सुविधा और पशुओं के लिए चारा की भी व्यवस्था की गई है. बाढ़ और मोकामा में भी सामुदायिक रसोई कार्यरत है.

16.81 करोड़ की लागत से आरा के पीरो में जज क्वार्टर और गेस्ट हाउस का होगा निर्माण

एजेंसी । पटना

आरा न्याय मंडल के अंतर्गत अनुमंडलीय न्यायालय पीरो में 20 जज क्वार्टर और छह मंजिला ट्रांजिट-कम-गेस्ट हाउस (जी+6) के निर्माण होगा, जिसकी स्वीकृति मिल गयी है. इस निर्माण पर कुल 16 करोड़ 81 लाख 19 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे. यह परियोजना भवन निर्माण विभाग के माध्यम से क्रियान्वित की जाएगी, जिससे न्यायिक अधिकारियों को बेहतर आवासीय सुविधा मिल सकेगी. यह जानकारी गुरुवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दी. चौधरी ने बताया कि इस योजना के

तहत न्यायालय परिसर में जजों के रहने के लिए 20 क्वार्टर बनाए जाएंगे, वहीं एक G+6 संरचना वाला आधुनिक ट्रांजिट-कम-गेस्ट हाउस भी निर्मित होगा, जो न केवल न्यायाधीशों के अस्थायी ठहराव के लिए उपयोगी होगा बल्कि न्यायिक गतिविधियों के संचालन में भी सहायक सिद्ध होगा. **उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा**-बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार न्यायिक प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. सरकार का स्पष्ट मानना है कि न्यायिक क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को यदि समुचित संसाधन, आधारभूत सुविधाएं और बेहतर कार्य परिवेश उपलब्ध कराया जाए, तो आम लोगों को समयबद्ध और प्रभावी न्याय दिलाना संभव होगा. इसी सोच और प्रतिबद्धता के तहत आरा न्याय मंडल के अंतर्गत पीरो में 20 जज क्वार्टर और छह मंजिला ट्रांजिट-कम-गेस्ट हाउस (जी+6) के निर्माण कार्य को स्वीकृति दी गई है.

बिहार के जमुई में मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

एजेंसी । पटना

जमुई जिले के खैरा प्रखंड अंतर्गत हरखार पंचायत के मुखिया मुन्ना साव के घर बीती देर रात पुलिस ने छापेमारी कर अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में अर्धनिर्मित और निर्मित हथियारों के अलावा हथियार बनाने वाले उपकरण बरामद किए हैं.

मामले में पुलिस ने एक साथ तीन ठिकानों पर छापेमारी की. इस दौरान 5 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है. इनकी पहचान मो खुर्शीद आलम, मो जहीर (दोनों मुंगेर), बिस्मिल्लाह अली, मोहम्मद गाजी अली (दोनों कोलकाता) और जमुई के रोपाबेल निवासी धर्मवीर साव (मुखिया का भतीजा) के रूप में की गई है. जमुई के डीएसपी सतीश सुमन ने छापेमारी अभियान का नेतृत्व किया. पुलिस के मुताबिक यह गिरोह लंबे समय से अवैध हथियार निर्माण और तस्करी के धंधे में लिप्त था. गिरोह का नेटवर्क पश्चिम बंगाल तक फैला था. प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि यहां से तैयार हथियारों की सप्लाई बंगाल तक की जाती थी.

मुखिया मुन्ना साव का आपराधिक इतिहास पहले से रहा है, और अब उसके घर से मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा होने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है. पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर जमुई मुख्यालय के कल्याणपुर स्थित गुड्डू सिंह के घर पर भी छापा मारा, जहां से भी बड़ी मात्रा में हथियार, उपकरण और अवैध सामग्री जब्त की गई. इसके अलावा रोपाबेल गांव में छापेमारी के बाद गरही बाजार स्थित एक निजी मकान में भी रेड की गई. वहां से भी कई प्रकार के हथियार बरामद किए गए. तीनों स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है और सघन तलाशी अभियान अभी जारी है. उल्लेखनीय है कि साल 2023 में पहली बार जमुई टाउन थाना क्षेत्र के अडसार गांव में गन फैक्ट्री का पर्दाफाश हुआ था और अब एक बार फिर बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है.

नालंदा में लापता युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी

नालंदा । जिले में सरमेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गौसनगर गांव निवासी गिरबल कुमार (24) की हत्या कर उसका शव नदी में फेंक दिया गया. गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे उसका शव गांव से दो किलोमीटर दूर धनायन नदी से बरामद हुआ.शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने बिहटा–सरमेरा मुख्य पथ को गोपालबाद के पास शव रखकर जाम कर दिया.घटना की सूचना मिलने पर सरमेरा, बिंद और अस्थावां थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन लोगों का गुस्सा इस कदर था कि वे अस्थावां थाना की गाड़ी पर चढ़ गए और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे.पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर ग्रामीणों ने जताया विरोध घटना के संबंध में मृतक की बहन रानी सिन्हा ने बताया कि शनिवार रात 10 बजे आखिरी बार भाई से फोन पर बात हुई थी. मोबाइल लोकेशन गांव के पास मिला, फिर अचानक ऑफ हो गया. परिजनों ने 3 अगस्त को गिरबल के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें चार लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था. लेकिन पुलिस ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की.मृतक के बड़े भाई इंद्रजीत कुमार ने बताया कि गिरबल पटना में काम करता था और कुछ दिन पहले ही गांव लौटा था. 2 अगस्त की रात वह अपने चार दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था. रात 9 बजे तक सभी साथ थे. जब उसे घर लौटने के लिए कहा गया, तो उसने कहा था कि थोड़ी देर में आ जाऊंगा.

ट्रंप के टैरिफ फैसले से भारतीय उद्योग जगत में गुस्सा

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से अमेरिका जाने वाले निर्यात पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया, जिससे भारत पर कुल टैरिफ 50% हो गया. इस फैसले से भारतीय व्यापार जगत में भारी नाराजगी और चिंता देखने को मिली. आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया पर लिखा, "आप हमारे निर्यात पर टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं." उन्होंने यह भी कहा कि भारत आत्मनिर्भर बनने और विकल्प तलाशने के लिए संकल्पित है. वहीं, महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने इस कदम को 'अनचाहे परिणामों का नियम' बताया और भारत के लिए दो बड़े सुझाव दिए. नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने इस चुनौती को सुधारों का मौका बताया और कहा कि यह एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसर है, जिसका पूरा लाभ उठाना चाहिए. ट्रंप के इस कदम को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है. भारतीय उद्योगपति इस फैसले का सामना करते हुए अपनी संप्रभुता और आर्थिक मजबूती पर जोर दे रहे हैं.

टीसीएस ने 80 % कर्मचारियों के वेतन में की बढ़ोतरी

नयी दिल्ली। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अपने कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है. हाल ही में करीब 12,000 कर्मचारियों की छंटनी के बाद अब कंपनी ने जूनियर और मिड-लेवल कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी का ऐलान किया है. यह वेतन वृद्धि 1 सितंबर 2025 से लागू होगी और इसका लाभ लगभग 80% कर्मचारियों को मिलेगा. कंपनी की ओर से भेजे गए एक आधिकारिक ईमेल में कर्मचारियों को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद दिया गया है. टीसीएस ने कहा कि यह कदम कंपनी के भविष्य को और मजबूती देने के उद्देश्य से उठाया गया है. कंपनी वर्तमान में अपनी कार्यनीति में बड़े बदलाव कर रही है.

ट्रंप के टैरिफ वार का तोड़ निकालने में लगे भारत और रूस

दोनों देश अब मिलकर दुर्लभ खनिज की खोज पर करेंगे काम

एजेंसी । नयी दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर कड़ा आर्थिक हमला बोलते हुए भारतीय वस्तुओं पर कुल 50% टैरिफ लगाने का आदेश जारी किया है. ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि भारत रूस से तेल और अन्य वस्तुएं खरीदकर अप्रत्यक्ष रूप से रूस की यूक्रेन युद्ध में आर्थिक मदद कर रहा है. इसी वजह से ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश के तहत भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25% का अतिरिक्त शुल्क लगाया है. यह शुल्क पहले से लगे 25% टैरिफ के अतिरिक्त होगा, जिससे कुल शुल्क 50% हो गया है. कुछ ही सामानों को इस आदेश में छूट दी गई है. ट्रंप के इस फैसले के बाद भारत की प्रतिक्रिया और ज्यादा सख्त दिखाई दे रही है. भारत अब रूस के साथ अपनी रणनीतिक और औद्योगिक साझेदारी को और गहरा कर रहा है. भारत सरकार के

अनुसार, भारत और रूस अब दुर्लभ खनिज की खोज और खनन, भूमिगत कोयले से गैस निकालने की तकनीक और आधुनिक औद्योगिक संयंत्र स्थापित करने जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे. भारत-रूस वर्किंग ग्रुप ऑन मॉडर्नाइजेशन एंड इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन की हालिया बैठक में दोनों देशों ने कई अहम फैसले लिए. बैठक भारत-रूस इंटरगवर्नमेंटल कमीशन ऑन ट्रेड, इकोनॉमिक, साइंटिफिक, टेक्नोलॉजिकल एंड कल्चरल कोऑपरेशन के तहत हुई. इस बैठक में तय किया गया कि दोनों देश तांबा, लिथियम, निकल, कोबाल्ट और अन्य दुर्लभ खनिजों की संयुक्त खोज और खनन करेंगे. ये खनिज आधुनिक तकनीकों और स्वच्छ ऊर्जा (क्लीन एनर्जी) के लिए बेहद अहम माने जाते हैं. इनका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों, पवन चक्कियों और हाईटेक वायरिंग सिस्टम में होता है. भारत की कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के मुताबिक, दोनों देश एयरोस्पेस साइंस और टेक्नोलॉजी में भी भागीदारी बढ़ाएंगे. इसमें एक आधुनिक विंड टनल फैसिलिटी बनाना, छोटे हवाई जहाजों के इंजन का निर्माण, 3डी प्रिंटिंग, कार्बन फाइबर टेक्नोलॉजी और अन्य उच्च तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग शामिल है. साझेदारी केवल खनिजों या तकनीक तक सीमित नहीं है. भारत और रूस एल्यूमीनियम उत्पादन, उर्वरक निर्माण, रेलवे सेक्टर, खनन उपकरण, खोज और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त कार्य करेंगे. भारत ने संकेत दिया है कि यह साझेदारी न केवल रूस के साथ उसके व्यापारिक संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि उसे अमेरिकी प्रतिबंधों से उभरने में भी मदद करेगी.

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और रूस की यह नजदीकी ट्रंप प्रशासन के लिए एक कूटनीतिक झटका है. अमेरिका लंबे समय से भारत को अपने रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता रहा है, लेकिन रूस के साथ भारत की बढ़ती नजदीकी उसे रास नहीं आ रही है. ट्रंप ने अपने बयान में कहा, "अगर कोई देश रूस जैसे युद्ध अपराधी को आर्थिक मदद देता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी. भारत से आने वाले सामान पर भारी शुल्क लगाना हमारा पहला कदम है." भारत और रूस की बढ़ती साझेदारी केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, यह दोनों देशों की रणनीतिक, तकनीकी और औद्योगिक मजबूती का संकेत भी है.

बड़ा कदम | बिहार को मिलेगी अडानी पावर से 2274 मेगावाट बिजली

53 हजार करोड़ रुपये का होगा निवेश

- प्रदूषण काफी कम होता है

एजेंसी । नयी दिल्ली

बिहार में बिजली संकट को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है. गौतम अडानी की कंपनी अडानी पावर लिमिटेड को बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड से 2274 मेगावाट बिजली सप्लाई करने का लेटर ऑफ इंटेंट मिला है. कंपनी यह बिजली बिहार के भागलपुर जिले के पीरपैंती गांव में बनने वाले एक नए थर्मल पावर प्लांट से देगी. यह थर्मल पावर प्रोजेक्ट 2400 मेगावाट का होगा और इसे बनाने में लगभग 3 अरब डॉलर (लगभग 53 हजार करोड़ रुपये) का भारी निवेश किया जाएगा. अडानी पावर ने बताया कि यह प्लांट डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट मॉडल पर आधारित होगा, जिसका मतलब है कि पूरी जिम्मेदारी कंपनी की ही होगी – प्लांट के डिजाइन से लेकर संचालन तक.

इस प्लांट से उत्पादित बिजली उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड को दी जाएगी. यानी पूरे बिहार में इस प्लांट से बिजली की आपूर्ति होगी. अडानी पावर के अनुसार, उन्हें यह मौका एक बोली प्रक्रिया के माध्यम से मिला, जिसमें वे सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी बनीं. कंपनी ने बिजली की दर 6.075 रुपये प्रति किलोवाट आवर तय की है. अडानी पावर के सीईओ एस. बी. ख्यालिया ने कहा कि यह प्रोजेक्ट अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल तकनीक पर आधारित होगा. यह एक आधुनिक तकनीक है जिसमें कोयला कम जलता है, प्रदूषण कम होता है और बिजली उत्पादन अधिक होता है. उन्होंने कहा, "हमें बिहार में 2400 मेगावाट का प्लांट लगाने का अवसर मिला है, जिससे हम बहुत उत्साहित हैं. हमारा उद्देश्य है कि बिहार को भरोसेमंद, सस्ती और अच्छी क्वालिटी की बिजली दी जाए."

इस परियोजना के जरिए राज्य में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे. अडानी पावर ने बताया कि प्लांट के निर्माण के दौरान करीब 10,000 से 12,000 लोगों को रोजगार मिलेगा. वहीं, प्लांट के चालू होने के बाद लगभग 3000 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा. कंपनी के अनुसार, प्लांट की पहली यूनिट 48 महीनों के अंदर और आखिरी यूनिट 60 महीनों के अंदर चालू हो जाएगी. यानी आने वाले 4 से 5 सालों में यह पावर प्लांट पूरी तरह से चालू हो जाएगा. इस पावर प्रोजेक्ट के लिए कोयले की आपूर्ति भारत सरकार की शक्ति पॉलिसी के तहत की जाएगी. इस परियोजना से ना सिर्फ बिहार को बिजली संकट से राहत मिलेगी.

एचडीएफसी बैंक के शेयर में मामूली गिरावट

नयी दिल्ली। गुरुवार को अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ संबंधी बयानों का असर भारतीय स्टॉक मार्केट पर भी दिखा. बाजार में गिरावट का माहौल रहा, जिससे कई मल्टीबैगर शेयर भी लुढ़क गए. इनमें देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक का शेयर भी शामिल रहा. गुरुवार सुबह 11 बजे यह शेयर 0.28% की गिरावट के साथ करीब 1980 रुपये पर ट्रेड कर रहा था. हालांकि, शॉर्ट टर्म में निवेशकों को हल्का नुकसान देखने को मिला है, लेकिन लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए यह शेयर किसी खजाने से कम नहीं रहा. बीते एक साल में ही एचडीएफसी बैंक के शेयर ने करीब 22% का रिटर्न दिया है. एक साल पहले इसकी कीमत 1623.50 रुपये थी, जो अब बढ़कर 1980 रुपये के करीब पहुंच चुकी है. सबसे खास बात यह है कि एचडीएफसी बैंक का यह शेयर लॉन्ग टर्म में निवेशकों को मालामाल कर चुका है. इसने 1 लाख रुपये के निवेश को 3.50 करोड़ रुपये में बदल दिया है. यानी यह उन चुनिंदा शेयरों में से एक है, जो समय के साथ असाधारण रिटर्न देने में सफल रहा है. ऐसे में विशेषज्ञ मानते हैं कि लॉन्ग टर्म निवेश की रणनीति इस शेयर के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है.

एनएसडीएल की लिस्टिंग के साथ निवेशकों को मिला 10% का गेन

नयी दिल्ली। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के शेयरों ने बुधवार को शेयर बाजार में जबरदस्त शुरुआत की. बीएसई पर कंपनी के शेयर 880 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए, जो कि इसके इश्यू प्राइस 800 रुपये से 10 फीसदी ज्यादा है. यह भाव कंपनी के शेयर का दिन का निचला स्तर भी रहा. लिस्टिंग के कुछ ही देर बाद शेयर ने 920 रुपये का ऊपरी स्तर छू लिया. सुबह 10 बजकर 5 मिनट पर यह 909.95 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा था. NSDL के आईपीओ को निवेशकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला था. 4,011.60 करोड़ रुपये के इस इश्यू को कुल 41.02 गुना सब्सक्रिप्शन मिला.

एक नजर

क्रेडिट कार्ड से सालाना 2 लाख रुपये की कमाई

नई दिल्ली। आमतौर पर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल खर्च के लिए किया जाता है, जिसमें रिवार्ड प्वाइंट्स एक बोनस के रूप में मिलते हैं. लेकिन पुणे के डेटा एनालिस्ट सूरज कुमार तलरेजा ने इसे आय का साधन बना दिया. उन्होंने स्मार्ट तरीके से अपने क्रेडिट कार्ड्स का उपयोग करके एक साल में 2 लाख रुपये के रिवार्ड प्वाइंट्स कमा लिए. सूरज तलरेजा पहले स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में कार्यरत थे और फिलहाल वी स्कैयर सिस्टम, पुणे में काम कर रहे हैं. उनके पास एचडीएफसी के दो प्रीमियम क्रेडिट कार्ड—बिजब्लैक और हैं. इन्हीं कार्ड्स का योजनाबद्ध तरीके से इस्तेमाल कर उन्होंने सालभर में कुल 2 लाख रिवार्ड प्वाइंट्स अर्जित किए, जिनकी वास्तविक कीमत 2 लाख रुपये के बराबर है. 6 अगस्त को सूरज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह उपलब्धि साझा की. उन्होंने लिखा, ≈मैंने सिर्फ 1 साल में अपने इन दोनों कार्ड का इस्तेमाल करके 2,00,000 रिवार्ड प्वाइंट्स कमाए, जिनकी कीमत 2,00,000 रुपये है.

टाटा कैपिटल बाजार में लाएगी 17,555 करोड़ का आईपीओ

नयी दिल्ली। टाटा ग्रुप की वित्तीय सेवा कंपनी टाटा कैपिटल जल्द ही अपना बहुप्रतीक्षित आईपीओ लॉन्च करने जा रही है. कंपनी ने इसके लिए भारतीय प्रतिभूति और

विनिमय बोर्ड के पास डीआरपीएच फाइल कर दिया है. अनुमान है कि यह आईपीओ 2 बिलियन डॉलर (करीब 17,555 करोड़) का होगा, जो 2025 का अब तक का सबसे बड़ा और भारत का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है. आरबीआई ने कुछ बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को शेयर बाजार में लिस्ट होने के निर्देश दिए हैं. टाटा कैपिटल एक एनबीएफसी है और इस नियम के तहत इसे सितंबर 2025 तक स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होना जरूरी है. लिस्टिंग के बाद कंपनी का अनुमानित मूल्यांकन 11 बिलियन डॉलर तक हो सकता है. डीआरएचपी के अनुसार, इस आईपीओ में 21 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे. इसके साथ ही 26.58 करोड़ शेयर को ऑफर फॉर सेल के तहत बेचा जाएगा.

अडानी एयरपोर्ट्स बनाएंगे शहर जैसे बिजनेस हब

नयी दिल्ली। अडानी एयरपोर्ट्स अगले कुछ वर्षों में अपने हवाई अड्डों के पास शहर जैसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए 20,000 करोड़ खर्च करेगी. कंपनी का उद्देश्य एयरपोर्ट संचालन से जुड़े

अन्य व्यवसायों को मजबूत बनाकर कुल आय का मुख्य स्रोत बनाना है. अडानी एयरपोर्ट्स के सीईओ अरुण बंसल ने बताया कि इस रणनीति से एयरपोर्ट सिर्फ उड़ानों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे खुद में एक व्यवसायिक हब बन जाएंगे. पूरे निवेश का लगभग 70% हिस्सा मुंबई और नवी मुंबई हवाई अड्डों के पास नई परियोजनाओं पर खर्च होगा. खासतौर पर नवी मुंबई एयरपोर्ट पर 240 एकड़ भूमि में एक नया "एयरपोर्ट टाउनशिप" विकसित किया जाएगा, जिसका पहला चरण अक्टूबर 2025 तक पूरा हो जाएगा. इस टाउनशिप में 1,000 कमरे वाले पांच होटल, एक बड़ा शॉपिंग मॉल, और तीन ऑफिस टावर शामिल होंगे, लेकिन निजी आवास की अनुमति नहीं होगी. यह योजना एम्स्टर्डम के शिफोल, सिडनी, और ज्यूरिख एयरपोर्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय मॉडल पर आधारित है, जहां हॉस्पिटैलिटी, रिटेल और ऑफिस स्पेस एक साथ मौजूद रहते हैं.

ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना ने लगाया अपमान का आरोप, आईओए ने शुरू की जांच

एजेंसियां। नयी दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने भारतीय बॉक्सिंग महासंघ के कार्यकारी निदेशक रिटायर कर्नल अरुण मलिक पर महिलाओं के प्रति असम्मानजनक और भेदभावपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया है. इसके बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है. लवलीना ने दो पेज के पत्र में अपनी शिकायत दर्ज करवाई. इसमें लिखा है कि 8 जुलाई को टॉप्स की जूम मीटिंग में कर्नल मलिक ने उनके साथ बहुत ही अपमानजनक और तिरस्कार भरा व्यवहार किया.

मलिक ने आरोपों से इनकार किया : लवलीना ने यह शिकायत खेल मंत्री मनसुख मंडाविया, साई के डायरेक्टर जनरल, टॉप्स डिवीजन, आईओए और बॉक्सिंग फेडरेशन को भेजी है. इसमें आगे लिखा है- इस मीटिंग के बाद मुझे बहुत ठेस पहुंची, मैं दुखी और निराश हो गई. मैं सोचने लगी कि हम महिला खिलाड़ी क्या वाकई सम्मान के लायक समझे जाते हैं? अरुण मलिक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि लवलीना हमारे देश का गौरव हैं. हमने मीटिंग में पूरी प्रोफेशनल तरीके से बातचीत की. मीटिंग रिकॉर्ड की गई थी और सभी संबंधित अधिकारियों के पास इसकी रिकॉर्डिंग है. हमने लवलीना की बातों को नियमों के अनुसार सुना और समझा.

भारतीय बॉक्सिंग में बवाल

समिति ने अभी तक नहीं दी रिपोर्ट

सरकार के निर्देश पर ओलंपिक संघ ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है, जिसमें टॉप्स के सीईओ नछत्तर सिंह जोहल, टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और एक महिला वकील शामिल हैं. उन्हें दो हफ्तों में रिपोर्ट देनी थी, लेकिन लगभग एक महीना बीतने के बावजूद रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है. इसके अलावा साई की एक अधिकारी ऋतु पाथिक भी इस मामले की अलग से जांच कर रही हैं. लवलीना ने अपनी चिट्ठी में लिखा, 'मैं सिर्फ एक एथलीट के रूप में नहीं, बल्कि एक महिला के रूप में यह पत्र लिख रही हूं. जो सालों से देश की उम्मीदें बॉक्सिंग रिंग में लेकर चलती रही है. 8 जुलाई को बीएफआई और टॉप्स की मीटिंग में कर्नल मलिक ने मुझसे चिल्लाकर बात की और कहा कि 'चुप रहो, सिर नीचे रखो और जो कहा जा रहा है वो करो.' उनका यह व्यवहार न केवल अपमानजनक था बल्कि महिलाओं के प्रति भेदभाव और ताकत दिखाने जैसा था.'

कैसे हुई थी विवाद की शुरुआत

लवलीना कहा कि जहां मुझे प्रोफेशनल सपोर्ट और सम्मान की उम्मीद थी, वहां मुझे नीचा दिखाया गया और मेरी बात को अनसुना किया गया. यह सिर्फ मेरा नहीं हर महिला एथलीट का अपमान है. इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब लवलीना ने अपने निजी कोच प्रणामिका बोरो को साथ रखने और यूरोप में ट्रेनिंग की इजाजत मांगी. लेकिन कहा जा रहा है कि कर्नल मलिक ने इन प्रस्तावों को टॉप्स के विचार में लाने से पहले ही मना कर दिया. जब लवलीना से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा, 'जांच चल रही है, इसलिए अभी मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती. मुझे जांच समिति पर पूरा भरोसा है. रिपोर्ट आने के बाद ही मैं कुछ कहूंगी.'

भारत का अगला घरेलू टेस्ट मैच वेस्टइंडीज से अक्टूबर में

एजेंसियां। नयी दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक टेस्ट सीरीज को 2-2 से ड्रॉ करने के बाद भारतीय टेस्ट टीम अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के अगले पड़ाव के लिए तैयार है. इस सीरीज से भारत ने कुल 60 में से 28 अंक हासिल किए और फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर बनी हुई है, अब भारतीय क्रिकेट फैन्स के मन में सवाल है कि भारत का अगला टेस्ट मैच किससे होगा और डब्ल्यूटीसी 2025-27 में किन-किन टीमों से भिड़ंत होगी? टीम इंडिया अपना अगला टेस्ट मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगी. दो मैचों की यह घरेलू सीरीज 2 अक्टूबर 2025 से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू होगी. दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा. रोस्टन चेज की कप्तानी वाली विंडीज टीम भारत में चुनौती पेश करेगी.

नवंबर में दक्षिण अफ्रीका से टक्कर

डब्ल्यूटीसी 2025 चैंपियन के तीसरी सीरीज में दक्षिण अफ्रीका भारत दौरे पर नवंबर 2025 में आएगी. दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. जिसका पहला मुकाबला 14 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में और दूसरा 22 से 26 नवंबर तक गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होगा.

2026 में दो विदेशी दौरों पर जाएगी भारत : जुलाई 2026: भारत श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा. पिछली बार 2022 में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने श्रीलंका को 2-0 से हराया था.

नवंबर 2026: न्यूजीलैंड दौरे पर भारत नवंबर में दो टेस्ट मैच खेलेगा. पिछली घरेलू सीरीज में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी थी. विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने 2020 में न्यूजीलैंड दौरे पर भी दो टेस्ट गंवाए थे.

डब्ल्यूटीसी 2025-27 में भारत की कुल टेस्ट सीरीज

1. **भारत बनाम इंग्लैंड** – पूरी हो चुकी (2-2 ड्रॉ)
2. **भारत बनाम वेस्टइंडीज** – अक्टूबर 2025 (भारत में)
3. **भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका** – नवंबर 2025 (भारत में)
4. **भारत बनाम श्रीलंका** – जुलाई 2026 (श्रीलंका में)
5. **भारत बनाम न्यूजीलैंड** – नवंबर 2026 (न्यूजीलैंड में)
6. **भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया** – फरवरी-मार्च 2027 (भारत में).

2027 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ंत

डब्ल्यूटीसी चक्र के अंत में, भारत 2027 की पहली तिमाही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेलेगा. पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन 2023 में भारत ने घरेलू सीरीज 2-1 से जीती थी.

आईपीएल से संन्यास की चर्चाओं के बीच धौनी ने सीएसके के लिए लुटाया प्यार

एजेंसियां। चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धौनी के आईपीएल से संन्यास को लेकर चर्चाओं का बाजार हमेशा गर्म रहता है. लेकिन धौनी ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उनकी नजदीकियां इस फ्रेंचाइजी के साथ काफी गहरी हैं. धौनी ने आईपीएल के अगले सीजन में खेलने को लेकर अभी रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान फैंस को आश्वस्त किया कि उनके खेल करियर में आगे चाहे जो भी हो, उनका दिल हमेशा सीएसके के लिए धड़कता रहेगा.

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो : 'धौनी के बिना कोई सीएसके नहीं है' यह वाक्यांश अक्सर प्रशंसकों के बीच सुना जाता है और धौनी खुद भी इस भावना को दोहराते हुए प्रतीत होते हैं. 44 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पुष्टि की कि सीएसके फ्रेंचाइजी के साथ उनका संबंध एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में उनके समय से परे भी बना रहेगा. कुछ दिनों पहले धोनी ने चेन्नई में आयोजित एक निजी कार्यक्रम को संबोधित किया था जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. धौनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास निर्णय लेने के लिए बहुत समय है, लेकिन यदि आप पीली जर्सी में वापसी के

हम हमेशा साथ रहेंगे...

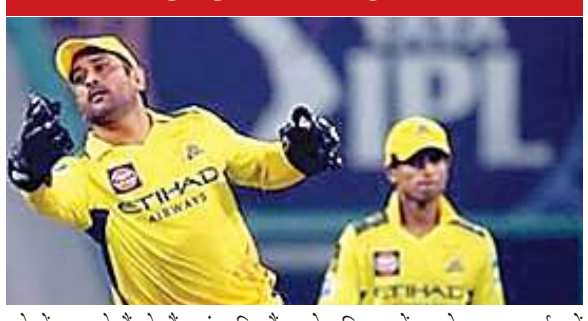

बारे में पूछ रहे हैं तो मैं कहूंगा कि मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है. मैं और सीएसके हम साथ हैं. आपको पता है, अगले 15-20 साल तक भी ऐसा रहेगा.

शुरुआत से ही सीएसके का हिस्सा हैं धोनी : धौनी 2008 में आईपीएल के शुरुआत से ही सीएसके का हिस्सा हैं. धौनी ने सीएसके की कप्तानी छोड़ दी है, लेकिन आईपीएल 2025 में नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोट के कारण बाहर होने की वजह से धौनी ने कमान संभाली थी. हालांकि, पांच बार की चैंपियन सीएसके के लिए आईपीएल का पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा था और टीम 14 में से सिर्फ चार मैच ही जीत सकी थी. सीएसके अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी जो उसका टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे खराब प्रदर्शन में से एक है. लेकिन धौनी की उपस्थिति से सीएसके के ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा बनी रही और फैंस का भी टीम को जोरदार समर्थन मिलता रहा.

धौनी के आईपीएल से संन्यास की चर्चा पिछले कुछ सीजन से लगातार चलती रही है. कई क्रिकेट पंडितों का मानना था कि धौनी आईपीएल 2024 के बाद इस टूर्नामेंट को अलविदा कह देंगे, लेकिन धौनी ने घुटने की सर्जरी के बावजूद मैदान पर वापसी की और आईपीएल 2025 में एक बार फिर पीली जर्सी में नजर आए. धौनी ने आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह आईपीएल 2026 में मैदान पर उतरेंगे या नहीं, लेकिन उन्होंने ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तान के रूप में वापसी का समर्थन किया है.

अब बीसीसीआई से कोई नहीं कर सकेगा सवाल, भारत सरकार ने बदला कानून

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए राहत की खबर है क्योंकि खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के आरटीआई से संबंधित प्रावधान में बदलाव किया है.

इस बदलाव के तहत इस विधेयक में केवल उन संस्थाओं को रखा जाएगा, जो सरकारी सहायता और अनुदान पर निर्भर रहते हैं. 23 जुलाई को केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया मे लोकसभा में यह बिल रखा, जिसका प्रावधान 15(2) कहता है कि, ₹आरटीआई एक्ट, 2005 के तहत किसी मान्यता प्राप्त संस्था को इस अधिनियम के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करने के संबंध में एक सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाएगा.

बीसीसीआई के लिए यह नियम पेचीदा बना रहा है और बोर्ड भी इसका समय-समय पर विरोध व्यक्त करता रहा है, क्योंकि वह नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन (एनएसएफ) के अंतर्गत आने वाली अन्य संस्थानों से उलट सरकारी सहायता पर निर्भर नहीं करता है. एक सूत्र ने बताया कि विधेयक में हुआ बदलाव सर्वजनिक प्राधिकरण को ऐसी इकाई के रूप में परिभाषित करता है जो वित्तीय रूप से सरकारी सहायता पर निर्भर हों. इस बदलाव से सार्वजनिक प्राधिकरण की स्पष्ट परिभाषा प्रदर्शित करने की कोशिश की गई है. यदि बदलाव नहीं किया जाता तो अशपष्टता के कारण विधेयक अटक सकता हटा, जिसे बार-बार अदालत में चुनौती दी जा सकती थी.सूत्र ने आगे यह भी बताया कि अगर कोई राष्ट्रीय खेल संस्था सरकारी सहायता नहीं ले रही है, इसके बावजूद उस पर सवाल उठाए जा सकते हैं कि क्या उसने आयोजनों के लिए किसी भी प्रकार से सरकारी सहायता ली है. ऐसा इसलिए क्योंकि सरकारी सहायता सिर्फ धन से संबंधित नहीं होती, उसमें बुनियादी ढांचा भी सम्मिलित होता है. बीसीसीआई इस पर पहले भी कह चुका है कि वह विधेयक के प्रावधानों को पढ़ने के बाद ही इस पर कोई स्टेटमेंट जारी करेगा. एक बार विधेयक के अधिनियम बनने के बाद बीसीसीआई को खुद को एनएसएफ के रूप में रजिस्टर कराना होगा, क्योंकि क्रिकेट अब ओलंपिक स्पोर्ट है, जो 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक्स में खेला जाएगा. इसका एक बेहद अहम पहलू राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण है, जिसके पास सिविल कोर्ट की शक्तियां होंगी. एक बार स्थापित हो जाने के बाद उसके निर्णयों को केवल सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी.

कनेडियन ओपन 2025: ओसाका ने टॉसन को हराकर फाइनल में बनाई अपनी जगह

एजेंसियां। मॉन्ट्रियल

चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता जापान की नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को क्लारा टॉसन को हराकर कनेडियन ओपन 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है. फाइनल मुकाबले में अब उनका सामना कनाडा की 18 वर्षीय टेनिस सनसनी विक्टोरिया मोबोको से होगा. ओसाका ने डेनमार्क की टॉसन को 6-2, 7-6 (9/7) से हराकर फाइनल में जगह बनाई. ये ओसाका का 2022 मियामी ओपन के बाद पहला डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल होगा और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद

उनकी पहली टूर-लेवल खिताबी कोशिश होगी. मैच के पहले सेट में ओसाका ने पूरी तरह दबदबा बनाया, लेकिन दूसरे सेट में टॉसन ने वापसी की कोशिश की और दो बार ब्रेक लेकर मुकाबले को टाईब्रेक तक खींचा. टाईब्रेक में भी टॉसन को 6-4 की बढ़त के साथ दो सेट प्वाइंट मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सकीं. ओसाका ने एक मैच प्वाइंट गंवाने के बाद लगातार दो अंक जीतकर जीत सुनिश्चित की. दूसरे सेमीफाइनल में विक्टोरिया मोबोको ने विंबलडन चैंपियन एलेना रायबाकिना के खिलाफ 1-6, 7-5, 7-6 (7/4) की रोमांचक जीत दर्ज की. इस मुकाबले में उन्होंने एक मैच प्वाइंट भी बचाया, जो उनके मानसिक मजबूती का बड़ा प्रमाण है. फाइनल मुकाबले को लेकर ओसाका ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और लंबे समय बाद हार्ड कोर्ट फाइनल खेलने को लेकर उत्साहित हूं. मैंने मोबोको का मैच देखा, वह शांत बनी रहीं और मैच प्वाइंट से वापसी करना वाकई एक 18 साल की खिलाड़ी के लिए बेहद प्रभावशाली है. ओसाका इस सप्ताह विश्व रैंकिंग में ऊंचाई पर पहुंच जाएंगी, जिससे यूएस ओपन 2025 में उन्हें सीडेड प्लेयर के रूप में जगह मिलना लगभग तय है.

डीपीएल सीजन 2 : ऑलराउंड प्रदर्शन से नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 19 रन से हराया

नयी दिल्ली । अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार रात खेले गए रोमांचक मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 19 रन से शिकस्त दी. स्ट्राइकर्स ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 163 रन बनाए, जिसके जवाब में वॉरियर्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर सिर्फ 144 रन ही बना सकी.

सार्थक रंजन का तूफानी अर्धशतक : टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की शुरुआत शानदार रही. ओपनर सार्थक रंजन ने 50 गेंदों में 77 रन की जबरदस्त पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे. उनका स्ट्राइक रेट 154.00 रहा. वहीं, उनके साथ वैभव कांडपाल ने 33 गेंदों में 38 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल था. दोनों ने मिलकर ठोस ओपनिंग साझेदारी निभाई.

शुभमन गिल जुलाई के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ मंथ अवॉर्ड के लिए नामित

एजेंसियां। लंदन

भारतीय टेस्ट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल को जुलाई के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है. इस अवॉर्ड के लिए उनकी टक्कर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के स्टार ऑलराउंडर वियान मुल्डर से है. गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट

मैच की सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे. भारत की युवा टीम ने यह सीरीज 2-2 से ड्रॉ की. गिल ने इस सीरीज में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए. उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया. इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने सीरीज में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा. गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है. आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा. उन्होंने इस रोमांचक श्रृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए. उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए. इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है.'

मुल्डर ने लारा का रिकॉर्ड तोड़ने से पहले घोषित की पारी : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली. उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे. उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए. आईसीसी ने कहा, 'मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया तथा 15.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें पहले टेस्ट में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं.'

आईसीसी ने की स्टोक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन की तारीफ : आईसीसी ने भारत के खिलाफ स्टोक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, 'उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए और 26.33 की औसत से 12 विकेट लिए.

डब्ल्यूडब्ल्यूई जॉन सीना को इस बात का जिंदगी भर रहेगा मलाल

दुनिया जीतकर भी 'कंगाल' महसूस कर रहा होगा रेसलर!

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जॉन सीना ... एक ऐसा नाम जिसने डब्ल्यूडब्ल्यूई को पूरी दुनिया में बड़ा बनाने का काम किया है. उन्हें हर एक रेसलिंग फैन जानता है. बता दें कि अपने 23 साल लंबे करियर में जॉन सीना ने कई खिताब जीते, लेकिन एक खिताब फिर भी ऐसा रह गया, जिसे वह जीत नहीं सके. यह है इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप. इस वजह से, वह डब्ल्यूडब्ल्यूई के उन कुछ खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने ग्रैंड स्लैम नहीं जीता है.

ग्रैंड स्लैम जीतने के लिए ये खिताब जरूरी : रेसलमेनिया 41 में अपना 17वां चैंपियनशिप खिताब जीतने के बाद, सीना अब ग्रैंड स्लैम

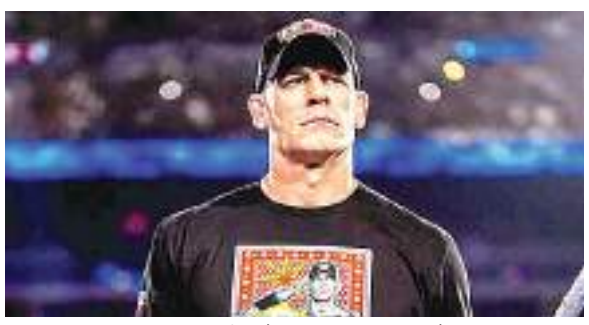

खिताब भी जीतना चाहते हैं. डब्ल्यूडब्ल्यूई में ग्रैंड स्लैम चैंपियनशिप एक सम्मान है. यह उन रेसलर्स को दिया जाता है जिन्होंने अपने करियर में कम से कम चार खास खिताब जीते हों. ग्रैंड स्लैम जीतने के लिए, एक पहलवान को ट्रिपल क्राउन चैंपियनशिप जीतनी होती है. ट्रिपल क्राउन जीतने के लिए तीन खिताब जीतने जरूरी हैं. लेकिन, सिर्फ डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप जीतने से ही ट्रिपल क्राउन खिताब मिलता है.

ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनने के लिए जीतने होंगे ये खिताब : फैंस चाहते हैं कि सीना का रिटायरमेंट ग्रैंड स्लैम जीतकर हो. हाल ही में समरस्लैम में कोडी रोड्स से वह डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप हार गए थे. जॉन सीना को ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनने के लिए क्या चाहिए? आज के नियमों के अनुसार, डब्ल्यूडब्ल्यूई के पहलवान के पास ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनने के लिए ये खिताब होने चाहिए.

डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप या यूनिवर्सल चैंपियनशिप में से कोई एक : वर्ल्ड टैग टीम चैंपियनशिप या डब्ल्यूडब्ल्यूई टैग टीम चैंपियनशिप में से कोई एक

इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियनशिप जॉन सीना 23 साल के करियर में इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप को छोड़ कर बाकी सभी खिताब जीत चुके हैं. हैरानी की बात है कि सीना ने कभी भी लाइव टेलीविजन पर इस खिताब के लिए मुकाबला नहीं किया है. इसलिए फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि उनके रिटायरमेंट के इस आखिरी दौर में सीना अपना यह अधूरा सपना पूरा करेंगे. क्या जॉन सीना इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और ग्रैंड स्लैम खिताब जीत पाएंगे? यह एक बड़ा सवाल है. सीना ने अपने करियर में कई बड़े रिकॉर्ड बनाए हैं. उनके फैंस चाहते हैं कि वह यह आखिरी खिताब भी जीत लें. अगर सीना इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप जीत जाते हैं, तो यह उनके करियर का सबसे यादगार पल होगा.

नहीं होगा भारत- पाक का मैच, एशिया कप से हटी पाक हॉकी टीम, इंडिया ने दूसरे देश को भेजा न्योता

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप हॉकी का आयोजन 27 अगस्त से 7 सितंबर के बीच बिहार के राजगीर में होगा, जिसमें भारत-पाकिस्तान समेत 8 टीमें शामिल हैं. लेकिन अब खबर है कि पाकिस्तान हॉकी टीम ने भारत आने से मना कर दिया है, जिसके बाद हॉकी इंडिया ने दूसरे देश को न्यौता भेज दिया है. बता दें कि जो भी टीम एशिया कप जीतेगी, वो नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई करेगी. पहलगाम हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच दूरियां और ज्यादा बढ़ी है, इसका असर हर क्षेत्र की तरह खेल जगत पर भी पड़ा है. भारत की क्रिकेट टीम भी कई टूर्नामेंट में पाकिस्तान खेलने नहीं गई है, जिसके बाद भारत बनाम पाकिस्तान मैच को न्यूट्रल वेन्यू पर कराया गया. अभी क्रिकेट एशिया कप का भी आयोजन होने वाला है, इसे यूएई में इसी वजह से शिफ्ट किया गया. हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने 'द हिंदू' को बताया, ₹भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाड़ियों को वीजा देने के लिए तैयार थी, लेकिन सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने भारत आने से मना कर दिया.

एशिया कप 2025 में कौन सी टीमें खेलेंगी?

भारत, चीन, जापान, मलेशिया, साउथ कोरिया, पाकिस्तान (टूर्नामेंट से नाम वापस लेने की खबर है), ओमान, चीनी ताइपे.

हॉकी एशिया कप जीतने वाली करेगी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई : बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप टूर्नामेंट की विजेता टीम 2026 एफआईएच वर्ल्ड कप में क्वालीफाई कर जाएगी. जबकि इसके बाद टॉप 5 टीमें 2026 वर्ल्ड कप क्वालीफायर में खेलेंगी.

बांग्लादेश को न्यौता :

पाकिस्तान के एशिया कप से हटने के बाद हॉकी इंडिया ने बांग्लादेश को न्यौता भेजा है. अधिकारी ने 'द हिंदू' को बताया, ₹पीएचएफ (पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन) ने बुधवार को एशियाई हॉकी महासंघ को एक पत्र लिखकर कहा है कि सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान टीम एशिया कप में हिस्सा नहीं ले पाएगी. हमने अब बांग्लादेश को आमंत्रित किया है.

ब्रीफ न्यूज

बिजली गिरने से दो मवेशी की मौत

चतरा। चतरा जिले के प्रतापपुर प्रखंड के भरही पंचायत के जाफरडीह गांव में एक दर्दनाक घटना में वज्रपात (आकाशीय बिजली) गिरने से एक जर्सी गाय और उसके बछड़े की मौत हो गई. गनीमत रही कि आसपास मौजूद अन्य ग्रामीण बाल-बाल बच गए. यह घटना उस समय हुई जब हल्की बूंदा-बांदी के बाद अचानक तेज वज्रपात हुआ. पीड़ित पशुपालक जगलाल दास ने बताया कि उनकी दुधारू गाय और उसका बछड़ा घर के पास ही बंधे थे, जो सीधे वज्रपात की चपेट में आ गए. इस घटना से जगलाल दास को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है. उन्होंने बताया कि उनकी गाय प्रतिदिन 6 लीटर दूध देती थी और यही उनके परिवार के छोटेदूधमुंहे बच्चों का मुख्य साधन थी.

स्मार्ट मीटर से अधिक बिल पर ग्रामीणों का विरोध

जयनगर (कोडरमा)। परसाबाद में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली बिलों में अनियमित और अत्यधिक वृद्धि को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. इसी समस्या को लेकर गुरुवार को विधायक अमित कुमार यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त ऋतुराज से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा. ग्रामीणों ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से उनके बिजली बिल उनकी वास्तविक खपत से कहीं अधिक आ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ता आर्थिक रूप से परेशान हैं. विधायक ने इसे गंभीर समस्या बताते हुए डीसी से अविलंब जांच कराने की मांग की. उन्होंने कहा कि केवल मीटर को स्मार्ट बना देने से पूरा सिस्टम स्मार्ट नहीं हो जाता. अगर सच में व्यवस्था को स्मार्ट बनाना है तो नियमित बिजली आपूर्ति, ट्रांसफार्मर की स्थिति सुधारना, जर्जर तारों को बदलना जरूरी है. डीसी ऋतुराज ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि इस मामले पर पहले से ही कार्रवाई हो रही है और 12 अगस्त तक समाधान कर दिया जाएगा. उन्होंने विद्युत विभाग को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. ग्रामीणों ने डीसी के जवाब पर संतोष जताया, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर समय पर समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करेंगे.

कोडरमा में टीबी फोरम की बैठक आयोजित

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में टीबी फोरम की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में 'टीबी मुक्त भारत अभियान' के तहत जिला स्तर पर चल रहे प्रयासों की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा अभियान को और प्रभावी बनाने हेतु विभिन्न रणनीतियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई. उपायुक्त ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी जांच की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. साथ ही, असुरक्षित समूहों की पहचान कर उनकी सूची प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर जिला यक्ष्मा पदाधिकारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया. बैठक में डीवीसी केटीपीएस के प्रतिनिधि ने टीबी मरीजों को गोद लेने की सहमति दी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराने की बात कही, ताकि स्थानीय स्तर पर निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके.

गुलटन भुइयां का शव पेड़ से लटका मिला, चार दिन से था लापता

कटकमसांडी (हजारीबाग)। प्रखंड के ग्राम पंचायत बाझा अंतर्गत गुलटन भुइयां (उम्र लगभग 25 वर्ष), पिता नेमन भुइयां, बीते चार दिनों से अपने घर से लापता था. परिजनों द्वारा लगातार खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया था. आज सुबह गांव से कुछ दूरी पर स्थित सखुआ के पेड़ से उनका शव फांसी के फंदे से लटका मिला. शव की स्थिति देखकर गांव में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना तत्काल कटकमसांडी थाना को दी गई, जिसके बाद कटकमसांडी थाना प्रभारी शिवम कुमार गुप्ता अपने दल बल के साथ घटना स्थान पे मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखरी मेडिकल कॉलेज, हजारीबाग भेज दिया. थाना प्रभारी के पूछे जाने पर बताया कि पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी.

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने की केंद्रीय मंत्री से मुलाकात

पीएम आवास योजना को लेकर की विस्तृत चर्चा

शुभम संदेश। हजारीबाग

हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने हजारीबाग शहरी क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याओं और योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की. सांसद जायसवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की प्रगति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि योजना की रफ्तार बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि हजारीबाग के पात्र लाभार्थियों को शीघ्र आवास उपलब्ध कराए जा सकें. उन्होंने बताया कि कई जरूरतमंद परिवार अभी भी इस योजना से लाभान्वित नहीं हो पाए हैं, जिससे योजना की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगता है. उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि संबंधित विभागों को निर्देशित किया जाए जिससे योजना का त्वरित क्रियान्वयन हो. इसके साथ ही सांसद जायसवाल ने हजारीबाग शहरी क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था की खस्ताहाली का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया. उन्होंने बताया कि शिवपुरी, रामनगर, खिरगांव और आनंद चौक से खिरगांव तक बहने वाले नालों के पक्कीकरण और व्यवस्थित जल निकासी की सख्त जरूरत है. वर्तमान में इन क्षेत्रों में बरसात के मौसम में जलजमाव, गंदगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम हो जाती हैं. सांसद ने यह भी कहा कि नालों के पक्कीकरण से शहरी इलाकों में साफ-सफाई और नागरिक जीवन स्तर में सुधार आएगा. केंद्रीय मंत्री ने सांसद की मांगों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मंगवाने का आश्वासन दिया.

कोटपा कानून के अनुपालन पर दिया गया जोर

- तम्बाकू नियंत्रण को लेकर कोडरमा में बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

शुभम संदेश। कोडरमा

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति की बैठक सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला का उद्देश्य जिले में तम्बाकू नियंत्रण कानून ₹कोटपा-2003₹ एवं इसके ₹झारखण्ड संशोधन अधिनियम, 2021₹ के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था. कार्यशाला की शुरुआत जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी सह जिला नोडल पदाधिकारी, कोडरमा द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत कर की गई. उन्होंने तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति और जिले में किये जा रहे प्रयासों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी.उपायुक्त ऋतुराज ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी होटल, रेस्टोरेंट व सार्वजनिक स्थानों में 'गैर धूम्रपान क्षेत्र' का बोर्ड लगाना अनिवार्य है. यदि ऐसा नहीं किया गया तो संबंधित होटल मालिक या दुकानदार पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है. इसके अतिरिक्त, खुले में सिगरेट बेचना भी कानूनन अपराध है,

जिसके लिए 1000 रुपये तक का जुर्माना निर्धारित किया गया है. जिला परामर्शी दीपेश कुमार ने बताया कि कोटपा संशोधन अधिनियम के अनुसार अब सरकारी कार्यालय, स्कूल, कोर्ट और अस्पताल के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का तम्बाकू सेवन या थूकना प्रतिबंधित है, और इसका उल्लंघन करने पर 1000 रुपये जुर्माना लगाया जा सकता है. बैठक में सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक, नगर प्रशासक झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा के प्रशासक, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, औषधि निरीक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. कार्यशाला के माध्यम से अधिकारियों को कोटपा कानून की धाराओं और हालिया संशोधनों के अनुपालन को लेकर प्रशिक्षित किया गया, ताकि जिले में तम्बाकू नियंत्रण को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके.

विभावि सीएनडी विभाग में स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) के सीएनडी विभाग में गुरुवार को विश्व स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त) के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. उन्होंने 'फोटोबूथ सेल्फी प्वाइंट' का अनावरण किया और स्तनपान को शिशु विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया.कार्यक्रम की शुरुआत सीएनडी विभाग के निदेशक डॉ. मनोज कुमार द्वारा की गई, जिन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए 'कोलेस्ट्रम' यानी मां के पहले दूध की वैज्ञानिक महत्ता पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि यह नवजात के लिए पहली प्राकृतिक सुरक्षा कवच है.वहीं, कुलसचिव डॉ. सादीक रज़्ज़ाक़ ने स्तनपान के वैज्ञानिक और पोषण संबंधी महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि माताओं को इससे जुड़ी जागरूकता देना समय की मांग है.कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति के रूप में सेमेस्टर-2 की छात्राओं ने एक प्रभावशाली लघु नाटिका के माध्यम से स्तनपान से जुड़े सामाजिक मिथकों को चुनौती दी. छात्राओं की प्रस्तुति को उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा.कार्यक्रम में विभावि के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए. सभी ने स्तनपान को लेकर समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया. कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना था.

उपायुक्त ने की स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा बैठक

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक की शुरुआत पूर्व में लिए गए निर्णयों की प्रगति से हुई. प्रमुख योजनाएं जैसे अनीमिया मुक्त भारत, राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम, जननी शिशु सुरक्षा योजना, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, लिंगानुपात, और परिवार नियोजन आदि की बिंदुवार समीक्षा की गई. उपायुक्त ने अनीमिया मुक्त भारत अभियान की स्थिति को असंतोषजनक बताते हुए प्रखंडवार आईएफए गोली वितरण में सुधार के निर्देश दिए. स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण देने और लाभार्थियों तक समय पर गोली वितरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया. राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यालयों में बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य किया गया. चिकित्सकों की रूटीन बनाकर कार्यक्रम की निगरानी के निर्देश दिए गए. उपायुक्त ने सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी सुविधाएं मजबूत करने के निर्देश दिए. एक मॉडल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और आरोग्य मंदिर विकसित किए जाएंगे.

गिरिडीह रोड में 'अनमोल मोबाइल' का भव्य उद्घाटन

डोमचांच (कोडरमा)। नगर पंचायत अंतर्गत गिरिडीह रोड में गुरुवार को मोबाइल की नई दुकान 'अनमोल मोबाइल' का उद्घाटन समाजसेवी एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश महासचिव रोहित मेहता ने फीता काटकर किया. इस अवसर पर उन्होंने व्यापार में उन्नति की शुभकामनाएं दीं. दुकान के प्रोपराइटर सोनू कुमार एवं कुलदीप कुमार ने बताया कि अनमोल मोबाइल में सभी ब्रांड्स के स्मार्टफोन उचित दामों पर उपलब्ध हैं. ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए उद्घाटन के अवसर पर विशेष ऑफर भी दिए जा रहे हैं. प्रत्येक खरीदे गए मोबाइल पर एक चांदी का सिक्का उपहार स्वरूप दिया जा रहा है, वहीं सैमसंग एस23 अल्ट्रा की खरीद पर विशेष रूप से चांदी के दो सिक्के मिल रहे हैं. दुकान में मोबाइल से संबंधित सभी आवश्यक एसेसरीज़ जैसे चार्जर, हेडफोन, कवर, स्क्रीन गार्ड आदि भी उपलब्ध हैं. उद्घाटन समारोह में संजय मेहता, मनोज रजक, प्रदीप यादव, नीतीश कुमार, भीम सिंह, अशोक मेहता, किशोर मेहता, टिंकू मेहता आदि मौजूद थे.

चतरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

- लूट और अफीम तस्करी के छह आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे गए

विनोद यादव। चतरा

चतरा पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए लूट के तीन आरोपियों और अवैध अफीम तस्करी में शामिल तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. इस संबंध में चतरा के एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि ये दोनों मामले जिले के वशिष्ठनगर और सदर थाना क्षेत्रों से संबंधित हैं. पहले मामले में वशिष्ठनगर थाना अंतर्गत पाखा नाला के पास छापेमारी कर पुलिस ने 1.076 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया. इस कार्रवाई का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा संदीप कुमार ने किया. गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान महेंद्र कुमार यादव (ग्राम कुरसाले, थाना बशिष्ठनगर), दिनेश कुमार यादव और सत्येंद्र कुमार यादव (दोनों ग्राम राजगुरुआ, थाना सदर) के रूप में हुई है. इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. दूसरे मामले में लूट और मारपीट के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इस कार्रवाई का नेतृत्व सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम खंडेलवाल ने किया. गिरफ्तार आरोपियों में जय कुमार उर्फ जय कुमार तिवारी, अमित कुमार और रंजन कुमार (सभी ग्राम देवरिया, थाना सदर) शामिल हैं. इनके पास से 21,000 रुपये नकद, सात मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल और एक चाकू बरामद किया गया.

राजू विश्वकर्मा बने झारखंड पेंशनर समाज के अध्यक्ष

शुभम संदेश। हजारीबाग

झारखंड पेंशनर समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक हजारीबाग प्रेस क्लब में आयोजित की गई, जिसमें संगठन की आंतरिक स्थिति और हाल ही में हुए विवादों को लेकर गंभीर चर्चा की गई. दरअसल, यह बैठक पहले समाज के निर्धारित कार्यालय में आहूत की गई थी, लेकिन वहां ताला बदलकर नया ताला लगा दिए जाने के कारण प्रेस क्लब में स्थानांतरित कर बैठक संपन्न हुई. बैठक में पूर्व में 26 जुलाई को हुए सचिव एवं कोषाध्यक्ष के चुनाव का विरोध किया गया और इसे असंवैधानिक करार देते हुए सर्वसम्मति से नई समिति के गठन का निर्णय लिया गया. नई समिति में राजु विश्वकर्मा को अध्यक्ष, अजय कुमार को सचिव और मिथिलेश कुमार को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया. सभी सदस्यों ने एकमत होकर इन नामों पर सहमति जताई. बैठक में अर्जुन प्रसाद, अजय कुमार, सुरेश राम, एम. अहमद, सिता राम बेदिया, राजेश्वर वर्मा, सुखदेव प्रजापति, मिथिलेश कुमार कर्ण सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे. सदस्यों ने आशा जताई कि नई समिति पारदर्शिता और सेवा भावना के साथ पेंशनरों के हित में कार्य करेगी. साथ ही, संगठन में व्याप्त गतिरोध और आंतरिक कलह को समाप्त करने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया गया.

विधायक ने किया पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

शुभम संदेश। हजारीबाग

केरेडारी प्रखंड अंतर्गत बरियातू पंचायत में गुरुवार को विधायक रोशन लाल चौधरी ने डीएमएफटी (जिला खनिज न्यास निधि) फंड से बनने वाली पीसीसी सड़क, गार्डवाल और छोटे पुलिया निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया. यह निर्माण कार्य ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा कराया जाएगा. इस परियोजना के अंतर्गत ग्राम बरियातू में बुधन साव के आवास से लेकर कर्बला श्मशान घाट तक मजबूत पीसीसी सड़क बनाई जाएगी. साथ ही रास्ते में गार्डवाल एवं एक छोटा पुलिया भी निर्मित किया जाएगा, जिससे बरसात में जलजमाव की समस्या से राहत मिलेगी. विधायक रोशन लाल चौधरी ने मौके पर कहा कि इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और प्रखंड से जिला मुख्यालय तक संपर्क मार्ग सुगम हो जाएगा. उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है. इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही. कार्यक्रम में नरेश महतो, उपेंद्र सिंह, शेर सिंह, कर्मचारी साव, अमित गुप्ता, चंद्रिका रजक, नारायण यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे. सभी ने इस पहल का स्वागत किया और विधायक के प्रति आभार जताया.

पेज-3 का शेष

प्रयागराज में एसटीएफ से मुठभेड़....

ये सभी एक ही गिरोह के सदस्य थे. हालांकि, बाद में अमन सिंह ने अपना खुद का वर्चस्व स्थापित कर लिया था, जिससे उसके और उसके साथियों के बीच विवाद बढ़ गया था.

गैंगवार का मास्टरमाइंड, धनबाद में था खौफ : धनबाद में छोटू सिंह का नाम आपराधिक दुनिया में बड़े डर और खौफ से लिया जाता था. उसने कई गैंगवार को अंजाम दिया और स्थानीय कारोबारियों से जबरन वसूली कर आतंक मचा रखा था. उसके खिलाफ झारखंड के कई जिलों में गिरफ्तारी वारंट जारी थे.

बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था : मुठभेड़ के बाद आशीष के पास से एक एके-47 और 9 एमएम की पिस्तौल समेत कई हथियार बरामद किए गए हैं. आशीष रंजन सिंह उर्फ छोटू, जो मूल रूप से धनबाद के जेसी मलिक रोड का रहने वाला था, अपने एक साथी के साथ मिलकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था. एसटीएफ को मिली सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर जेपी राय ने अपनी टीम के साथ शंकरगढ़ पहुंच कर घेराबंदी की. जब टीम ने आशीष को पकड़ने की कोशिश की, तो उसने एके-47 और पिस्टल से उन पर फायरिंग कर दी. जवाबी कार्रवाई में आशीष गोली लगने से घायल हो गया. उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

आशीष रंजन के खिलाफ धनबाद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में रंगदारी, बमबाजी, हत्या समेत जानलेवा हमले के मामले दर्ज हैं. गैंगस्टर अमन सिंह की तीन दिसंबर 2023 को धनबाद जेल में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह ने सोशल मीडिया पर ऑडियो वायरल कर अमन की हत्या की जिम्मेदारी ली थी. बाइक चोरी के आरोप में जेल में बंद सुंदर उर्फ रितेश यादव ने तीन दिसंबर 2023 को अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी. उसकी हत्या का मास्टरमाइंड आशीष रंजन था. आशीष रंजन के इशारे पर ही अमन सिंह की हत्या की गई थी. वहीं सरायढेला के जमीन कारोबारी समीर मंडल की हत्या हुई थी. जिसमें आशीष पहली बार जेल गया था. 12 मई 2021 को सरफुल हसन उर्फ लाला की हत्या में भी उसका नाम आया था.

जीएसटी घोटाले मामले में अमित अग्रवाल....

घोटाले के आरोप : ईडी की जांच में अमित अग्रवाल पर करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी और हवाला लेन-देन के जरिए काले धन को सफेद करने के गंभीर आरोप हैं. सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी का मानना है कि अमित अग्रवाल ने फर्जी बिलिंग और शेल कंपनियों के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दुरुपयोग किया. अमित अग्रवाल के मकान और दुकान पर हुई ईडी की छापेमारी जीएसटी गड़बड़ी से संबंधित है. कुछ दिन पहले, यानी 22 जुलाई को, जीएसटी डीजीजीआई की टीम ने धनबाद में आठ फर्जी कंपनियों का खुलासा किया था. इन कंपनियों के माध्यम से करीब 30 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट को गलत तरीके से लेने का मामला सामने आया था. इस मामले में हीरापुर के अवनीश जायसवाल और मटकुरिया के फैजल खान को भी गिरफ्तार किया गया था. **दुकान के कर्मियों से भी पूछताछ:** ईडी की छापेमारी के बाद अमित अग्रवाल की जगदंबा फर्नीचर दुकान को खुलवाया गया. दुकान के कर्मियों से मामले को लेकर पूछताछ की गई. दुकान से भी कई दस्तावेज जब्त किए गए. इसके अलावा, बस्ताकोला स्थित अमित अग्रवाल की फर्नीचर दुकान में भी छानबीन की गई.

नीरज हत्याकांड : दो एजेंसी की जांच के बाद...

इस बाबत उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दायर कई निर्णयों का भी हवाला दिया. उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला परिस्थिति जन साक्ष्य का है , उन्होंने कहा कि घटना स्थल पर न तो आदित्य राज,न ही एकलव्य सिंह और न ही अभिषेक सिंह थे क्योंकि अगर वो तीनों रहते तो आदित्य राज के कपड़े में भी खून नहीं था। एकलव्य सिंह, अभिषेक सिंह के भी कपड़े में खून के दाग नहीं मिले एकलव्य की गाड़ी में ही खून नहीं लगा मिला. अगर वह मौके पर होते और वो मृतकों के शव गाडी में ले गए होते तो उनके कपड़े पर भी खून का दाग जरूर मिलता. अदालत ने बचाव पक्ष को बहस करने के लिए पुनः 8 अगस्त की तारीख निर्धारित की है.

शहर में कहीं भी न हो जल संकट...

किसी भी प्रकार की अनियमितता को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए. नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि जल की बर्बादी रोकने के लिए ऊंचे जलाशयों की अतिप्रवाह लाइनों को मुख्य वितरण पाइपलाइनों से जोड़ा जाए.

इसके लिए विस्तृत तकनीकी अनुमान को प्राथमिकता के आधार पर तैयार किया जाए. एल एंड टी और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को संयुक्त रूप से निर्देश दिया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप मैथन योजना की कच्चे जल आपूर्ति पाइपलाइन में होने वाले सभी रिसावों को शीघ्र बंद किया जाए। इससे जल संरक्षण और वितरण दक्षता में सुधार होगा. कार्यपालक अभियंता ने बताया कि मटकुरिया क्षेत्र के लिए पृथक जलापूर्ति लाइन बिछाई जाएगी, जिससे भविष्य में उत्पन्न होने वाली जल संकट की समस्याओं का स्थायी समाधान हो सकेगा. नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि रेलवे जलापूर्ति लाइन का पुनर्रूपांकन इस प्रकार किया जाए कि नियंत्रण वाल्व पाइपलाइन के ऊपरी गोलार्ध में स्थापित हों. इससे जल नियंत्रण और रखरखाव में सुगमता होगी. आम जनता से आग्रह किया गया कि वे जल का विवेकपूर्ण उपयोग करें और आपूर्ति संबंधी समस्याओं की सूचना शीघ्र संबंधित विभागों को दें। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संबंधित एजेंसियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

भटबिगहा विद्यालय में 441 विद्यार्थियों को मिली कॉपियां

चौपारण (हजारीबाग)। गोबिंदपुर पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय भटबिगहा में अध्ययनरत 441 छात्र-छात्राओं को अध्ययन सामग्री के रूप में निशुल्क कॉपियां वितरित की गईं. इस पहल से विद्यार्थियों के पठन-पाठन में सहूलियत मिलेगी और उनकी पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी. विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा के अनुसार विद्यार्थियों को कॉपियां प्रदान की गईं. कक्षा 1 और 2 के बच्चों को 3-3 कॉपियां, कक्षा 3, 4 और 5 के बच्चों को 5-5 कॉपियां तथा कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों को 10-10 कॉपियां दी गईं. उन्होंने बताया कि यह वितरण बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि उन्हें पढ़ाई में किसी प्रकार की सामग्री संबंधी कठिनाई न हो.

शोक शिबू सोरेन के निधन से राज्य भर में शोक की लहर, जगह-जगह श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

हजारीबाग से नेमरा पहुंच कर दी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। हजारीबाग

झारखंड आंदोलन के पुरोधा, झारखंड के तीन बार मुख्यमंत्री और जनजातीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरा रहे शिबू सोरेन उर्फ 'दिशोम गुरु' के निधन से झारखंड शोक की लहर में डूब गया है. उनके निधन को प्रदेश की राजनीति, आदिवासी समाज और झारखंड आंदोलन के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है. गुरुजी के पैतृक गांव नेमरा में आयोजित अंतिम संस्कार कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता और समाजसेवी रामा सोनी भी शामिल हुए. नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा "मैं गुरुजी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं. उनके पार्थिव शरीर के दर्शन और चरण स्पर्श करके मेरा हृदय, मन और आत्मा भावविभोर हो उठा. वह सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि एक आंदोलनकारी, एक जननायक और आदिवासी समाज की चेतना के प्रतीक थे."गुरुजी का संघर्ष बना रहेगा प्रेरणारामा सोनी ने कहा कि शिबू सोरेन का पूरा जीवन संघर्ष, सादगी और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित था. झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने में उनका योगदान अतुलनीय रहा. आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब भी उनका संघर्षपूर्ण जीवन और सिद्धांत आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देता रहेगा।उन्होंने कहा कि "गुरुजी के विचारों को सहेजना और उनके अधूरे सपनों को पूरा करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी. उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि अन्याय के खिलाफ खड़ा होना, जनहित में बोलना और समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए काम करना ही सच्ची राजनीति है."गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए नेमरा गांव में हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी. दूर-दराज के गांवों से, विभिन्न जनजातीय समुदायों से और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने अंतिम यात्रा में भाग लिया. ऐसा दृश्य देखने को मिला, जो यह दर्शाता है कि शिबू सोरेन न केवल एक नेता बल्कि जन-जन के दिलों में बसने वाले 'मसीहा' थे. इस अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री और शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, पुत्र बसंत सोरेन सहित परिवार के सभी सदस्य के साथ साथ लाखों की संख्या में झारखंड, बिहार , बंगाल, ओड़िशा से आए कई लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने भी पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि "गुरुजी का जाना सिर्फ एक पारिवारिक नुकसान नहीं, बल्कि पूरे झारखंड की आत्मा का टूट जाना है। हम उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं."झामुमो नेता रामा सोनी ने यह भी कहा कि शिबू सोरेन ने समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य किया. चाहे आदिवासी हों, दलित हों, किसान हों या मजदूर-गुरुजी ने सभी की आवाज को मुखर किया.

विहिप के स्थापना दिवस पर पलामू में तीन सौ स्थानों पर होंगे समारोह

मेदिनीनगर/ हजारीबाग । विश्व हिंदू परिषद के पलामू जिला कार्यालय में प्रांत के अधिकारियों ने आगामी कार्यक्रमों के तैयारियों की समीक्षा की. प्रांत से विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री देवी सिंह और प्रांत सह मंत्री तथा बजरंग दल के प्रान्त संयोजक रंगनाथ महतो ने जिला टोली के साथ बैठक कर आगामी कार्यक्रमों, अखंड भारत संकल्प दिवस, स्थापना दिवस, संगठन के विस्तारीकरण व दुर्गाष्टमी पर विस्तार से विमर्श किया. प्रांत संगठन मंत्री ने अभी तक की तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि परिषद स्थापना दिवस जिला मुख्यालय, सभी प्रखंड मुख्यालय और सभी पंचायत मुख्यालय में अनिवार्य रूप से आयोजित किया जाए. बजरंग दल प्रांत संयोजक ने अखंड भारत संकल्प दिवस सह विभाजन विभीषिका दिवस जिला मुख्यालय और प्रत्येक प्रखंड में आयोजित करने के आवश्यकता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला. जिला समिति ने बताया कि पलामू में 300 से ज्यादा स्थानों पर विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस समारोह आयोजित करने की योजना बनाई गई है. साथ ही अखंड भारत संकल्प दिवस, संगठन विस्तार और दुर्गाष्टमी कार्यक्रम की तैयारी भी चल रही है.

न्यूज अपडेट

मंदसौर और आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए गए भूकंप के झटके

मंदसौर । मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में पिपलियामंडी और मल्हारगढ़ क्षेत्र के आसपास गुरुवार सुबह सुबह 10:07 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए. रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.9 मापी गई, जबकि भूकंप का केंद्र प्रतापगढ़ में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी) ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी साझा की है. मंदसौर में जिले के पिपलियामंडी नगर, रेवास देवड़ा, अमरपुरा, मल्हारगढ़, कनघट्टी, फोफालिया, बोरी, कुलमीपुरा और दमाखेड़ी गांवों में गुरुवार सुबह लोगों ने भूकंप के हल्के झटके किए गए. ये झटके कुछ सेकंड तक रहे.

ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख साइमन स्टुअर्ट इस महीने आएंगे भारत

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट 10 से 14 अगस्त तक चार दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे. इस दौरान वे भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय चर्चा करेंगे. उनकी भारत यात्रा को दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने, संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण और रक्षा उद्योग में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट की यह यात्रा भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के मात्र चार महीने बाद हो रही है, जहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स एडमिरल डेविड जॉनस्टन और चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के साथ उच्च स्तरीय बैठकें की थीं.

संसद के दोनों सदनों में भारी हंगामा लोस- रास की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली । बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण मामले पर गुरुवार को संसद के दोनों सदनों में काफी हंगामा हुआ, जिससे लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई. राज्यसभा में गुरुवार को कार्यवाही शुरू होते ही उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक कागजात और रिपोर्ट सदन के पटल पर रखवाए. कार्यवाही को आगे ले जाते हुए उप सभापति ने कहा कि आज उन्हें 25 नोटिस मिले हैं. नियमों के अनुरूप न होने के कारण विपक्षी सदस्यों के सभी स्थगन प्रस्ताव नोटिसों को खारिज कर दिया गया है. जिसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया. उप सभापति ने सभी सदस्यों से सदन की कार्यवाही शांतिपूर्वक चलने देने का अनुरोध किया.

यूनुस ने कहा-अब बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव कराना ही मुख्य प्राथमिकता

ढाका । अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को कहा कि अब बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराना मुख्य प्राथमिकता है. वह आज दूसरी बार सचिवालय पहुंचे और कैबिनेट डिवीजन के नवनिर्मित भवन संख्या 1 में सलाहकार परिषद की साप्ताहिक बैठक की अध्यक्षता की. यह पहली बार है, जब किसी सरकार के प्रमुख ने इस नए सुविधा केंद्र में बैठक की अध्यक्षता की. ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने सचिवालय में सलाहकार परिषद की बैठक के बाद कहा, 05 अगस्त को पहले अध्याय का अंत हो गया.

अमेरिका के दिग्गज संगीतकार एडी पाल्मिएरी का 88 साल में निधन

वाशिंगटन । अमेरिका के न्यूयॉर्क में साल्सा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले 20वीं सदी के महान संगीतगार एडी पाल्मिएरी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया. 88 वर्षीय पाल्मिएरी ने बुधवार को न्यू जर्सी के हैकेनसैक स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली. उनकी सबसे छोटी बेटी गैब्रिएला ने उनके निधन की पुष्टि की. पियानोवादक और बैंड लीडर पाल्मिएरी का सर्वाधिक योगदान अफ्रीकी-कैरेबियाई संगीत के साल्सा में है. जीवंत नृत्य शैली से भरपूर साल्सा को लयबद्ध और जोशीला संगीत माना जाता है. द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, एडी ने 1961 में पहला आठ सदस्यों वाला 'ला परफेक्टा' बैंड स्थापित किया. उन्होंने इसके माध्यम से लैटिन संगीत में कई शैलीगत बदलाव किए.

शांति वार्ता से पहले पुतिन से मिले विटकॉफ, मॉस्को में मुलाकात की

नयी दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बुधवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मॉस्को में मुलाकात की. ये मुलाकात उस समय हुई जब रूस को यूक्रेन के साथ शांति वार्ता करने के लिए दी गई समय सीमा लगभग खत्म होने वाली है. अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका रूस पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगा सकता है, जिससे रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भी असर पड़ सकता है. इस बीच, खबर है कि डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति पुतिन से अगले हफ्ते व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर सकते हैं. क्रेमलिन ने बताया कि यह मुलाकात करीब तीन घंटे तक चली. पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि यह बातचीत उपयोगी और सकारात्मक रही.

धराली आपदा : हर्षिल व गंगोत्री क्षेत्र से 274 यात्रियों का रेस्क्यू

- गुजरात के 131 और महाराष्ट्र के 123, मध्य प्रदेश के 21, उत्तर प्रदेश के 12, राजस्थान के 6, दिल्ली के 7, असम के 5, कर्नाटक के 5, तेलंगाना के 3 और पंजाब का एक यात्री शामिल हैं.

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तीव्र और सुरक्षित रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. चिनूक हेलीकॉप्टर के आज उड़ान भरने से रेस्क्यू कार्य में तेजी आई है. अब तक 274 लोगों को रेस्क्यू कर गंगोत्री क्षेत्र से हर्षिल लाया गया है. आपदा प्रबंधन के सचिव विनोद सुमन के मुताबिक अब तक 274 लोगों को गंगोत्री और आसपास के क्षेत्रों से हर्षिल लाया गया है. इनमें विभिन्न राज्यों से आए हुए तीर्थयात्री भी शामिल हैं. इनमें गुजरात के 131 और महाराष्ट्र के 123, मध्य प्रदेश के 21, उत्तर प्रदेश के 12, राजस्थान के 6, दिल्ली के 7, असम के 5, कर्नाटक के 5, तेलंगाना के 3 और पंजाब का एक यात्री शामिल हैं. इन सभी यात्रियों को हर्षिल से उत्तरकाशी और देहरादून लाने की प्रक्रिया निरंतर जारी है. इसके अतिरिक्त आज तक 135 लोगों को सुरक्षित रूप से हर्षिल से बाहर निकाला गया, जिसमें से एक सौ लोगों को उत्तरकाशी पहुंचाया गया है और 35 लोगों को देहरादून सुरक्षित भेजा गया है. उन्होंने बताया कि मौसम साफ होते ही आज चिनूक हेलीकॉप्टर ने हर्षिल में लैंड किया है. इसमें एनडीआरएफ के जवान, एनडीआरएफ के उपकरण व अन्य आवश्यक सामग्री भेजी गई हैं. उत्तरकाशी आपदा राहत अभियान के तहत रेस्क्यू किए गए व्यक्तियों को आज हर्षिल से 35 व्यक्तियों को चिनूक हेलीकॉप्टर से जॉलीग्रांट एयरपोर्ट, देहरादून लाया गया.

एयरपोर्ट पर सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है. राज्य सरकार, जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, उत्तराखंड पुलिस, आईटीबीपी, एनडीआरएफ सहित अन्य सभी एजेंसियां पूरी तत्परता के साथ रेस्क्यू एवं राहत कार्यों में जुटी हैं. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और प्रभावितों को हरसंभव मदद पहुंचाने के लिए लगातार निर्देशित कर रहे हैं. मुख्यमंत्री उत्तरकाशी स्थित अस्पताल में भर्ती आपदा प्रभावितों से मिलकर कुशलक्षेम जाना.

चुनाव आयोग पर बरसे अभिषेक बनर्जी

बोले-बंगालियों को वोट देने से रोका जा रहा

एजेंसी । कोलकाता

बिना वेरिफिकेशन सैकड़ो लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का चुनाव आयोग का आदेश तृणमूल नेताओं को नागवार गुजर रहा है. चुनाव आयोग की कार्रवाई को लेकर तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को एक बार फिर तीखा हमला बोला है. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रहा है और बंगाल के मूल बंगालियों को मताधिकार से वंचित करने की कोशिश की जा रही है. कोलकाता एयरपोर्ट पर दिल्ली रवाना होने से पहले मीडिया से बातचीत में अभिषेक ने कहा, ₹आयोग अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम कर रहा है. आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद ही आयोग को प्रशासनिक जिम्मेदारी मिलती है ताकि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी हो सके. लेकिन अब चुनाव से एक-डेढ़ साल पहले ही चुनी हुई सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप किया जा रहा है. उन्होंने दावा किया कि आयोग का यह रुख भाजपा को अतिरिक्त लाभ दिलाने की कोशिश है. उनके मुताबिक, अब बंगाल के वास्तविक बंगालियों को वोट न डालने देने की साजिश हो रही है. यह पूरी तरह चुनाव आयोग की बेशर्मी भरी भूमिका है. आज आयोग का इन मुद्दों पर कोई अधिकार नहीं है. वह केवल सरकार को सूचित कर सकता है. जिस सरकार को 12 करोड़ लोगों ने चुना है, वह केवल जनता के प्रति जवाबदेह है. यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर दो इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (ईआरओ) और दो असिस्टेंट ईआरओ को सस्पेंड करने की सिफारिश चुनाव आयोग ने की है. इस संबंध में आयोग ने सचिवालय को पत्र भी भेजा है, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही साफ कर चुकी हैं कि किसी अधिकारी को सजा नहीं दी जाएगी. अभिषेक ने चुनाव आयोग को संविधान की मर्यादा में रहकर काम करने की भी नसीहत दी. उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, कल देखा गया कि ट्रंप के नाम पर एक रेसिडेंशियल सर्टिफिकेट जारी हुआ है. जब वे बिहार में वोट डालने आएंगे, तब उनसे पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ क्यों लगाया था. गौरतलब है कि बिहार के समस्तीपुर में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा के दौरान 65 लाख लोगों के नाम हटाए गए हैं. ऐसी आशंका है कि अब बंगाल में भी इसी तरह की कार्रवाई हो सकती है. इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस प्रक्रिया का विरोध किया था.

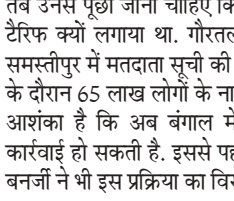

बलूचिस्तान पुलिस ने शिया तीर्थयात्रियों के विरोध मार्च को हब नदी पुल पर रोका

एजेंसी । इस्लामाबाद

बलूचिस्तान में ईरान और इराक की चेहल्लुम तीर्थयात्रा मार्ग के लंबे हिस्से में पाकिस्तान की संघीय सरकार के प्रतिबंध लगाने की मुखालफत शुरू हो गई है. इस प्रतिबंध के विरोध में कराची से शुरू हुए शिया तीर्थयात्रियों के पैदल मार्च को बलूचिस्तान पुलिस ने सिंध-बलूचिस्तान सीमा के पास हब नदी पुल पर ताफ्तान सीमा पर पहुंचने से पहले रोक दिया.

द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बलूचिस्तान पुलिस और आतंकवाद-रोधी बल (एटीएफ) के जवानों ने बलूचिस्तान में प्रवेश के मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है. पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मसले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत चल रही है. इस मार्च का नेतृत्व विभिन्न शिया संगठनों के प्रतिनिधि कर रहे हैं. मार्च में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और युवा शामिल हैं. चेहल्लुम आशूरा के चालीस दिन बाद पड़ता है. चेहल्लुम के लिए इराक के कर्बला में इमाम हुसैन की दरगाह की तीर्थयात्रा में हर साल दुनिया भर से लाखों लोग शामिल होते हैं.

पाकिस्तान से सैकड़ों तीर्थयात्री पारंपरिक रूप से बलूचिस्तान में ताफ्तान सीमा के रास्ते ईरान और फिर इराक जाते हैं. बलूच यकजेहती समिति ने इस प्रतिबंध की निंदा करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन बताया है. संगठन ने कहा कि राज्य का दायित्व है कि वह तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, न कि व्यापक प्रतिबंध लगाए. बीवाईसी ने मार्च को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे एक वैध संवैधानिक और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति बताया है.

बीएलए ने तुर्बत में पाकिस्तान के सैन्य काफिले पर हमले कर दो जवानों को मारने की ली जिम्मेदारी

एजेंसी । इस्लामाबाद

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान के बलूचिस्तान के तुर्बत शहर के पास पाकिस्तान के एक सैन्य काफिले पर हुए बम हमले की जिम्मेदारी ली. बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में उसके लड़ाकों ने पाकिस्तान के दो सैन्य कर्मियों को मौत के घाट उतार दिया. द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने जारी बयान में कहा कि लड़ाकों ने तुर्बत के बाहरी इलाके में गोगदान-सोराप पुल के पास रिमोट-नियंत्रित आईईडी से पाकिस्तान की सेना के तीन वाहनों वाले काफिले को निशाना बनाया. उन्होंने दावा किया कि विस्फोट में दो पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कम से कम चार अन्य घायल हो गए. रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की सैन्य मीडिया शाखा आईएसपीआर ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है. तुर्बत में हुआ यह हमला पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बलूच सशस्त्र समूहों के बड़े अभियान का हिस्सा है. पिछले तीन सप्ताह में दर्जनों सैन्यकर्मी मारे गए हैं. इनमें मेजर रैंक के कई अधिकारी भी शामिल हैं. बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बताया कि 16 जुलाई को मेजर सैयद रबनवाज तारिक अवारन जिले में किए गए उसके हमले में मारे गए. इसकी जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने ली थी. तीन दिन बाद मेजर अनवर काकर क्वेटा के जबल-ए-नूर के पास एक बम विस्फोट में मारे गए. इस विस्फोट को बीएलए के विशेष सामरिक अभियान दस्ते (एसटीओएस) ने अंजाम दिया. इसके अलावा 23 जुलाई को मेजर जैद सलीम मस्तुंग के पहाड़ी क्षेत्र में बीएलए लड़ाकों के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए. हाल ही में 5 अगस्त को मेजर रिजवान नुश्की में सड़क किनारे हुए एक आईईडी विस्फोट में मारे गए. मेजर जैद की हत्या की जिम्मेदारी बीएलए ने ली थी.

लोकसभा से मणिपुर माल और सेवाकर (संशोधन) विधेयक पास

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा ने गुरुवार को भारी हंगामे के बीच मणिपुर सरकार को जीएसटी एकत्र करने में सक्षम बनाने के लिए मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर बजट पारित कर दिया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह विधेयक उस अध्यादेश का स्थान लेगा, जो राज्य में राष्ट्रपति शासन के कारण लाया गया था. उन्होंने कहा कि ये विधेयक मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 में संशोधन करता है. लोस ने मणिपुर विनियोग विधेयक, 2025 को भी अपनी मंजूरी दे दी है. ये विधेयक वित्त वर्ष 2025-26 की सेवाओं के लिए मणिपुर राज्य की संचित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करता है. इस पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत सरकार दो हजार 898 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजटीय परिव्यय प्रदान करेगी, जिसमें से एक हजार 667 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय होंगे.

वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य की बेहतरी और विकास के लिए अतिरिक्त धनराशि आवश्यक है. उन्होंने इस विधेयक को पेश करते समय सदन को बताया कि शिविरों में रह रहे लोगों के पुनर्वास के लिए 523 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे. मणिपुर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए 542 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं. लोकसभा ने विपक्ष के शोरगुल के बीच दोनों विधेयक को बिना चर्चा के पारित कर दिए. इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में मणिपुर माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया. इस विधेयक को पेश करते समय उन्होंने सदन को बताया कि इसका उद्देश्य मणिपुर माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में और संशोधन करना है. उन्होंने तत्काल लागू करने के कारणों को दर्शाते हुए एक व्याख्यात्मक वक्तव्य भी प्रस्तुत किया. वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक संवैधानिक आवश्यकता है. अगर यह विधेयक पारित नहीं होता है, तो राज्य को जीएसटी परिषद द्वारा लंबे समय से अनुमोदित जीएसटी संशोधनों को लागू करने में कठिनाई होगी.

जापान ने दक्षिण क्षेत्र में तैनात किए लड़ाकू विमान

एजेंसी । नयी दिल्ली

जापान ने अपने पहले तीन एफ-35बी स्टील्थ लड़ाकू विमान गुरुवार को देश के दक्षिण में स्थित एक हवाई अड्डे पर तैनात किए हैं. क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा मजबूत करने के लिए जापान ने यह कदम उठाया है. विमानों को मियाज़ाकी प्रांत के न्युटाबारू एयर बेस पर तैनात किया गया है. एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने बताया कि एक और विमान बाद में आएगा. रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि मार्च 2026 के अंत तक न्युटाबारू को चार और एफ-35बी विमान सौंपे जाएंगे. जापान चीन को एक क्षेत्रीय खतरा मानता है और उसने दक्षिण-पश्चिम में दूरदराज के द्वीपों पर अपनी सैन्य तैनाती तेज कर दी है. वहीं जापान मगेशिमा द्वीप पर एक नए हवाई अड्डे पर एफ-35B उड़ान अभ्यास के लिए एक रनवे का निर्माण कर रहा है.

म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति म्यिंट स्वे का निधन

एजेंसी । नयी दिल्ली

म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति म्यिंट स्वे का गुरुवार को 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. सेना की जानकारी के अनुसार, वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे और राजधानी नेपीडॉ के सैन्य अस्पताल में इलाज करा रहे थे. उन्हें जुलाई 2024 से गहन देखभाल में रखा गया था. म्यिंट स्वे को 2021 में उस समय कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था, जब सेना ने आंग सान सू की की सरकार को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया था. वे पहले उपराष्ट्रपति थे, और सेना समर्थित पार्टी से जुड़े थे. उनकी नियुक्ति को कई कानूनी विशेषज्ञों ने विवादास्पद बताया था. उनके कार्यकाल में सभी महत्वपूर्ण निर्णय सैन्य प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग लेते थे. उन्होंने यांगून क्षेत्र के मुख्यमंत्री और सैन्य खुफिया प्रमुख जैसे कई अहम पदों पर काम किया था.

यूसीएलए के चांसलर जूलियो फ्रेंक ने दी जानकारी, कहा- रिसर्च पर पड़ेगा असर

ट्रंप प्रशासन ने रोकी यूसीएलए की $584 मिलियन की फंडिंग

एजेंसी । कैलिफोर्निया

अमेरिका की ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजेलिस (यूसीएलए) की 584 मिलियन डॉलर (लगभग 4,900 करोड़) की संघीय रिसर्च अनुदान को सस्पेंड कर दिया है. यह राशि पहले अनुमान से लगभग दोगुनी है. यूसीएलए के चांसलर जूलियो फ्रेंक ने बुधवार को इसकी जानकारी दी. यह पहली बार है जब किसी सरकारी यूनिवर्सिटी की फंडिंग इस तरह नस्लीय भेदभाव और यहूदी विरोधी माहौल के आरोपों को लेकर रोकी गई है. इससे पहले निजी यूनिवर्सिटीज पर ऐसे कदम उठाए गए थे.

क्या हैं आरोप : ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि यूसीएलए ने यहूदी और इस्राइली छात्रों के खिलाफ भेदभाव और दुश्मनी भरा माहौल बनने दिया. अमेरिकी न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग ने जांच में पाया कि यूसीएलए ने सिविल राइट्स एक्ट 1964 और संविधान के 14वें संशोधन का उल्लंघन किया है. 2024 में हुए फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन के दौरान कुछ यहूदी छात्रों और प्रोफेसरों ने शिकायत की थी कि उन्हें कक्षा में जाने से रोका गया और उन्हें निशाना बनाया गया.

समझौते में क्या हुआ : यूसीएलए ने तीन यहूदी छात्रों और एक प्रोफेसर

के साथ केस सुलझाते हुए छह मिलियन डॉलर (लगभग ₹50 करोड़) का समझौता किया. यूनिवर्सिटी अब 2.3 मिलियन डॉलर यहूदी विरोध के खिलाफ काम करने वाले आठ संगठनों को देगी. यूनिवर्सिटी ने परिसर और सामुदायिक सुरक्षा कार्यालय नाम का एक नया विभाग भी शुरू किया है, जो कैंपस में सुरक्षा और प्रदर्शन नियंत्रण देखेगा. चांसलर फ्रेंक ने यहूदी विरोध और इस्राइल विरोधी पूर्वाग्रह से लड़ने के लिए एक खास अभियान भी शुरू किया है.

यूसीएलए की प्रतिक्रिया : चांसलर जूलियो फ्रेंक ने कहा, 'अगर ये फंड्स स्थायी रूप से रोके गए, तो यूसीएलए और पूरे देश के लिए ये विनाशकारी होगा. हमारे यहां जो रिसर्च होती है, उसका फायदा अमेरिका और दुनिया को होता है.' उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी को यह पैसा नेशनल साइंस फाउंडेशन, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ और डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी से मिलता है. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के नए अध्यक्ष जेम्स बी. मिलिकेन ने भी इस फैसले की आलोचना की. उन्होंने कहा, 'ये कटौती यहूदी विरोध का हल नहीं है. यूसीएलए और पूरी यूसी यूनिवर्सिटी ने इस मुद्दे पर काफी काम किया है, लेकिन लगता है सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया.' उन्होंने आगे कहा कि इस फंडिंग से जो काम होते हैं, वे जीवन बचाने, अर्थव्यवस्था मजबूत करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहतर करने के लिए जरूरी हैं. पिछले हफ्ते कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने भी ऐसे ही आरोपों में 200 मिलियन डॉलर (1,650 करोड़) का समझौता किया था और उन्हें 400 मिलियन डॉलर की फंडिंग वापस मिल गई.

कुबेरेश्वर धाम में 3 दिन में 7 श्रद्धालुओं की मौत

सीहोर । मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में पिछले तीन दिन में कुबेरेश्वर धाम में आयोजित कांवड़ यात्रा में शामिल होने आए सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई. इसके बाद भाजपा से लेकर कांग्रेस के विधायकों ने इस तरह के आयोजन पर सवाल उठाए हैं. भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री कुसुम महदेले ने पंडित प्रदीप मिश्रा को रुद्राक्ष वितरण बंद करने की नसीहत दी है. साथ ही उन्होंने सरकार से पंडित प्रदीप के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है. राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कुबेरेश्वर धाम आए लोगों की मौतों को लेकर न्यायिक जांच कराने की बात कही है . मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग ने इस मामले का संज्ञान लिया है. दरअसल, प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में बुधवार को सीहोर की सीवन नदी से कुबेरेश्वर धाम तक 11 किमी की कांवड़ यात्रा निकाली गई.

6 साल की भारतीय मूल की बच्ची पर किया हमला

आयरलैंड के वाटरफोर्ड में लड़कों ने कहा- भारत वापस जाओ

एजेंसी । नयी दिल्ली

आयरलैंड के वाटरफोर्ड में भारतीय मूल की छह साल की बच्ची पर लड़कों ने बेरहमी से हमला किया. हमलावरों ने चिल्लाते हुए कहा, भारत वापस जाओ. बच्ची के निजी अंग पर भी वार किया. आयरलैंड में भारतीय मूल की किसी बच्ची पर यह पहला नस्लभेदी हमला है. हालांकि, देश में पहले अन्य भारतीयों के खिलाफ ऐसे हमले हो चुके हैं. बच्ची सोमवार शाम घर के बाहर दोस्तों के साथ खेल रही थी, तभी हमला हुआ. मां ने बताया कि हमलावरों में आठ साल की लड़की और 12-14 साल के लड़के थे. डबलिन स्थित समाचार एजेंसी द आयरिश मिरर को मां ने बताया कि मैंने उससे कहा था कि मैं बच्ची को दूध पिलाने के बाद वापस आ जाऊंगी, लेकिन बेटी एक मिनट बाद ही परेशान होकर घर आ गई. वह बहुत अधिक डरी थी. रो रही थी और बोल भी नहीं पा रही थी.

आयरिश मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, उसकी सहेली ने उसकी मां को बताया कि उनसे बड़ी उम्र के लड़कों ने उसके निजी अंगों पर साइकिल से वार किया और उनमें से पांच ने उसके चेहरे पर मुक्के मारे. उन्होंने कहा, गंदे भारतीय, भारत वापस जाओ. उसके बाल भी मरोड़े. महिला आठ साल से आयरलैंड में रह रही है. वह नर्स है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.